ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस सरकार का रवैया ही हिंदुओं की हत्या का कारण: बी.वाई. विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 03 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-121

पहलगाम हमले के बीच पीएम मोदी का बड़ा बयान

आज भारत की ताकत सिर्फ हथियार नहीं बल्कि हमारी एकता भी है

अमरावती शहर का सपना हकीकत में बदल रहा है : पीएम

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पहलगाम आतंकवादी हमले पर केंद्र की प्रतिक्रिया पर आंध्र प्रदेश के एनडीए सहयोगियों से खुला समर्थन मिलने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज भारत की ताकत सिर्फ उसके हथियारों में नहीं बल्कि उसकी एकता में भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमरावती में एक रैली में यह टिप्पणी की, जब उन्होंने राज्य में 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिसमें ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती के निर्माण को फिर से शुरू करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह शहर एक सपने का साकार होना और एक विकसित भारत की नींव है।

प्रधानमंत्री के संबोधन से कुछ मिनट पहले मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया और पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री की कार्रवाई का खुलकर समर्थन किया। उनकी टिप्पणियों का जिक्र किए बिना पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि सैन्य ताकत के अलावा एकता भी भारत की एक प्रमुख ताकत है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज हमारी ताकत सिर्फ हथियार नहीं बल्कि ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट हब का उद्घाटन किया, कहा

नए युग के विकास का प्रतीक है

तिरुवनंतपुरम (केरल विझिनजाम बंदरगाह), 02 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को समर्पित किया। तिरुवनंतपुरम में स्थित, गहरे समुद्र का बंदरगाह भारत का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब है। यह दक्षिणी राज्य को वैश्विक नौसैनिक मानचित्र पर लाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड द्वारा सार्वजनिक-निजी मॉडल के तहत सरकार के साथ साझेदारी में लगभग 8,867 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, इससे वैश्विक शिपिंग और व्यापार मार्गों में भारत की उपस्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ▶10पर

हम आपके साथ हैं : चंद्रबाबू और पवन कल्याण

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 02 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना समर्थन जताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने भी कार्यक्रम में बात की और पीएम मोदी को अपना समर्थन दिया। नायडू ने अपने भाषण में कहा कि हम आपके साथ हैं, पूरा आंध्र आपके साथ है, पूरा देश आपके साथ है। नायडू ने भीड़ से कहा कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का दर्द पीएम मोदी में देखा। नायडू ने कहा कि जब वे हमले के बाद अमरावती रिसॉर्ट कार्यक्रम के लिए पीएम को आमंत्रित ▶10पर

शशि थरूर के बहाने प्रधानमंत्री मोदी का इंडी ब्लॉक पर तंज

आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद खराब करने वाला है

तिरुवनंतपुरम, 02 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक पर कटाक्ष किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर की मौजूदगी को देखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि थरूर के कार्यक्रम में मौजूद होने से कई लोगों में बेचैनी पैदा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं मुख्यमंत्री (पिनाराई विजयन) से कहना चाहता हूं कि आप इंडिया गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं, शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। उन्होंने कहा, आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद खराब करने वाला है। ▶10पर

पहलगाम पर पीएम मोदी के बदले के ऐलान से यूएनएससी भी हिला

बड़े हमले की आशंका से बुलाई बैठक

संयुक्त राष्ट्र, 02 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बदले के ऐलान से सिर्फ पाकिस्तान में ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े मंच संयुक्त राष्ट्र में भी खलबली है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को भी पूरा भरोसा है कि पीएम मोदी पाकिस्तान के आतंकियों से घातक बदला जरूर लेंगे। लिहाजा तनाव करने के मद्देनजर यूएनएससी ने आपातकालीन बैठक बुला ली है।

यूएनएससी के अध्यक्ष ने परमाणु हथियार संपन्न दक्षिण एशियाई देशों भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच की स्थिति पर चर्चा करने के लिए सुरक्षा परिषद की बैठक जल्द हो सकती है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की यह बैठक विचार व्यक्त करने तथा तनाव कम करने में मदद करने का एक अवसर होगी। मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष यूनान के राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थायी प्रतिनिधि इवेंजेलोस सेकेरिस ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''बेशक, अगर बैठक के लिए अनुरोध आता है, तो..मुझे लगता है कि यह बैठक होनी चाहिए, क्योंकि जैसा कि हमने कहा कि संभवत: यह विचार व्यक्त करने का एक अवसर भी है और इससे तनाव कम करने में कुछ मदद मिल सकती है। हम इस पर विचार करेंगे। ▶10पर

पहलगाम आतंकवादी हमला

एनआईए ने 20 से अधिक ओजीडब्लू की पहचान की

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)। ओवरग्राउंड वर्करों का एक जटिल नेटवर्क आतंकवादियों को हाल के वर्षों में कश्मीर में सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक को अंजाम देने में सक्षम बनाता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलावर कम से कम 10 ओजीडब्लू के साथ निकट संपर्क में थे। इसी की मदद से उन्होंने 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में तबाही मचाई थी।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सूत्रों ने खुलासा किया है कि 20 से अधिक ▶10पर

विश्व हिंदू परिषद ने सरकार से की मांग

जल्द शुरू हो एनआरसी का काम

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में जिहादी आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं के निर्मम नरसंहार के बाद आज विश्व हिंदू परिषद ने सरकारी से मांग की है कि नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी का काम जल्द शुरू हो और पाकी नागरिकों व उनके स्लीपर सेलों को बाहर खदेड़ा जाए। विहिप के केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेन्द्र जैन ने कहा कि पहलगाम में जिहादी आतंकवादियों द्वारा हिंदुओं के निर्मम नरसंहार के बाद केंद्र सरकार ने जो कठोर कदम उठाए हैं, उनके कारण कई राष्ट्र विरोधी षड्यंत्र उजागर भी हो रहे हैं, जो दशकों से देश की जड़ों को खोखला कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसी लाखों महिलाएं सामने आई हैं, जिनके शौहर पाकिस्तानी मुसलमान हैं और वहीं के पासपोर्टधारी भी हैं, लेकिन वे महिलाएं और उनके बच्चे भारत के नागरिक हैं। ऐसे हजारों और भी मामले हैं जिसमें भारतीय मुस्लिम महिला ने किसी पाकिस्तानी से शादी की और खुद भी पाकिस्तान की नागरिकता ली लेकिन बच्चों को भारत की ही नागरिकता दिला रखी है। ये सब लोग भारत में मिल रही सुविधाओं का तो लाभ ले ही रहे हैं, ये भारत के पैसे पर पलकर भारत की ही जड़ों पर आघात कर रहे हैं। ये पाकिस्तान से सहानुभूति रखते है और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' जैसे नारों पर भड़ककर हिंसक हो जाते हैं। ये पाकिस्तानी स्लीपर सेल हैं जिन्हें अबिलंब सीमा पार खदेड़ा जाना बहुत जरूरी है।

आगे विहिप की मांग है कि अब भारतीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) शीघ्र बनना चाहिए, जो भी भारत के अधिकृत नागरिक नहीं है, उनके राशन कार्ड, आधार कार्ड या वोटर कार्ड की गहन जांच होनी चाहिए और उनको रद्द करके इन लोगों को भारत से निष्कासित करना चाहिए। ▶10पर

ईडी की चार्जशीट के बाद नेशनल हेराल्ड केस में बड़ा एक्शन

कोर्ट ने सोनिया और राहुल गांधी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य प्रस्तावित आरोपियों को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के सवाल पर सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि आरोपपत्र में कमियों को दूर कर दिया गया है और अब मुद्दा यह है कि क्या भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 223 के तहत नोटिस जारी किया जाना चाहिए। जज ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपने आरोपपत्र में नामित राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य लोगों को संज्ञान के समय सुनवाई का अधिकार है।

मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी। अदालत ने कहा कि मामला विचाराधीन चरण में है। ▶10पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा

अफगानिस्तान के एयरबेस पर चीन ने किया कब्जा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, 02 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सनसनीखेज दावा किया है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान के एक एयरबेस पर चीन ने कब्जा कर लिया है। ट्रंप के अनुसार अफगानिस्तान के बगराम एयर बेस को चीन ने अपने कब्जे में ले लिया है। यह वही एयरबेस है जिसे अमेरिका ने 2021 में खाली कर दिया था। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपने सबसे बड़े 'एयरफील्ड' बगराम को जुलाई 2021 में खाली कर दिया था। उस समय जो बाइडेन अमेरिका के राष्ट्रपति थे।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस को संबोधित करते हुए बृहस्पतिवार को कहा, हम बगराम को अपने पास रखने जा रहे थे, जो बड़ा वायुसेना अड्डा है, जो उस जगह से एक घंटे की दूरी पर है जहां चीन अपने परमाणु हथियार बनाता है। वे यही करते हैं। वे बगराम से एक घंटे की दूरी पर अपनी परमाणु मिसाइलें बनाते हैं और मैंने कहा कि आप बगराम को नहीं छोड़ सकते। उन्होंने कहा, उन्होंने (अमेरिका ने) बगराम को छोड़ दिया और अब चीन ने बगराम पर कब्जा कर रखा है। यह बहुत दुखद है।

ट्रंप ने कहा कि यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक है, दुनिया के सबसे मजबूत एवं सबसे लंबे रनवे में से एक है और यह उस जगह से एक घंटे की दूरी पर है जहां चीन अपनी परमाणु मिसाइल बनाता है।'' ट्रंप ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को ''विनाशकारी'' बताया। बगराम एयरफील्ड अफगानिस्तान के परवान प्रांत में स्थित है, जो चारीकार शहर से लगभग 11 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और काबुल से 47 किलोमीटर उत्तर में है। इस एयरफील्ड में 11,800 फुट का रनवे है जो बमवर्षक और बड़े मालवाहक विमानों के परिचालन में सक्षम है।

हार्वर्ड पर डोनाल्ड ट्रंप का कड़ा एक्शन

यूनिवर्सिटी को अब नहीं मिलेगी टैक्स छूट

वाशिंगटन, 02 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स छूट का दर्जा समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी घोषणा की। उनका यह कदम हार्वर्ड जैसी प्रतिष्ठित संस्था पर सरकार की कड़ी निगरानी और नीतिगत बदलावों की ओर इशारा कर सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने 2 मई 2025 को ऐलान किया कि उनका प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स-छूट का दर्जा समाप्त करने जा रहा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा, हम हार्वर्ड का टैक्स-छूट दर्जा समाप्त करने जा रहे हैं। वो इसी लायक हैं। इस कदम को हार्वर्ड और ट्रंप प्रशासन के बीच चल रहे विवादों से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले कुछ समय से ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड पर विविधता, समानता और समावेशन पहलों को लेकर दबाव बनाया है, जिन्हें प्रशासन नस्लीय भेदभाव के रूप में देखता है। इसके अलावा, प्रशासन ने हार्वर्ड पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मेजबानी की क्षमता को भी चुनौती दी है। ▶10पर

असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने दावा

गौरव गोगोई का बेटा भारतीय नागरिक नहीं

कामरूप (असम) , 02 मई (एजेंसियां)। राज्य के सूचना प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि मुख्यमंत्री के बाद अब वह भी यह दावे के साथ कह रहे हैं कि सांसद गौरव गोगोई का बेटा भारतीय नागरिक नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि गौरव गोगोई ने पाकिस्तान यात्रा को लेकर अब तक एक शब्द भी नहीं कहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह वाकई पाकिस्तान गए थे। हजारिका शुक्रवार को रंगिया में दूसरे चरण में होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनज़र भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। पांडुरी जिला परिषद के उम्मीदवार निपन भुइयां के समर्थन में आज मंत्री हजारिका ने चुनाव प्रचार किया। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,501.99
+259.75 +0.32% ↑

एनएसई :24,346.70
12.50 (0.05%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 23°

भारत के एक्शन से घबराया पाकिस्तान, पीओके की जनता को दिया हुक्म

दो महीने का राशन जमा कर लो

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश का माहौल है। आम जनता से लेकर राजनेता तक हर कोई पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग कर रहा है। पूरा देश एक सुर में भारत सरकार से आग्रह कर रहा है कि अब समय आ गया है जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में वापस लाया जाए।

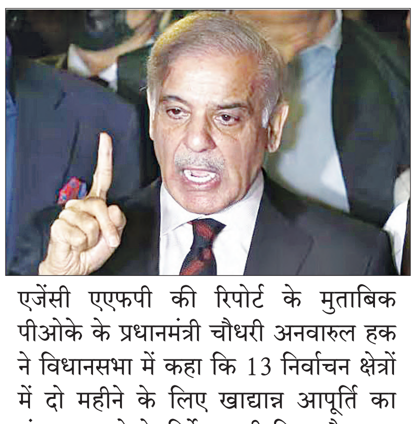

भारत सरकार की ओर से लिए गए कड़े फैसलों से पाकिस्तान डरा हुआ है. इस बीच पाकिस्तान कब्जे वाले कश्मीर में स्थानीय प्रशासन ने बॉर्डर के पास रहने वालो लोगों से दो महीने के लिए खाने-पीने की चीजों का भंडार करने का आह्वान किया है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक पीओके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक ने विधानसभा में कहा कि 13 निर्वाचन क्षेत्रों में दो महीने के लिए खाद्यान्न आपूर्ति का भंडारण करने के निर्देश जारी किया है।

इन 13 निर्वाचन क्षेत्रों में खाद्य, दवाइयां और अन्य सभी बुनियादी आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए एक अरब रुपए का आपातकालीन कोष भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा से लगे इलाकों में सड़कों के रखरखाव के लिए सरकारी और निजी मशीनरी भी तैनात की जा रही है।

पाकिस्तान इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि उसके पास विश्वसनीय सबूत हैं कि भारत हमले की तैयारी कर रहा है. इस डर से पाकिस्तान ने पीओके में अधिकारियों ने गुरुवार (1 मई 2025) को 10 दिनों के लिए 1000 से अधिक धार्मिक स्कूलों को बंद कर दिया है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए. इस हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों के साथ-साथ उसके पनाहगार को तबाह करने की कसम खाई है।

भारत ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का यूट्यूब चैनल ब्लॉक किया

4 क्रिकेटरों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद

पहलगाम/नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)। नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक यूट्यूब अकाउंट को ब्लॉक कर दिया। शरीफ का चैनल अब तक का सबसे हाई-प्रोफाइल सोशल मीडिया अकाउंट है, जिसे भारत सरकार ने ब्लॉक किया। शहबाज शरीफ के ब्लॉक किए गए प्रोफाइल में लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह कंटेंट फिलहाल इस देश में उपलब्ध नहीं है। सरकार की तरफ से हटाए जाने के अनुरोधों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया गूगल पारदर्शिता रिपोर्ट देखें। भारत सरकार इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक्स अकाउंट को ब्लॉक कर चुकी है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने पाकिस्तान से आने वाली गलत ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

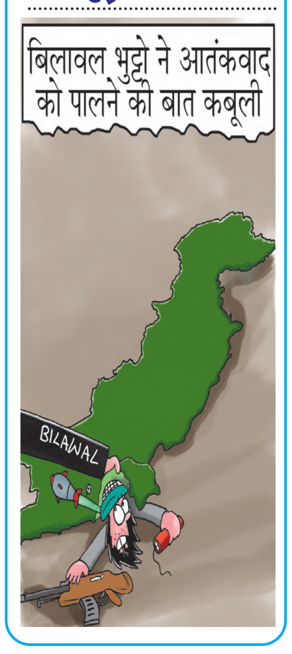

चार दिवसीय जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 का भव्य शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नार्थ एवं जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा चार दिवसीय जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 के आजोयन का भव्य शुभारंभ जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में पूरे भारत से जीतो के 7 जोन से, 24 चैप्टर की 24 टीमों के बीच 55 मैचों का मुकाबला होगा, जिसमें लगभग 360 से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता होगी। जीतो के इतिहास में यह खेल प्रतियोगिता नया इतिहास रचेगी। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की शुरुआत जीतो पदाधिकारियों द्वारा ध्वज-रोहण एपेक्स, जोन और चैप्टर द्वारा की गई। नवकार महामंत्र के सामूहिक संगान के पश्चात दीप प्रज्वलन हुआ, जिसमें जीतो के एपेक्स, केकेजी जोन, बेंगलूरु चैप्टर, महिला विंग, यूथ विंग और सभी प्रायोजक शामिल हुए। टूर्नामेंट के उद्घाटन सत्र में जीतो बेंगलूरु नार्थ के महामंत्री विजय सिंघवी एवं साउथ के महामंत्री नितिन लूनिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। टूर्नामेंट के उद्घाटन सत्र में बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने स्वागत भाषण से उमंग-उत्साह भरते हुए एपेक्स पदाधिकारियों एवं समस्त टीमों का अभिनंदन किया। वहीं, बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को अनुशासित और समाजोन्मुखी बनने का आह्वान किया।

विक्की ओसवाल, एपेक्स स्पोर्ट्स चेयरमैन ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि बेंगलूरु जीतो सदैव खेलों में इतिहास रचता आया है और समाज की खेल प्रतिभा को निखारने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक बताया। ललित डाँगी, जीतो एपेक्स महामंत्री ने कहा कि जीतो द्वारा आयोजित यह खेल महाकुंभ तीन मूल स्तंभ शिक्षा, सेवा और आर्थिक सुदृढ़ता को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने युवाओं के लिए और अधिक खेल आयोजनों की आवश्यकता जताई। कमलेश सोजातिया, एपेक्स वाइस प्रेसिडेंट ने बेंगलूरु टीम की कार्यशैली की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों से आपसी नेटवर्किंग और सौहार्द बढ़ाने का आग्रह किया। जीतो लिजेंड्स क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान हुए रोमांचक मुकाबलों में पुरुष वर्ग में विमल कटारिया की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब जीता। वहीं महिला वर्ग के मुकाबले में जीतो बेंगलूरु साउथ टीम और बेंगलूरु नॉर्थ टीम के बीच हुए मैच में बेंगलूरु नॉर्थ टीम विजयी रही। इस आयोजन में अरविंद दक द्वारा सभी टीमों की जर्सी का अनावरण किया गया। ट्रॉफी का अनावरण जीतो पदाधिकारियों द्वारा किया गया। चंपालाल भंडारी (सी बी भंडारी जैन कॉलेज) ने खिलाड़ियों और आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में टाइटल स्पॉन्सर जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल, पावर्ड बाय स्पॉन्सर सी बी भंडारी जैन कॉलेज, जर्सी प्रायोजक प्रोगन अरविंद दक, टॉस का बॉस प्रायोजक लक्ष्मी डायमंड्स चेतन मेहता, पेविलियन प्रायोजक मल्टीस्टार राजकुमार कोठारी, कैप प्रायोजक जैन डायरेक्ट विनीत जैन, किट प्रायोजक जीतो स्पोर्ट्स फाइंडिंग स्पॉन्सर, न्यूट्रीशन प्रायोजक नेकप्रो का सम्मान स्मृति चिन्हों के माध्यम से किया गया। इण्डियन आइडियल की रनरअप गायिका प्रियांशी श्रीवास्तव ने गीत-संगीत के माध्यम से समाँ बांधा, लोकप्रिय एवं प्रेरणादायक गीत द्वारा खिलाड़ियों में उत्साह का संचार करते हुए खूब तालियाँ बटोरी। इस आयोजन ने खेल भावना, एकता और प्रतिस्पर्धा की अद्भुत मिसाल पेश की और जीतो के आयोजनों की श्रेणी में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

परमात्मा की आज्ञा पालन में ही सच्चा धर्म

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजित स्थविर मुनि मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मनीषप्रभ सागरजी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि शरीर हमारा सहयोगी है जो हमें मोक्ष तक पहुंचा सकता है। शरीर के साथ मन जुड़ा हुआ है जो हमें नरक में भी ले जा सकता है और उत्तम गति में भी पहुंचा सकता है। शरीर हमारा सिर्फ श्मशान तक ही साथ दे पाएगा।

मन को हमें आत्मा से जोड़ना है। धर्म की सच्ची परिभाषा के संदर्भ में परमात्मा की आज्ञा ही धर्म है।

हमारा आचरण, व्यवहार और क्रिया परमात्मा की आज्ञा के अनुरूप होना चाहिए। धर्म की

दूसरी परिभाषा जयणा का पालन करना है। जयणा पूर्वक बनाया हुआ आहार ही हमें ग्रहण करना चाहिए। हम जैसा अन्न ग्रहण करेंगे वैसा ही हमारा मन होगा। शरीर में रही हुई बीमारियां हमें यही बताती है कि शरीर अलग है और हमारी आत्मा अलग है, हमें अपने आत्म भावों में ही रमण करना है। शरीर के प्रति हमारी आसक्ति कम होगी तो हमारी आत्मबल पुष्ट होगा और मन में वैराग्य पैदा होगा। हमारी सम्पत्ति भी हमारे घर तक ही साथ चलेगी। हमारी आत्मा के साथ हमारी साधना ही चलेगी। परिवार और रिश्तेदार भी हमारे साथ सिर्फ श्मशान तक ही चलेंगे। एक सिर्फ आत्मा ही कल भी हमारी थी, आज भी हमारी है और मोक्ष प्राप्ति तक हमारी ही रहेगी और वही हमारे साथ चलेगी। हमें स्व और पर का भेद करना है। हमने अभी तक स्व को पर माना है और पर का स्व माना है, लेकिन जिस दिन स्व और पर का भेद मिटेगा उसी दिन हमें आत्मा का सच्चा सुख महसूस होगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा 9 से 17 जून तक बेंगलूरु स्थित पैलेस मैदान प्रिंसेज श्राइन में कथा व्यास श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के सान्निध्य में श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन होगा। इसके लिए समिति के सुरेश मोदी, संजय अग्रवाल, मिथिलेश तिवारी एवं अजय पांडे ने गौ सेवक महेंद्र मुणोत को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

कांग्रेस ने जाति जनगणना कराने के बारे में क्यों नहीं सोचा: पी.सी. मोहन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद पी.सी. मोहन ने कहा कि सिद्धरामैया का कहना है कि नरेंद्र मोदी राहुल गांधी के बयान के दबाव में जाति जनगणना करा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 60 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस को जाति जनगणना कराने की समझ क्यों नहीं आई। यहां मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने 2013 में डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा प्रधानमंत्री रहते हुए बनाए गए कैबिनेट प्रस्ताव को फाड़ दिया था। उन्होंने कहा कि यह बकवास है। यही डॉ. मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री थे। सिद्धरामैया को राहुल गांधी से पूछना चाहिए कि उन्होंने जाति

जनगणना क्यों नहीं कराई। सिद्धरामैया ने कहा है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, हालांकि उन्हें पता है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता। उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए सिद्धरामैया की आलोचना की। पी.सी. मोहन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सिद्धरामैया राज्य की जनता को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के इस कथन का हवाला दिया कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं होना चाहिए। मंत्री मुनियप्पा ने कहा है कि खड़गे को राज्य का मुख्यमंत्री बनना चाहिए था। खड़गे कांग्रेस पार्टी में हैं। उन्होंने कहा कि वह मुनियप्पा को बताना चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा दलितों को धोखा दिया है। जगजीवन राम कांग्रेस से 7 बार सांसद रहे। लेकिन कांग्रेसियों ने उनके साथ धोखा किया है। खड़गे ने कहा कि 550 करोड़ रुपए पर्याप्त नहीं हैं। हालाँकि, हमारी सरकार जाति जनगणना के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि यह स्वागत योग्य है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया है। पहली जाति जनगणना ब्रिटिश शासन के तहत 1931 में आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि मोदी की कैबिनेट द्वारा जाति जनगणना कराने के फैसले से देश में सभी को खुशी मिली है। कांग्रेस पार्टी, जिसने इस देश पर 60 साल से ज्यादा राज किया, कहती रही कि हम ओबीसी, एससी और एसटी के साथ हैं। हालाँकि, उन्होंने आलोचना की कि वे आज तक इन समुदायों को न्याय दिलाने में विफल रहे हैं। मोदी की सरकार में जाति जनगणना कराई जाएगी और जातिवार सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण कराया जाएगा। इससे उन लोगों को सरकारी लाभ प्रदान करने में मदद मिलेगी जो इसके लिए पात्र नहीं हैं, जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग शामिल हैं। अदालत पूछती है कि समाज की स्थिति कैसी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सर्वेक्षण जमीनी स्तर पर लोगों को सहायता प्रदान करेगा। इस मौके पर सांसद यदुवीर वॉडियार, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, ओबीसी मोर्चा के राज्य महासचिव सोमशेखर, ओबीसी मोर्चा की राज्य उपाध्यक्ष अश्विनी शंकर उपस्थित थे।

गांधी वृद्धाश्रम में वाटर कूलर डिस्पेंसर का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु ने गांधी वृद्धाश्रम में स्थाई प्याऊ अभियान के तहत एक वाटर कूलर डिस्पेंसर का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की संयोजिका किशिका सराफ ने सफल आयोजन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य अपने परिवार और बच्चों के साथ उपस्थित रहे और वृद्धों को अपने हाथों से भोजन परोसकर सेवा की भावना को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने सभी सदस्यों से अपने जन्मदिन और वर्षगांठ जैसे अवसरों को वृद्धाश्रम में मनाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक सदस्य गंगाधर मोर, पंकज जालान, पवन राजलीवाल, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, रूपेश केडिया, लोकेश सांखला, अरुण शर्मा, अमित मोदी, गौरव रूंगटा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। सहसचिव सोनू शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल द्वारा नाश्ते की व्यवस्था की गई।

स्पीकर खादर ने सुहास शेट्टी की हत्या की कड़ी निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि वह गुरुवार को मेंगलूरु में हुई सुहास शेट्टी की हत्या की कड़ी निंदा करते हैं। इस हत्या के लिए जो भी जिम्मेदार हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस विभाग को शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई करनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हत्या संभवतः व्यक्तिगत दुश्मनी से प्रेरित थी। हत्या किया गया सुहास शेट्टी पहले कीर्ति हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। जांच के बाद सच्चाई पता चलेगी। यह व्यक्तिगत समूहों के बीच संघर्ष है, न कि धर्मों के बीच घृणा। उन्होंने कहा कि तट की अपनी विरासत है। दक्षिण कन्नड़ जिले को आगे बढ़ाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। जब ये कृत्य होते हैं तो घृणा की भावना उत्पन्न होना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग को इस पर नियंत्रण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। फाजिल की हत्या के कारण लोगों में बदले की भावना थी। लेकिन फाजिल के पिता ने फोन करके कहा कि ऐसी जवाबी कार्रवाई हमारा काम नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि इस घटना से उनका कोई लेना-देना नहीं है। मैं कोई राजनीतिक जवाब नहीं देने जा रहा हूं। किसी को भी इस घटना का राजनीतिक फायदा नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वालों को आत्मचिंतन करना चाहिए।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी का मामला

कोर्ट ने दर्ज की गई एफआईआर के खिलाफ भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि की याचिका खारिज कर दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2024 में बेलगावी में विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में भाजपा एमएलसी सी. टी. रवि के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा यदि कथित रूप से कोई शब्द बोला गया है, या यदि कोई कथित इशारा किया गया है, तो महिला के खिलाफ, शिकायतकर्ता, निश्चित रूप से उसकी शील भंगिमा को ठेस पहुंचाता है और सबसे बढ़कर, इसका विधान परिषद के कामकाज से कोई संबंध नहीं हो सकता है, या सदन के कामकाज के लेन-देन से कोई संबंध नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने रवि द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए फैसला सुनाया। हेब्बालकर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर रवि के खिलाफ दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर

आपराधिक कार्यवाही शुरू की गई थी। एफआईआर बीएनएस की धारा 75 और 79 के तहत दंडनीय अपराध के लिए दर्ज की गई थी, जिसमें महिला पर हमला करने या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का इरादा है। अदालत ने 23 जनवरी को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को हेब्बालकर की शिकायत के आधार पर दर्ज आपराधिक मामले की जांच 30 जनवरी तक न करने का निर्देश दिया था, लेकिन बाद में राज्य के सरकारी अभियोजक ने अदालत से अनुरोध किया कि वह मजिस्ट्रेट को जांच जारी रखने के लिए आवाज का नमूना लेने की सीआईडी की याचिका पर विचार करने की अनुमति दे।

हालांकि, अदालत ने 30 जनवरी को कहा था कि सीआईडी याचिका पर कार्यवाही को बाधित नहीं कर सकती क्योंकि याचिका में उठाए गए मुद्दे पर उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि रवि की इस दलील के पक्ष में और खिलाफ कई फैसले हैं कि एक विधायक को विधायिका के सदनों के अंदर कहे गए शब्दों के लिए आपराधिक अभियोजन से छूट प्राप्त है। न्यायालय ने 24 फरवरी को रवि और सीआईडी की ओर से दलीलें पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। रवि की ओर से दलील दी गई कि विधानमंडल के सदनों के अंदर बोले गए विधायक के भाषण को भारत के संविधान के अनुच्छेद 194 के तहत विधायकों के विशेषाधिकारों के तहत संरक्षित किया जाता है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के कुछ निर्णयों का हवाला दिया। हालांकि, सीआईडी ने तर्क दिया था कि विधायकों के कुछ कृत्यों से कोई पूर्ण छूट नहीं है, हालांकि वे सदनों के अंदर होते हैं। उन्होंने केरल विधानसभा के अंदर तोड़फोड़ की एक घटना का हवाला दिया, जिसमें फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया गया था। इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि विधायकों के विशेषाधिकार और उन्मुक्ति को तोड़फोड़ के कृत्यों तक नहीं बढ़ाया जा सकता। जब सदन में कथित घटना हुई, तब सदन सत्र में नहीं था क्योंकि विधान परिषद के अध्यक्ष ने पहले ही कार्यवाही स्थगित कर दी थी। रवि की ओर से दावा किया गया कि परिषद के अध्यक्ष ने सदन के अंदर अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया था और कार्यवाही बंद कर दी थी।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी ने विभिन्न उपनगरों में विचरण कर शुक्रवार को उदयलाल पोखरना के निवास स्थान जयनगर से बनशंकरी की तरफ विहार किया। इस मौके पर सांसद पी सी मोहन ने साध्वी संयमलता जी से अपने घर पधारने की विनतीं की। साध्वी जी उनके घर पहुंची और प्रेरणा देते हुए कहा देश की उन्नति के लिए राजनीति में धर्मनीति का समावेश हो और देश, राष्ट्र और समाज में शांति लाने का प्रयास बना रहे। इसके साथ नैतिकता, सदभावना जैसे आयामो पर भी काम करते रहें। सांसद पी सी मोहन ने कहा राजनीति के साथ शांति का वातावरण बना रहे। साथ में बेंगलूरु पूर्व कमिश्नर एवं भाजपा नेता भास्कर राव ने भी साध्वी के दर्शन किए। साध्वी मार्दवश्री जी ने कहा दुनिया में तीन पावर होते है। राजनीति शक्ति, आर्थिक शक्ति, धार्मिक शक्ति तीनों शक्तियों में राजनीति शक्ति के साथ धार्मिक शक्ति जुड़ जाए तो भारत एक विकसित एवं सरल देश बन सकता है। इस अवसर पर हनुमंतनगर सभा अध्यक्ष गौतम दक, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप गांधीनगर से भरत रायसोनी, विक्रम दुगड़, विजयनगर किशोर मण्डल संयोजक हर्ष मांडोत, तेयुप हनुमंतनगर अध्यक्ष कमलेश झाबक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कांग्रेस सरकार का रवैया ही हिंदुओं की हत्या का कारण: बी.वाई. विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के एसडीपीआई और पीएफआई के प्रति प्रेम ने सुहास की हत्या, हिंदुओं के खिलाफ धमकियों और हिंदुओं की हत्या जैसे अत्याचारों को ताकत दी है। उन्होंने कहा कि दुष्टों को हाथी की ताकत मिल गई है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुरुवार रात मेंगलूरु में हिंदू कार्यकर्ता सुहास की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह स्पष्ट है कि यह पूर्वनियोजित था। कश्मीर में हिन्दुओं का नरसंहार हो रहा है। देश और प्रदेश की जनता इसे भूली नहीं है। इस बीच, उन्होंने कहा कि एक हिंदू कार्यकर्ता की बर्बर हत्या निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद यह विश्वास

बढ़ गया है कि देशद्रोही और हत्यारे किसी भी अपराध को अंजाम देकर बच निकलेंगे। परिणामस्वरूप, ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या की जा रही है।

हिंदू संगठनों को धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हिंदू नेताओं की हत्या जारी है। क्या कर्नाटक राज्य में कोई गृह मंत्री जीवित नहीं है? क्या खुफिया सेवा खत्म हो गयी है? राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति क्या है? जब उन्हें पता था कि एक हिंदू कार्यकर्ता की जान खतरे में है, तो फिर ऐसी घटना कैसे संभव हुई? उन्होंने सुहास की हत्या के लिए मुख्यमंत्री के नरम रवैये की आलोचना की। भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि वे इस नरसंहार की निंदा करते हुए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान करेंगे। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि जब तक हिंदू विरोधी राज्य सरकार नहीं हटेगी, तब तक राज्य के लोगों को चैन नहीं मिलेगा। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में मुख्यमंत्री के बयानों से देशद्रोहियों को ताकत मिल रही है। गृह मंत्री की निष्क्रियता से यह बहस छिड़ गई है कि हम कर्नाटक में हैं या पाकिस्तान में। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राज्य सरकार का हिंदू विरोधी व्यवहार और हिंदू विरोधी नीतियां ऐसे देशद्रोहियों को सशक्त बना रही हैं।

कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए कि उन्होंने राहुल गांधी के डर से जाति जनगणना कराने का फैसला किया। अगर उन्हें चिंता होती तो वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह (आजादी के बाद 55-60 साल तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी) से पूछते कि वे जाति जनगणना क्यों नहीं करा पाए। उन्होंने सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा कि वे समुदायों के बीच दरार पैदा करने में असीमित प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उन पर जातियों के बीच नफरत के बीज बोने का आरोप लगाया।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने सुहास शेट्टी की हत्या की एनआईए जांच की मांग की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ सांसद (एमपी) कैप्टन बृजेश चौटा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी जाए।

शुक्रवार को लिखे अपने पत्र में, एमपी चौटा ने 1 मई की रात को बाजपे में सुहास शेट्टी की 'चौंकाने वाली और निर्मम हत्या' पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस कृत्य को 'क्रूर' और 'सार्वजनिक रूप से दंड से मुक्त होकर किया गया' बताते हुए उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे तटीय कर्नाटक क्षेत्र को हिलाकर रख दिया है। चौटा ने बताया कि सुहास शेट्टी की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, बल्कि अराजकता और लक्षित हत्याओं के एक परेशान करने वाले पैटर्न का हिस्सा थी, जो कथित तौर पर कट्टरपंथी और राष्ट्र-विरोधी तत्वों से जुड़ी हुई थी। उन्होंने प्रवीण नेट्टारू की 2022 की हत्या के साथ समानताएं बताईं, जिसे

कथित तौर पर अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कार्यकर्ताओं ने निशाना बनाया था। सुहास शेट्टी के परिवार और स्थानीय समुदाय की पीड़ा और न्याय की मांग को उजागर करते हुए चौटा ने केंद्रीय मंत्री से एनआईए द्वारा व्यापक और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने हत्या और प्रतिबंधित पीएफआई तत्वों के बीच संभावित संबंधों को केंद्रीय हस्तक्षेप का कारण बताया। सांसद ने पत्र में कहा देश किसी भी हिस्से में कट्टरपंथी, राष्ट्र-विरोधी और जिहादी ताकतों को पनपने की अनुमति नहीं दे सकता। उन्होंने न केवल प्रत्यक्ष अपराधियों के खिलाफ बल्कि उन लोगों के खिलाफ भी त्वरित कार्रवाई करने का आह्वान किया जिन्होंने इस कृत्य का समर्थन या वित्तपोषण किया। केंद्र सरकार के नेतृत्व में अपने विश्वास को दोहराते हुए चौटा ने कानून के शासन में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए निर्णायक कदम उठाने का अनुरोध किया।

जय पाकिस्तान कहने वालों को गोली मार देनी चाहिए: एच. विश्वनाथ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य एच. विश्वनाथ ने कहा कि जय पाकिस्तान कहने वालों को गोली मार देनी चाहिए। कुछ लड़के यहां खाना खाते हैं और जय पाकिस्तान कहते हैं। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस संबंध में नया कानून बनाए। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है।

इंदिरा गांधी ने 1971 में पाकिस्तान को हराया था। वही काम अब भी नमो के जरिए किया जाना चाहिए। उस समय पूरा देश उनके पक्ष में था। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को अभी भी यही काम करने की जरूरत है। केंद्र सरकार के जाति जनगणना कराने के कदम का स्वागत करते हुए विश्वनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार की जाति जनगणना का देश के सभी लोग स्वागत करते हैं। मैं भी केन्द्रीय जाति जनगणना का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि राज्य जाति जनगणना और केंद्रीय

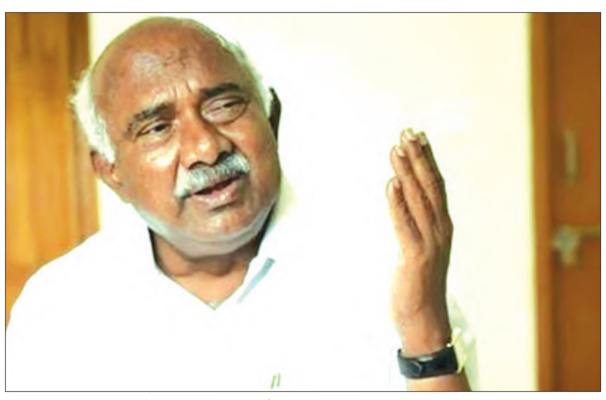

जाति जनगणना में बहुत अंतर है। राज्य में जाति जनगणना का काम पिछले 10 वर्षों से चल रहा है। लेकिन इसे अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। हमें अभी तक कांताराजू की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। जो कुछ मिला वह के. जयप्रकाश हेगड़े की रिपोर्ट थी। कांताराजू रिपोर्ट का क्या हुआ? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जाति जनगणना की गंभीरता को नहीं समझते हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि वे बस किसी विषय पर बात कर रहे थे। केन्द्रीय जाति जनगणना का सभी समुदायों ने स्वागत किया है। चूंकि केंद्र सरकार जाति जनगणना की दिशा में आगे बढ़ रही है, इसलिए राज्य जनगणना अब मूल्यवान नहीं रह गई है। बेलगावी कांग्रेस विरोध रैली में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा एक पुलिस अधिकारी पर गुस्से में हाथ उठाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा सिद्धरामैया सभी से एक ही तरह से बात करते हैं। इस तरह की बातें करके वे समाज में अलग-थलग पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वजह से वह खुद अपना सम्मान खो रहे हैं। यदि आप सरकार के सर्वोच्च स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों के खिलाफ हाथ उठाएंगे, तो अधिकारी अपना काम कैसे करेंगे? विश्वनाथ ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के व्यवहार की आलोचना की।

मंत्री शिवानंद पाटिल ने विधानसभा से दिया इस्तीफा

बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को विधायक पद छोड़ने की दी चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कपड़ा, चीनी, गन्ना विकास और कृषि विपणन मंत्री शिवानंद एस. पाटिल ने शुक्रवार को कर्नाटक विधानसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया। पाटिल ने स्पीकर यू. टी. खादर से अपना इस्तीफा सौंपने के लिए मुलाकात की। पाटिल विजयपुरा जिले के बसवाना बागेवाड़ी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने विजयपुरा में भाजपा से निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। विधायक ने मंत्री को विधानसभा से इस्तीफा देने और उनके (बसनगौड़ा पाटिल यतनाल) खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी। इस मौखिक द्वंद्व के कारण मंत्री ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने पत्र में, मंत्री ने स्पीकर से अनुरोध किया कि उनका इस्तीफा तभी स्वीकार किया जाए, जब बसनगौड़ा पाटिल यतनाल भी विधानसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दें। यतनाल विजयपुरा

(बीजापुर) सिटी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यतनाल ने दावा किया था कि पाटिल मुस्लिम वोटों के समर्थन के बिना चुनाव नहीं जीत सकते और उन्हें 'पाकिस्तान का एजेंट' कहा था। पाटिल ने कहा कि उनके इस्तीफे का कांग्रेस पार्टी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से कोई लेना-देना नहीं है। इससे पहले विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने मंत्री शिवानंद पाटिल और कांग्रेस विधायक विजयानंद कशप्पनवर को कर्नाटक विधानसभा से इस्तीफा देने और उपचुनाव में उनका सामना करने की चुनौती दी। उन्होंने उनके खिलाफ चुनाव लड़ने और उन्हें हराने की कसम खाई। उन्होंने विजयपुरा में कहा अगर वे अगले शुक्रवार (9 मई) तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो मुझे उनके माता-पिता पर संदेह होगा। उन्होंने विजयपुरा में बसव जयंती समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा उन्हें मुझसे लड़ने के लिए विजयपुरा शहर आने की जरूरत नहीं है। आइए हम सभी निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ें। मैं उन्हें उनके घरेलू मैदान में हरा दूंगा। यतनाल ने दावा किया कि उनके विपरीत पाटिल और कशप्पनवर जन नेता नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पार्टी से जुड़े होने के कारण नहीं बल्कि अपने करिश्मे के कारण चुनाव जीता है। उन्होंने कहा यह बात कांग्रेस के दो नेताओं के बारे में नहीं कही जा सकती, जो अगर दोबारा चुनाव लड़ें तो आसानी से हार जाएंगे। यतनाल ने उन्हें हिंदुत्व विरोधी और मुस्लिम तुष्टिकरण में लिप्त बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवानंद पाटिल का मूल नाम शिवानंद हचादाद था और मंत्री ने सम्मान पाने के लिए अपना उपनाम बदल लिया है। उन्होंने कहा कि शिवानंद पाटिल को हिंदू मतदाता हराएंगे, जो हाल ही में विजयपुरा में मुसलमानों की रैली में शामिल होने के कारण उनसे नाराज हैं। यतनाल ने दावा किया कि कशप्पनवर न तो पंचमसाली लिंगायत के नेता हैं और न ही हिंदू हैं। यतनाल ने कहा इन दोनों नेताओं को अगले चुनाव में एक भी हिंदू वोट नहीं मिलेगा।

ईश्वरप्पा ने जाति जनगणना पर केंद्र के फैसले का स्वागत किया

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने अगली जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। यहां शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईश्वरप्पा ने कहा कि आजादी के बाद से लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी जाति जनगणना नहीं करा सकी। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने ऐसा फैसला किया है। उन्होंने कहा जनगणना सभी समुदायों की मदद करती है, न कि केवल पिछड़े वर्गों की। केंद्र के फैसले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा कि कांग्रेस ने केंद्र से तीन महीने के भीतर जनगणना की समय-सारिणी घोषित करने को कहा था। लेकिन राहुल गांधी अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से 10 साल पहले एकत्र किए गए जाति जनगणना के आंकड़ों को जारी करने के लिए क्यों नहीं कह सकते? सिद्धरामैया को सात साल पहले तैयार की गई रिपोर्ट जारी करने से कौन रोक रहा है? ईश्वरप्पा ने मांग की कि कर्नाटक सरकार जाति जनगणना की रिपोर्ट तुरंत जारी करे। जब मैं विधान परिषद में विपक्ष का नेता था, तब मैंने राज्य सरकार से रिपोर्ट जारी करने का आग्रह किया था। लेकिन सीएम ने इसे जारी नहीं किया। कांग्रेस के भीतर कुछ ताकतें रिपोर्ट का विरोध कर रही हैं। अगर रिपोर्ट में सुधार करने की जरूरत है, तो उन्हें बाद में किया जा सकता है। सीएम को रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। मेंगलूरु में सुहास शेट्टी की हत्या का जिक्र करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था विफल हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार गुंडों की गतिविधियों को नियंत्रित करने में विफल रही है।

मुख्यमंत्री ने सुहास शेट्टी हत्या मामले की गहन जांच के आदेश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि पुलिस को मेंगलूरु में एक उपद्रवी की हत्या के पीछे के कारणों की गहन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। मांड्या में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेंगलूरु में जिस व्यक्ति की हत्या हुई है, वह एक गुंडा बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) को मामले की गहन जांच करने, दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने तथा कानून के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मानव जीवन महत्वपूर्ण है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि हत्या पूर्वनियोजित थी या नहीं। उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो भाजपा मौके पर जाकर राजनीति करती है। पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। क्या प्रधानमंत्री वहां गए हैं? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह सुरक्षा चूक थी? हमारे मंत्री संतोष लाड पहलगाम गए थे। पूछे जाने पर बताया गया कि हमले के समय एक भी सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था। क्या हम यह नहीं कह सकते कि यह सब असफलता है? मुझे स्पीकर यूटी खादर को किसी प्रकार की धमकी की जानकारी नहीं है। यदि ऐसा है तो मुझे भी बहुत सारी धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि वह इससे परेशान नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि चामराजनगर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को उड़ाने की किसी धमकी भरे कॉल के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। शराब की कीमत में वृद्धि पर संयम संहिता लागू होगी। उन्होंने कहा कि यही कारण था।

हिंदुओं की रक्षा करने वाली सरकार होनी चाहिए जिहादियों का समर्थन करने वाली नहीं: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा से निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि सरकार को राजनीतिक कारणों से पीएफआई जैसे प्रतिबंधित संगठनों का समर्थन नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी सरकार होनी चाहिए जो हिंदुओं की रक्षा करे। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर मेंगलूरु में हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या की निंदा की है और मांग की है कि बहुसंख्यक हिंदू आबादी को निशाना बनाकर की जा रही हत्याओं की इस साजिश को तुरंत रोका जाना चाहिए। हिंदू कार्यकर्ता, बजरंग दल के सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य समाज के लिए काम कर रहे हैं और उन्होंने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में भाग नहीं लिया है। कुछ लोगों को गौरक्षा और अवैध बूचड़खानों के खिलाफ लड़ना अपमानजनक लगता है। उन्होंने मांग की है कि हत्यारों और उन्हें प्रोत्साहित करने, वित्तीय सहायता और आश्रय प्रदान करने वालों की पहचान की जाए और उन्हें फांसी दी जाए। उन्होंने आरोप लगाया

कि फरवरी 2015 में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया संगठन के आतंकवादियों ने हिंदू कार्यकर्ता की हत्या कर दी थी और अक्टूबर 2015 में गौरक्षा के लिए काम करने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक और बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रशांत पुजारी की मूडबिद्री में हत्या कर दी गई थी। नवंबर 2015 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और विश्व हिंदू परिषद के संगठन सचिव कुट्टप्पा की कोडागु में बदमाशों ने दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या कर दी थी। हरीश की हत्या टीपू जयंती के खिलाफ प्रदर्शन करते समय जिहादियों ने कर दी थी। इस बीच राजू नामक एक व्यक्ति की भी हत्या कर दी गई। अगस्त 2016 में बजरंग दल के सक्रिय कार्यकर्ता चरण पुजारी की मेंगलूरु के वामनजुर में हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने हत्या के आरोप में मोहम्मद शाहरुख, मुस्तफा, राहीफ और नवाज को गिरफ्तार किया था। नवंबर 2016 में टिपटूर के रुद्रेश की जिहादियों ने हत्या कर दी थी। मार्च 2016 में मैसूरु के उदयगिरी में एक चाय की दुकान पर चाय पीते समय भाजपा कार्यकर्ता राजू क्याथामारनहल्ली की हत्या कर दी गई थी। अगस्त 2016 में, अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर घर लौटते समय कोडागु के कुशलनगर में प्रवीण पुजारी की हत्या कर दी गई थी। अक्टूबर 2016 में बेंगलूरु के शिवाजी नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रुद्रेश की हत्या कर दी गई थी। दिसंबर 2017 में विश्व हिंदू परिषद के युवा कार्यकर्ता परेश मेश्त्रा की होन्नावर में हत्या कर दी गई थी। दो साल पहले में, दक्षिण कन्नड़ के भाजपा युवा मोर्चा के सचिव प्रवीण नेट्टारू की दक्षिण कन्नड़ के बेलारे गांव में हत्या कर दी गई थी। यतनाल ने कहा कि यह सूची और भी लम्बी है।

नेलमंगला के पास एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में दो लोग जिंदा जल गए, चार घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु उत्तर तालुक के नेलमंगला शहर में अदकमराहल्ली के पास गुरुवार को एक भयावह घटना में एलपीजी सिलेंडर लीक होने से लगी आग में दो लोग जिंदा जल गए और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय नागराजू और 50 वर्षीय श्रीनिवास के रूप में हुई है। घायलों – अभिषेक गौड़ा, शिवशंकर, लक्ष्मी देवी और बसना गौड़ा – का बेंगलूरु के विक्टोरिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। मदनायकनहल्ली पुलिस के अनुसार, जिसने मामले की जांच शुरू कर दी है, किराए के घर में एलपीजी सिलेंडर बदलते समय गैस लीक होने के कारण आग लग गई। बल्लारी के मूल निवासी नागराजू अपनी पत्नी लक्ष्मी देवी और अपने बच्चों अभिषेक गौड़ा और बसना गौड़ा के साथ घर में रह रहे थे। खाली सिलेंडर को नए से बदलने के दौरान, अभिषेक कथित तौर पर गैस लीक को नोटिस करने में विफल रहे। पुलिस को संदेह है कि घर में देवता के सामने जलाए गए पारंपरिक दीपक से लीक हुई गैस प्रज्वलित हुई, जिससे विस्फोट हुआ और कुछ ही क्षणों में घर में आग लग गई।

इस अफरातफरी में लक्ष्मी देवी और उनके छोटे बेटे बसना गौड़ा किसी तरह आग से बच निकले। हालांकि, नागराजू और अभिषेक अंदर फंस गए। शोर सुनकर पड़ोसी श्रीनिवास और घर के मालिक शिवशंकर मदद के लिए दौड़े। दुखद मोड़ यह आया कि पीड़ितों को बचाने और आग बुझाने की कोशिश करते समय श्रीनिवास आग में फंस गए और जिंदा जल गए। अभिषेक गंभीर रूप से झुलस गए, लेकिन किसी तरह बच निकले। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने कहा आग बहुत तेज थी और तेजी से फैल गई। ऐसा लगता है कि सिलेंडर बदलने के दौरान लापरवाही बरती गई। हम सटीक कारण की पुष्टि के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

बंटवाल में भारी भीड़ ने सुहास शेट्टी को श्रद्धांजलि दी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु के बाजपे में मारे गए हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी को श्रद्धांजलि देने के लिए बंटवाल के बीसी रोड पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। सुहास शेट्टी के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए एक हजार से अधिक कार्यकर्ता एकत्र हुए। बीसी रोड बस स्टैंड पर लोगों के दर्शन के लिए व्यवस्था की गई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। एकजुटता दिखाते हुए सभी दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर केवल कुछ निजी वाहन ही दिखाई दिए। क्षेत्र में कोई बस सेवा संचालित नहीं होने के कारण, संगठन के स्वयंसेवकों ने निजी वाहनों का उपयोग करके छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए परिवहन की सुविधा प्रदान की। इस स्थान पर मौजूद लोगों में बंटवाल विधायक राजेश नाइक, बेल्टांगडी विधायक हरीश पूंजा, आरएसएस नेता कल्लदका

प्रभाकर भट और कई अन्य नेता शामिल थे। आईजी अमित सिंह, एसपी यतीश एन, शहर के पुलिस निरीक्षक अनंतपद्मनाभ और एसआई रामकृष्ण ने स्थिति की निगरानी के लिए बंटवाल में खुद तैनात थे। सुहास शेट्टी की शव यात्रा निजी अस्पताल से शुरू हुई, जहां उनका पार्थिव शरीर रखा गया था और उनके गृहनगर बेलटांगडी के लिए रवाना हुई। जुलूस में बड़ी भीड़ शामिल थी, सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मार्ग के प्रमुख जंक्शनों पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था।

प्यास फाउंडेशन ने बेलगावी में एक झील को पुनर्जीवित किया

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी स्थित प्यास फाउंडेशन ने कर्नाटक के बेल-गावी जिले में एक झील को पुनर्जीवित किया और दूसरी बनाई। बाद में इन्हें हितधारकों को सौंप दिया गया। फाउंडेशन ने पुनर्जीवित गजपति झील को, जो साढ़े सात एकड़ में फैली हुई है, ग्राम पंचायत को सौंप दिया। कायाकल्प को जिनबाकुल फोर्ज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत समर्थन दिया। प्यास फाउंडेशन के अध्यक्ष माधव प्रभु ने कहा कि यह फाउंडेशन की 14वीं झील और कुएं पुनरुद्धार परियोजना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन नौ वर्षों से विभिन्न पर्यावरण संरक्षण परियोजनाओं में काम कर रहा है। महिला एवं बाल विकास,

तथा विकलांग एवं वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने फाउंडेशन को उसके दान कार्यों और उसके सदस्यों को उनके समर्पण के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने जल निकायों के पुनरुद्धार को जारी रखने का आग्रह किया और ऐसी परियोजनाओं के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। धोबी घाट झील परियोजना अद्वितीय थी क्योंकि यह बेलगावी में 50 वर्षों में निर्मित पहली मानव निर्मित झील थी। डेढ़ एकड़ के जल निकाय में एक कृत्रिम द्वीप है जिस पर फलदार वृक्षों के पौधे लगाए गए हैं।

पेड़ों से पक्षियों को आकर्षित करने और घोंसले बनाने को बढ़ावा देने की उम्मीद है, जिससे एक संपन्न सूक्ष्म पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा। डॉ. प्रभु ने कहा कि इस परियोजना को स्नेहम टैपिंग सॉल्यूशंस के सीएसआर समर्थन और भारतीय जल विज्ञान संस्थान के तकनीकी मार्गदर्शन के साथ क्रियान्वित किया गया। झील को मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट और कैंटोनमेंट बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी और बोर्ड के सीईओ राजीव कुमार को सौंप दिया गया। ब्रिगेडियर मुखर्जी ने परिणाम पर गहरी संतुष्टि व्यक्त करते हुए फाउंडेशन के प्रयासों की प्रशंसा की। कुमार ने परियोजना के महत्व को स्वीकार किया तथा जनहित के लिए झील पर एक उद्यान बनाकर उसे और बेहतर बनाने का वादा किया।

मॉब लिंचिंग के बाद जिला प्रभारी मंत्री राव के दौरे में देरी से जनता में आक्रोश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुडुपु में एक क्रूर भीड़ द्वारा की गई हत्या ने पूरे मेंगलूरु में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है, जिससे बढ़ती अराजकता और सामाजिक अशांति पर चिंता बढ़ गई है। केरल के वायनाड निवासी पीड़ित अशरफ को 27 अप्रैल को भीड़ ने कथित तौर पर पीट-पीटकर मार डाला था।

इस अपराध के सिलसिले में पुलिस ने 20 लोगों को गिरफ्तार किया है और तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

लोगों की भावनाओं को और भड़काने वाली बात यह है कि जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव की ओर से देरी से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जो कि लिंचिंग की घटना के लगभग एक सप्ताह बाद 3 मई को जिले का दौरा करने वाले हैं।

इस देरी ने इस बात की आल-

ोचना को बढ़ावा दिया है कि क्या प्रशासन द्वारा स्थिति की गंभीरता को गंभीरता से लिया जा रहा है। आग में घी डालने का काम करते हुए दिनेश गुंडू राव - एक प्रमुख राजनीतिक व्यक्ति - की अनुप-स्थिति ने लोगों की निराशा को और बढ़ा दिया है।

चौंकाने वाली घटना के कुछ दिनों के भीतर जिले का दौरा न करने पर उनकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई है, खासकर सोशल मीडिया पर, जहां कई लोग मामले को संबोधित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठा रहे हैं। मंत्री दिनेश गुंडू राव, जो मूल रूप से दक्षिण कन्नड़ से नहीं हैं, कुडुपु लिंचिंग पर उनकी देरी से प्रतिक्रिया के लिए कड़ी जांच का सामना कर रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए, मंत्री को स्थिति को प्राथमिकता देनी चाहिए थी और ऐसा करने के लिए लगभग एक सप्ताह इंतजार करने के बजाय बिना देरी किए दौरा करना चाहिए था। एक महत्वपूर्ण पद पर आसीन एक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में, उनकी उपस्थिति ने जवाबदेही और चिंता का एक मजबूत संदेश दिया होगा, खासकर ऐसे मामले में जिसमें हिंसक भीड़ की गतिविधि शामिल हो। इस घटना ने, जिसकी तुलना उत्तर भारत में होने वाली भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा की घटनाओं से की जा रही है, मेंगलूरु को गहराई से झकझोर दिया है - यह शहर अपने सांप्रदायिक सौहार्द और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए जाना जाता है। तनाव बढ़ने के साथ, नागरिक स्थानीय और राज्य दोनों अधिकारियों से अशरफ के लिए न्याय सुनिश्चित करने और क्षेत्र में सुरक्षा की भावना को बहाल करने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

एडीजीपी आर हितेंद्र ने सुहास शेट्टी हत्या मामले में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बाजपे में हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की नृशंस हत्या के बाद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) आर हितेंद्र जांच और कानून प्रवर्तन प्रतिक्रिया की निगरानी करने के लिए मेंगलूरु पहुंचे। मीडिया को संबोधित करते हुए, एडीजीपी हितेंद्र ने कहा हमें आरोपियों के बारे में सुराग मिले हैं, और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अपराधियों

को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने घटना के जवाब में लागू किए गए सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से बताया। बंदोबस्त के संबंध में, 22 केएसआरपी प्लाटून, 1,000 पुलिस अधिकारी और पांच एसपी रैंक के अधिकारी तैनात किए गए हैं। हितेंद्र ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि पुलिस आवश्यक अपडेट प्रदान करेगी।

शेट्टी, एक हिस्ट्रीशीटर और तीन साल पहले एक हत्या के मुख्य आरोपी, पर किन्नीपदावु क्रॉस के पास 5-6 हमलावरों के एक समूह ने हमला किया, जब वह अपने साथियों के साथ यात्रा कर रहा था। हमलावरों ने माल-वाहक वाहन और कार का इस्तेमाल करके शेट्टी के वाहन को रोका, फिर उस पर चाकू और अन्य हथियारों से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

पाक जिंदाबाद के नारे लगाने वालों पर लगाम लगी होती तो सुहास की हत्या नहीं होती: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाए जाने पर सख्त कार्रवाई की होती तो मेंगलूरु में हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या नहीं होती। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या से मेंगलूरु में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। मेंगलूरु बंद कर दिया गया है। जब 2013 में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सत्ता में थी, तब 36 हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने पॉपुलर फ्रंट जैसे संगठनों पर इस तरह के कृत्य करने का आरोप लगाया। कांग्रेस के सत्ता में आते ही पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे

लगाए जाने लगते हैं। अगर पाकिस्तान को अपमानित करने के लिए सड़क पर झंडा फहराया जाए तो महिलाएं उसे उठा लेंगी। उन्होंने कहा कि निर्दोष हिंदू कार्यकर्ताओं पर हमला किया जा रहा है, जबकि उनके पास कोई हथियार नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने युद्ध से इंकार कर दिया। पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाले देशद्रोहियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने की बात कही। देश तभी सुरक्षित रहेगा जब ऐसे देशद्रोहियों को गोली मारने का कानून बनेगा। मुझे नहीं पता कि सिद्धरामैया यह देखना चाहते हैं कि और कितने हिंदू कार्यकर्ता इसका शिकार बनेंगे। अगर लव जिहाद शुरू होने और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने पर सख्त कार्रवाई की गई होती तो ऐसी घटना नहीं होती। उन्होंने कहा कि वे बिगड़ती कानून व्यवस्था के बारे में सरकार को आगाह करेंगे। आपको कैसे पता चला कि सुहास जहां भी घूमता है उसके पास कोई हथियार नहीं होता? संदेह है कि इस मामले में पुलिस विभाग से ही जानकारी लीक हुई। जब ऐसी कोई घटना होती है तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बहानेबाजी करते हैं। मंत्री दिनेश गुंडू राव को पाकिस्तान जिंदाबाद की परवाह नहीं है।

ऑटो रिक्शा चालक की हत्या के प्रयास में दो गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी के बडागाबेट्टू निवासी ऑटो-रिक्शा चालक अबूबक्कर (50) पर हत्या का प्रयास किया गया।

शिकायत के अनुसार, अबूबक्कर को दिनेश नामक एक परिचित का फोन आया, जिसमें मडागा से अथराडी तक सवारी का अनुरोध किया गया था। अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए, अबूबक्कर अपने ऑटो-रिक्शा में सवार होकर अथराडी से मडागा की ओर लौट रहा था। रात करीब 11:15 बजे, जब वह मुख्य सड़क पर अथराडी गैस पेट्रोल बंक के पास था, तो मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति उसका पीछा करने लगे। आरोपियों ने कथित तौर पर अबूबक्कर को अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए गाली दी और उसके वाहन को रोकने की कोशिश की।

जब वह नहीं रुका और गाड़ी चलाता रहा, तो मोटरसाइकिल के पीछे बैठे दो लोगों में से एक ने तलवार जैसा हथियार लहराया। उसने कथित तौर पर चालक को धमकाते हुए चिल्लाया। जान के डर से अबुबक्कर ने स्थानीय बस मालिक के घर के पास शेडीगुड्डे के पास ऑटो रोक दिया और भागने की कोशिश की। उसी समय, एक आरोपी ने उस पर तलवार से हमला किया, लेकिन अबुबक्कर बाल-बाल बच गया। दूसरे हमलावर ने कथित तौर पर ऑटो-रिक्शा के सामने के शीशे पर बोतल फोड़ दी।

हमलावरों का स्पष्ट इरादा पीड़ित को मारने का था, जो पास की एक दीवार फांदकर भागने में सफल रहा।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के ने कहा कि यह घटना मेंगलूरु में हाल ही में हुई हत्या के मामले से संबंधित है, जैसा कि आरोपियों ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया है।

शिकायत के आधार पर हिरियाडका पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बोम्मारा बेट्टू निवासी संदेश (31) और बापूजी धरकस निवासी सुशांत (32) को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों हिरियाडका के रहने वाले हैं। उन्हें अदालत में पेश किया गया है। जांच जारी है।

बार के पास युवक पर घातक हथियार से हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

थोक्कोट्टू के एक बार के पास देर रात एक युवक पर जानलेवा हथियार से हमला किया गया। पीड़ित की पहचान एलेकला निवासी फैजल के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब वह सोमेश्वरा में अपनी पत्नी के घर से कल्लपु के ग्लोबल मार्केट की ओर बाइक से जा रहा था। थोक्कोट्टू के पास अज्ञात हमलावरों ने उस पर हमला किया। उल्लाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा को सुहास शेट्टी की हत्या का राजनीति के लिए फायदा नहीं उठाना चाहिए: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि भाजपा को मेंगलूरु में सुहास शेट्टी की हत्या का राजनीति के लिए फायदा नहीं उठाना चाहिए।

कर्नाटक राज्य में शांति है। भाजपा को शांति बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस हत्या में शामिल दोषियों के खिलाफ

कानूनी कार्रवाई करेगी। हम इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। मैं भाजपा के इस आरोप का जवाब नहीं दूंगा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है। मेंगलूरु पुलिस बहुत सक्षम है। उन्होंने कहा कि इस घटना के संबंध में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्ग अतीत की कड़ी और भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं: मुर्मू

नई दिल्ली 02 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुजुर्गों को अतीत की कड़ी और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि सभी को उनके मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल – 'सम्मान के साथ वृद्धावस्था' नामक कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक के लिए आवासों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक उपकरणों का वितरण और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारी संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा-दादी के साथ बहुत सहज होते हैं। बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं। जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते-फूलते देखते हैं तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिंदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था आध्यात्मिक रूप से खुद को सशक्त बनाने, अपने जीवन और कार्यों का विश्लेषण करने तथा सार्थक जीवन जीने का भी एक चरण है। आध्यात्मिक रूप से सशक्त वरिष्ठ नागरिक देश और समाज को अधिक समृद्धि तथा प्रगति की ओर ले जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा , बुजुर्ग अतीत की कड़ी होते हैं और भविष्य के मार्गदर्शक भी होते हैं। एक राष्ट्र के रूप में यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे वरिष्ठ नागरिक अपना बुढ़ापा गरिमा और सक्रियता के साथ जिएं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त बना रही है ताकि वे जीवन के सभी पहलुओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। उन्होंने सभी नागरिकों से बुजुर्गों की खुशी और भलाई के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने, उनके मार्गदर्शन को महत्व देने और उनकी बहुमूल्य संगति का आनंद लेने का आग्रह किया।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लेकर वियतनाम पहुंचे किरेन रिजिजू

नयी दिल्ली/ हो चीमिन्ह सिटी, 02 मई (एजेंसियां)। भारत और वियतनाम के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उपलब्धि के क्षेत्र में एक महत्व-पूर्ण आदान-प्रदान के अंतर्गत केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, आंध्र प्रदेश के मंत्री कंदुला दुर्गेश, भिक्षुओं और अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल साथ भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर पहुंचे है।

ये पवित्र अवशेष 02 मई से 21 मई तक वेसाक दिवस स्मरणोत्सव के भाग के रूप में वियतनाम में लोगों के दर्शन के लिए विभिन्न पवित्र स्थलों पर रखे जाएंगे ।

संस्कृति मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री रिजिजू ने इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों की ओर से एक सार्थक संदेश दिया। उन्होंने वियतनाम बौद्ध विश्वविद्यालय में भारत से लाए गए पवित्र बोधि वृक्ष का पौधा भी लगाया। इस अवसर पर औपचारिक प्रार्थना के बाद अवशेषों को थान टैम मठ में स्थापित किया गया।

सारनाथ से भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को आज एक विशेष विमान द्वारा हो ची मिन्ह सिटी पहुंचाया गया। इसके साथ ही वियतनाम में 06 से 08 मई तक मनाए जाने वाले संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह की तैयारियों का शुभारंभ हो गया है।

इन अवशेषों के आगमन पर वियतनाम सरकार और वियतनाम बौद्ध संघ ने आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जो दोनों देशों को एकजुट करने वाले गहन और साझा आध्यात्मिक मूल्यों को प्रदर्शित करता है।

पवित्र अवशेषों को औपचारिक प्रार्थना के बाद थान ताम मठ में श्रद्धापूर्वक स्थापित किया गया।

पवित्र अवशेषों को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय संग्रहालय और अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध परिसंघ के सहयोग से प्रदर्शित किया जा रहा है। इन्हें 07 मई तक हो ची मिन्ह शहर में जनता के लिए प्रदर्शित किया जाएगा, उसके बाद 21 मई तक ताई निन्ह, हनोई और हा नाम में प्रदर्शित किया जाएगा।

पाकिस्तानी युवती से जवान के निकाह की होगी जांच

जम्मू, 02 मई (ब्यूरो)। पाकिस्तान की रहने वाली मीनल खान को पति का घर छोड़कर मंगलवार को अमृतसर स्थित वाघा बार्डर भेजा गया था। वह जम्मू में रह रहीं तीन अन्य पाकिस्तानी महिलाओं के साथ वहां पहुंची थी। बहू को छोड़ने के लिए पति मुनीर खान, सास जमशाद बीबी और मुनीर के बड़े भाई नदीम अहमद भी गए थे। इस बीच कोर्ट का आर्डर मिलने के साथ मीनल का पाकिस्तान जाना टल गया है। वह अपने ससुराल लौट आई हैं। इसके साथ ही मीनल के परिजन व आसपास के लोगों के चेहरे खिल उठे। पर यह खुशी कितने दिनों तक बनी रहेगी कोई नहीं जानता क्योंकि खबरें कहती हैं कि उनके पति मुनीर खान के खिलाफ केरिपुब विभागीय जांच बिठाने जा रहा है क्योंकि कहा यह जा रहा है कि मुनीर ने पाक महिला से निकाह करने की विभागीय अनुमति मिलने से पहले ही शादी कर ली थी।

केरिपुब की 41वीं बटालियन में तैनात कांस्टेबल ने पहले मीनल खान नाम की एक पाकिस्तानी महिला से शादी करने की अनुमति के लिए अनुरोध प्रस्तुत किया था। हालांकि, विभाग द्वारा प्रक्रिया या मंजूरी दिए जाने से पहले, कथित तौर पर 24 मई, 2024 को व्हाट्सएप वीडियो काल के माध्यम से विवाह सम्पन्न हो गया। इस विवाह को अनधिकृत कृत्य बताते हुए इसकी समीक्षा शुरू कर दी गई है। कहा गया है कि यह एक नीतिगत निर्णय था और जम्मू कश्मीर क्षेत्र ने सुझाव दिया कि विवाह के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, चूंकि वर्तमान मामले में पाकिस्तानी लड़की से विवाह का मामला और राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला होने के कारण नीतिगत निर्णय की आवश्यकता है, इसलिए प्रस्ताव को इस कार्यालय के पत्र के माध्यम से मुख्यालय, जम्मू कश्मीर क्षेत्र को फिर से प्रस्तुत किया गया था, जिसमें राय दी गई थी कि एनओसी नहीं दी जा सकती है और इस तरह के मामलों से निपटने के लिए नीतिगत निर्णय लिया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार कांस्टेबल के आचरण में कई खामियां पाई गईं, जिसमें विभाग को अपनी पत्नी के वीजा की वैधता के बाद भी भारत में रहने के बारे में सूचित न करना और अदालती कार्यवाही में कथित तौर पर संभावित रूप से भ्रामक बयान देना शामिल है।

बताया जा रहा है कि कांस्टेबल मुनीर अहमद ने विभाग को विभिन्न घटनाक्रमों के बारे में सूचित नहीं किया। संदेश में कहा गया है कि पाकिस्तानी लड़की के साथ अनुमति देने का मामला विभाग यानी केरिपुब के पास लंबित था, लेकिन मुनीर अहमद ने विभाग से निर्णय/अनुमति का इंतजार किए बिना मीनल खान के साथ निकाह कर लिया। मुनीर अहमद की पत्नी मीनल खान ने 22/03/2025 तक वैध पर्यटक वीजा पर पाकिस्तानी पासपोर्ट के जरिए वाघा बार्डर से भारत में प्रवेश किया, लेकिन व्यक्ति ने विभाग को यह सूचित नहीं किया कि वीजा समाप्त होने के बाद भी उसकी पत्नी भारत में रह रही है। इसके अलावा, उसने कहा था कि उसकी पत्नी ने दीर्घकालिक वीजा के लिए आवेदन किया है, लेकिन व्यक्ति ने विभाग को इस तथ्य की जानकारी नहीं दी।

केंद्र को भेजी गई रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कांस्टेबल ने अदालत में दावा किया कि उसने केरिपुब को अपनी शादी के बारे में सूचित किया था, लेकिन ऐसी कोई मंजूरी नहीं दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि शादी व्हाट्सएप काल के जरिए डिजिटल तरीके से की गई, जिससे प्रक्रियात्मक और कानूनी वैधता पर सवाल उठ रहे हैं।

अपने पाकिस्तानी जीवनसाथी की मौजूदगी और वीजा स्थिति का खुलासा न करना संभावित सुरक्षा चिंता का विषय है।

आतंकवाद वैश्विक चुनौती, लोकतांत्रिक देश एकजुटता से करें साझी कार्रवाई : बिरला

नई दिल्ली 02 मई (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आतंकवाद को राष्ट्रीय सीमाओं से परे वैश्विक चुनौती बताते हुए आज कहा कि इस समस्या को समाप्त करने के लिए शांति, सुरक्षा और विधि के शासन के प्रति साझी प्रतिबद्धता वाले सभी लोकतांत्रिक देशों को एकजुट होकर निर्णायक कार्रवाई करनी होगी।

श्री बिरला ने ये टिप्पणी आज संसद भवन परिसर में जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर नुकागा फुकुशिरो के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए जा-पानी संसदीय शिष्टमंडल के साथ अपनी बैठक के दौरान की।

श्री बिरला ने कहा कि आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने और लोकतांत्रिक देशों के मूलभूत मूल्यों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के सम्मान और परस्पर विश्वास की भावना के साथ सामूहिक और कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

जापानी संसद के स्पीकर श्री नुकागा फुकुशिरो ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में जापान के समर्थन की पुष्टि की। श्री बिरला ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मामले में भारत के साथ खड़े रहने के लिए जापान के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, भारत और जापान की मित्रता विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

श्री बिरला ने क्वाड, जी-20 और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भारत और जापान के बीच सा-झेदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों के बारे में हमारी चिंताएँ और दृष्टिकोण एक समान है। श्री बिरला ने आगे कहा कि परस्पर सहयोग पर आधारित हमारे संबंध दोनों देशों के परस्पर लाभ और प्रगति के साथ ही इंडो-पेसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि बदलते परिप्रेक्ष्य में इस मित्रता ने रणनीतिक और वैश्विक सहयोग का रूप ले लिया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत और जापान के बीच मित्रता सभ्यतागत संपर्कों, बौद्ध धर्म की साझी विरासत और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझी प्रतिबद्धता पर आधारित है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हर साल बड़ी संख्या में जापानी पर्यटक और तीर्थयात्री भारत आते हैं और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थानों की यात्रा करते हैं, जिससे दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध और मजबूत हो रहे हैं।

श्री बिरला ने भारत के 50 हजार से अधिक कुशल कर्मियों को जापान में विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्रदान किए जाने के जापान के प्रस्ताव का भी स्वागत किया। उन्होंने जापान में भारतीय छात्रों को अधिक अवसर प्रदान किए जाने की सराहना करते हुए भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग के आश्वासन के लिए जापान का आभार व्यक्त किया।

पिछले साल भारत ने संविधान निर्माण के 75 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा पूरी करने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति और विकास की गाथा में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संविधान के मार्गदर्शन में स्वतंत्रता के बाद देश में बड़े पैमाने पर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हुए और जन कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

श्री बिरला ने 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016' और 'उभयलिंगी व्यक्ति अधिनियम, 2019' जैसे कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन कानूनों ने समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने शिष्टमंडल को बताया कि आधुनिक, संतुलित और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए भारत की विधायी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया गया, जिसमें संघ और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण किया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत की संसद ने अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने और इसे जन-सुलभ और अधिक दक्ष बनाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग बढ़ाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने इन अनुभवों को जापान की संसद के साथ साझा करने का प्रस्ताव रखा।

इस अवसर पर राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, राज्य सभा सदस्य संजय झा, लोकसभा सांसद भर्तृहरि महताब, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और सुश्री कमलजीत सहरावत उपस्थित थे।

सीमावर्ती गांवों में भय और अनिश्चितता का माहौल

जम्मू, 02 मई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती गांवों में भय और अनिश्चितता का माहौल है, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने लगातार आठवीं रात को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अग्रिम चौकियों को निशाना बनाकर बिना उकसावे के गोलाबारी की। भारतीय सेना ने गोलाबारी का तेजी से जवाब दिया।

भारतीय सेना ने जारी एक बयान में कहा कि कल रात भी पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में कुपवाड़ा, उड़ी और अखनूर के सामने नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने भी उसी अनुपात में जवाब दिया। पाकिस्तानी सेना ने पिछले सप्ताह कुपवाड़ा, उड़ी और अखनूर सेक्टरों सहित 18 बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है।

राजौरी निवासी मोहम्मद सुलेमान इसकी पुष्टि करते हुए कहते हैं कि लगातार 8वें दिन भी नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी जारी है, जिससे स्थानीय लोगों में डर बढ़ गया है। वे कहते थे कि कई सालों की शांति के बाद, अब हम भूमिगत बंकरों में शरण ले रहे हैं, इस डर से कि हम फिर से गोलीबारी में फंस सकते हैं। जबकि पुंछ के एक किसान काशिम खान का कहना है कि युद्ध विराम ने उनके बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद दी है। अब, गोलाबारी फिर से शुरू होने के कारण, हमें चिंता है कि उनकी शिक्षा बाधित होगी, और हमें फिर से भागने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

करनाह के मुश्ताक अहमद कहते हैं, चार साल की शांति के बाद, सीमा पार से गोलीबारी को लेकर नए सिरे से तनाव ने हमें लगातार डर में डाल दिया है। हमारा जीवन एक बार फिर अनिश्चित है। हम प्रार्थना करते हैं कि युद्ध विराम कायम रहे। इसने स्थिरता लाई है, बुनियादी ढांचे में सुधार किया है, और सीमा पर्यटन को बढ़ावा दिया है। हम अतीत की अस्थिरता में वापस नहीं जाना चाहते। करनाह के एक अन्य निवासी शाहबाज अहमद के मुताबिक, गुरेज और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए यह पर्यटन का चरम मौसम था, लेकिन हाल के तनावों के कारण, अब कोई भी नहीं आ रहा है। पिछले साल, ये क्षेत्र पर्यटकों से गुलजार थे, लेकिन आज वे सुनसान दिख रहे हैं। जबकि मुजफ्फर अहमद कहत थे कि हम नियंत्रण रेखा पर शांति के लिए प्रार्थना करते हैं क्योंकि युद्ध कोई विकल्प नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों में हमने जो विकास देखा है, वह दोनों देशों के बीच युद्ध विराम के बाद ही हुआ है।

सीमावर्ती क्षेत्र के निवासियों ने पत्रकारों से बात करते हुए तत्काल सुरक्षा उपायों और शांति बहाली की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद से बढ़ती हिंसा के साये में जी रहे हैं, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। निवासियों ने कहा कि उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए बंकर बनाने के लिए कई बार अधिकारियों से अपील की है, लेकिन अभी भी इंतजार कर रहे हैं। एक निवासी ने कहा, कुछ सामुदायिक बंकर मौजूद हैं, और अब सुरक्षा उपायों के लिए उन्हें साफ किया जा रहा है। स्थिति तनावपूर्ण है, लेकिन हम भारतीय सेना के साथ मजबूती से खड़े हैं। हम सीमा से पहले आखिरी गांव हैं, और हम सेना को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम हमेशा उनके साथ हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। कुपवाड़ा के एलओसी क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि हेलीकाप्टरों के लगातार मंडराने और लगातार गोलीबारी ने उस नाजुक शांति को तोड़ दिया है, जिस पर वे युद्ध विराम समझौते के बाद निर्भर थे। केरन के एक निवासी का कहना था कि हम रात को मुश्किल से सोते हैं। गोलियों की आवाज से सन्नाटा टूटता है। हमें अपनी जान और अपने घरों के लिए डर लगता है।

उड़ी में भी, एलओसी पार से छिटपुट गोलीबारी के बढ़ने पर निवासियों ने इसी तरह की चिंता व्यक्त की। वे कहते थे कि हम लगातार डर में रहते हैं। गोले और गोलियों की आवाज हमें डराती है। हम प्रार्थना करते हैं कि शांति बनी रहे। चुरूंडा कस्बे के ग्रामीणों का कहना था कि यह पहली बार नहीं है। हमारे गांव ने खून, चोटें और घरों के नुकसान को देखा है। जानकारी के लिए चुरूंडा एक बस्ती है जिसने पिछली झड़पों में बेशुमार हताहतों की संख्या देखी है।

एलओसी पर स्कूलों में भूमिगत बंकरों में लग रही हैं कक्षाएं

जम्मू, 02 मई (ब्यूरो)। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में आतंकियों द्वारा 26 नागरिकों की हत्या के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जो तनाव बढ़ा उसका परिणाम यह है कि एलओसी से सटे क्षेत्रों में पढत्राई बुरी तरह से प्रभावित होने लगी है और कई गांवों में स्कूलों के अंदर बनाए गए भूमिगत बंकरों में कक्षाएं लगाई जा रही हैं।

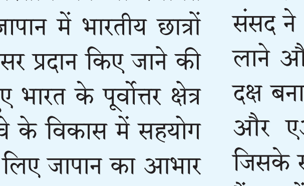

उत्तरी कश्मीर का सुदूर जिला कुपवाड़ा उन सीमावर्ती जिलों में से एक है, जहां भारत और पाकिस्तान के बीच छह साल पुराने संघर्ष विराम समझौते का पाकिस्तान द्वारा लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। एक सप्ताह से जारी गोलियों की बरसात का नतीजा यह है कि इस जिले के एलओसी से सटे गांवों में तनाव और भय फिर से बढ़ गया है। यही कारण था कि तनाब के बढ़ते ही दो मंजिला सरकारी स्कूल ने एलओसी पर गोलीबारी प्रकोप के खतरे को देखते हुए भूतल पर कक्षाएं प्रतिबंधित कर दी हैं। स्कूल के शिक्षकों ने इसे माना है कि कक्षा 6 और 10 (मानक) को अब भूतल पर स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही स्कूल परिसर के अंदर भूमिगत बंकर को साफ करवा कर उसमें भी कक्षाएं लगानी आरंभ की गई हैं। दरअसल 2012 में बाढ़ के कारण जमा हुई मिट्टी के कारण बंकर का प्रवेश द्वार अवरुद्ध हो गया था। लेकिन अब इसे हटा दिया गया है और छात्रों और कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए इसे अंदर तैयार कर दिया।

इन स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के साथ ही हमले की स्थिति में बचाव के गुर और तौर तरीके भी सिखाए जा रहे हैं। उन्हें बताया जा रहा है कि अगर घंटी एक मिनट तक लगातार बजती है, तो कक्षाओं से बाहर भाग जाओ और भूमिगत बंकर में छिप जाओ। जम्मू कश्मीर में सीमा के नजदीक रहने वाले छात्रों को यही बताया जा रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा है। दूरदराज के सीमावर्ती गांवों में पड़ने वाले कई स्कूलों में दहशत और डर फिर से लौट रहा है, क्योंकि पाकिस्तान पर पिछले एक हफ्ते से संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप है। गुरेज, टंगधार, करनाह, टीटवाल या उड़ी जैसे गांवों में, जहां तोपखाने की गोलाबारी या बंदूकों ने कक्षाओं को खतरनाक क्षेत्रों में बदल दिया है, छात्रों को किसी भी स्थिति का तेजी से जवाब देने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

हालांकि इन जिलों में रहने वाली पुरानी पीढ़ी का कहना है कि उन्होंने सबसे बुरा समय देखा है, लेकिन छात्र अधिक भयभीत हैं, क्योंकि वे अपेक्षाकृत शांत वर्षों में पैदा हुए थे जब सीमा पर शांति थी। कश्मीर स्कूल शिक्षा विभाग के एक पूर्व प्रिंसिपल और वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी, जो सदी के अंत में गुरेज घाटी में तैनात थे, याद करते हैं कि जब सीमा पर तनाव था, तब शिक्षा प्रणाली लगभग ध्वस्त हो गई थी।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुआ ऐतिहासिक एयर शो का आयोजन

लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों की गर्जना से गूंजा आसमान

भारतीय वायुसेना ने अपनी शक्ति का किया भव्य प्रदर्शन

शाहजहांपुर, 02 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के जलालाबाद तहसील स्थित ग्राम पीरू के नजदीक गंगा एक्सप्रेस-वे पर भारतीय वायुसेना ने ऐतिहासिक और भव्य एयर शो का आयोजन किया। पहली बार शाहजहांपुर की धरती पर भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने अभ्यास उड़ानें भरकर अपनी युद्ध क्षमता और आपदा राहत योग्यता का जीवंत प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, मिराज-2000, जगुआर, एएन-32, सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस और एमआई-17 हेलिकॉप्टर समेत अन्य विमानों ने शक्तिशाली हवाई प्रदर्शन किए। आसमान में विमानों की गर्जना और सामरिक चालन ने उपस्थित दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कमेंट्री के माध्यम से विमानों की भूमिका और तकनीकी विशेषताओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न स्कूलों के बच्चों तथा आसपास के गांवों के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पहली बार इतने भव्य स्तर पर आयोजित वायुसेना के अभ्यास को देखकर दर्शकों में गर्व और उत्साह का संचार हुआ। गौरतलब है कि गंगा एक्सप्रेस-वे, जो मेरठ से प्रयागराज तक 594 किमी लंबा होगा, के निर्माण कार्य का अंतिम चरण जारी है। इस

एक्सप्रेस-वे पर स्थित 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी को विशेष रूप से वायुसेना के विमानों की आपात लैंडिंग एवं टेकऑफ के लिए डिजाइन किया गया है। यह पट्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

एयर शो के तहत रात 9 बजे से 10 बजे तक विशेष नाइट लैंडिंग शो भी आयोजित किया गया, जिसमें वायुसेना की रात्रिकालीन अभियान क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। सरकार का उद्देश्य है कि नवंबर 2025 तक गंगा एक्सप्रेस-वे राष्ट्र को समर्पित कर दिया जाए। यह न केवल प्रदेश के आर्थिक और भौगोलिक विकास को गति देगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में स्थापित होगा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उनके साथ सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर, केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, सांसद अरुण कुमार सागर, महापौर अर्चना वर्मा, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी के अतिरिक्त क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे

पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी कपिल देव ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुक्रवार को उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

राजकीय और अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की तरह

निजी संस्थान भी एसआईआरएफ रैंकिंग में शामिल होंगे

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, परंतु आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एसआईआरएफ) के तहत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को तकनीकी शिक्षा/व्यायसायिक शिक्षा विभाग की समीक्षा की

राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। मुख्यमंत्री शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में वर्ष 2024-25 हेतु कुल 1.64 लाख सीटों पर नामांकन हुआ है।

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें एमओओसी आधारित अध्ययन, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम सम्मिलित किए गए हैं। सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय के 12,739 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ, जिसमें अधिकतम वार्षिक वेतन 59.91 लाख रहा।

इसी प्रकार, एमएमएमयूटी, गोरखपुर में वर्ष 2023-24 में छात्रों को 52 लाख वार्षिक वेतन तक के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करते समय स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं एवं संभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए।

अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिभाओं की नर्सरी बनेंगे परिषदीय स्कूल

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए सुनहरा दौर शुरू हो चुका है। योगी आदित्यनाथ की सरकार अब प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों को सिर्फ पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिभाओं की नर्सरी बनाने जा रही है। गांव-गांव और कस्बों में बिखरी हुई अपार प्रतिभा को खोजने, तराशने और विश्व मंच तक पहुंचाने के लिए सरकार ने एक योजना बनाई है। जिस व्यवस्था में अब तक स्कूलों में खेल महज समय काटने या वार्षिक उत्सव की रस्म अदायगी तक सीमित था, वहीं व्यवस्था अब विद्यालयों में खेलों की व्यवस्था कराने हेतु राष्ट्र स्तरीय संस्था स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इण्डिया (एसजीएफआई) द्वारा चयनित खेलों में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) जैसी तैयारी और पेशेवर प्रशिक्षण की राह पर कदम रख चुकी है। सत्र 2025-26 के लिए सरकार ने 1.34 लाख से अधिक स्कूलों के लिए 134 करोड़ का बड़ा बजट आवंटित किया है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के स्कूलों से देश को अंतरराष्ट्रीय चौंपियन दिया जाय।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की तर्ज पर होगी तैयारी

योगी सरकार की यह पहल परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को खेलों के क्षेत्र में न केवल प्रदेश का बल्कि देश का गौरव बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। अब उत्तर प्रदेश के स्कूलों से निकलने वाले बच्चे कक्षा की पढ़ाई के साथ खेल मैदान में भी अपनी मेहनत और प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे। सरकार के इस कदम को ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें उचित मंच प्रदान करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलकर देश का नाम रौशन करेंगे।

योगी सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए परिषदीय विद्यालयों में प्रयास शुरू किया है। सरकार ने सत्र 2025-26 के लिए लगभग 1.34 लाख से अधिक स्कूलों के लिए 134 करोड़ का बड़ा बजट आवंटित है। इसके अन्तर्गत 86,764 प्राथमिक विद्यालयों को 43.382 करोड़, 45,245 जूनियर हाई स्कूल और केजीबीवी विद्यालयों को 45.245 करोड़ और 2,304 सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को 5.76 करोड, एक केजीबीवी एक खेल योजना को 19.41 करोड, ओपन जिम-स्पोर्ट्स सामग्री हेतु 14.92 करोड एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजन हेतु 5.33 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। यह राशि खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, नए उपकरण खरीदने और विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने में खर्च किया जाएगा। खेल उपकरणों क्रय करने हेतु प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को 5,000, प्रत्येक जूनियर हाई स्कूल और केजीबीवी को 10,000 और प्रत्येक सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 25,000 उपलब्ध कराए जाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 आयु वर्ग में चयनित बालक-बालिकाओं को राष्ट्र स्तरीय खेल स्पर्धाओं के पूर्व चरणबद्ध तरीके से 10 दिवसीय तैयारी शिविर में भेजेगी। यह शिविर बच्चों को एक-दूसरे को जानने, समझने, आपस में टीम भावना विकसित करने और खेल की भूमिका और स्थिति को समझने का अवसर प्रदान करेगा। यह शिविर खिलाड़ियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से तैयार करने एवं आगामी राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सहायक होगा।

दरअसल, पहले अलग-अलग जिलों में राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु चयनित बच्चों को खेल किट देकर सीधे राष्ट्रीय प्रतियोगिता स्थल भेज दिया जाता था, जहां वे टूर्नामेंट का हिस्सा बनते थे; पर उनमें परस्पर तालमेल नहीं रहता था और वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे पाते थे। अब योगी सरकार 10 दिवसीय शिविर के माध्यम से बच्चों के बीच जान-पहचान बढ़ाकर आपसी सामंजस्य, टीम भावना और खेल की भूमिका और स्थिति की समझ विकसित करेगी। यह बिलकुल वैसा ही होगा जैसे साई पहले राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अभ्यास कराने तथा राष्ट्रीय स्तरीय खेल स्थल पर अभ्यास मैच कराकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में तालमेल स्थापित करती है और उन्हें एक सूत्र में बांधकर उत्कृष्टता के लिए तैयार करती है। अब इन खिलाड़ियों को प्रतियोगिता स्थल के निकटतम मंडल में शिविर के रूप में सीखने का अवसर मिलेगा। अपनी तैयारी पूरी करने के बाद वे सीधे मुख्य टूर्नामेंट में शामिल होंगे, जहाँ फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल और रग्बी जैसी टीम आधारित प्रतियोगिताओं में समन्वय और सामूहिक समझ विकसित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे।

नेपाल सीमा पर अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी

सीमाई जिलों में ध्वस्त किए जा रहे अवैध निर्माण

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रहा। प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इनमें श्रावस्ती और महाराजगंज में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया है। वहीं बलरामपुर में 20 अवैध निर्माणों को हटाया गया, 6 मदरसे सील किये गये।

इसी प्रकार सिद्धार्थनगर में 17 अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पीलीभीत में 7 अवैध मदरसे और 77 अवैध धार्मिक स्थल मिले हैं। बता दें कि सरहद की बेशकीमती भूमि पर इन लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा जमा रखा था जिन्हें अब योगी सरकार ने मुक्त कराने का अभियान छेड़ रखा है।

बलरामपुर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में अब तक 20 मदरसे मानक विहीन पाए गए हैं, जिन्हें बंद कर दिया गया है। इसके अलावा दो मदरसों को अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था, लेकिन वे अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके बाद उन्हें नोटिस जारी की गई है।

सीमा से सटे तहसील तुलसीपुर के ग्राम भगहा कला, भचकहिया और नंद महरा में तीन गैर मान्यता प्राप्त मदरसे पाए गए, जिन्हें भी बंद करा दिया गया है। बहराइच जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में गुरुवार तक भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में 384 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं।

इनमें से 143 को हटा दिया गया है, जबकि शेष 241 अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की जा रही है। अब तक छह अवैध मदरसों को सील किया जा चुका है।

सिद्धार्थनगर जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में नेपाल सीमा से 10 किलोमीटर अंदर तक कुल 21 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिनमें चार अवैध धर्मस्थल और 17 अवैध मदरसे शामिल हैं। जिला प्रशासन ने 20 अतिक्रमणों को नोटिस जारी की है, जबकि एक अतिक्रमण को हटा दिया गया है। श्रावस्ती जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे 53 मदरसों को सील कर दिया गया है, जबकि 151 मदरसों पर बेदखली की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त भिनगा तहसील के ग्राम भरथा रोशनगढ़ में एक अवैध धर्मस्थल के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की गई है।

संपादकीय

सेना को खुली छूट

प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने की सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते दो दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंततः सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं कि आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर हमारी सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं। ये ही आतंकवाद का क्रमबद्ध सिलसिला हैं। सेना के ऑपरेशन जमीन और हवा के अलावा समंदर से भी किए जा सकते हैं। हमारी सेनाओं ने दुश्मन का अच्छी तरह अध्ययन कर लिया होगा! हमारी सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान के 30 से ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, जिन्हें सेनाएं मिसाइल हमलों में ही उड़ा सकती हैं। हमारी सेनाओं के पास ऐसे भी अस्त्र हैं, जिन्हें भारत की सीमा में रहते हुए भी छोड़ा जा सकता है। वे वाकई बेहद विध्वंसक हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सैन्य ऑपरेशन व्यापक और बहुध्रुवीय हो सकता है। बहरहाल सेना जो भी करेगी, पूरी दुनिया के सामने होगा, लेकिन एक बार फिर दोहरा रहे हैं कि यह देश के एकजुट रहने का वक्त है। यह विवादास्पद, घटिया और मानहानि वाले पोस्टर पोस्ट करने का वक्त नहीं है। यह देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करने का भी समय नहीं है। हां, हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आग्रह को समर्थन देते हैं कि संसद का एकदिनी विशेष सत्र बुलाया जाए और पाकिस्तान, आतंकवाद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। ऐसे विशेष सत्र 'निर्भया कांड' के बाद भी बुलाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नया विचार सामने आया। प्रधानमंत्री मोदी संसद के भीतर सैन्य रणनीति का खुलासा बिल्कुल न करें। विपक्ष से भी हमारी अपेक्षाएं हैं कि वे फिजूल का दबाव सरकार पर न डालें।

प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते दो दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंतत: सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा।

सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

ललित गर्ग

मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया।

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा। जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन-1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार

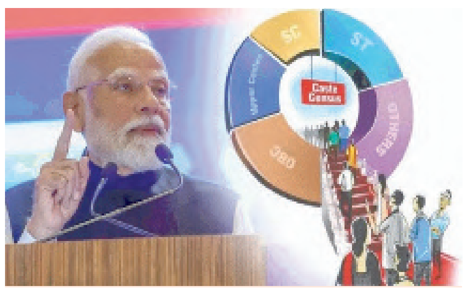

केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है। जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा। निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं।

दृष्टि कोण

मजदूरों की दुनिया और समस्याएं

सदियों से वैश्विक और भारतीय समाज के लिए मजदूरों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रहा है क्योंकि वे उत्पादन, सेवाओं, निर्माण और अर्थव्यवस्था को गतिशील रखते हैं। लिहाजा आज अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मजदूरों के बारे में चर्चा करना और उनके जीवन, संघर्ष और अधिकारों के बारे में बात करना तो बनता ही है। समाज के आधारभूत ढांचे के उन्नत विकास और राज्यों की निरंतर प्रगति के लिए श्रमिकों एवं मजदूरों का योगदान किसी से छुपा हुआ नहीं है। लेकिन कई बार ऐसा भी प्रतीत होता है कि लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार, औद्योगिकीकरण एवं शहरों के विस्तार के चलते मजदूरों की उपयोगिता और मांग में वृद्धि के बावजूद उन्हें मिलने वाले लाभों और सम्मान से उन्हें वंचित रखा जा रहा है और अभी भी समाज में उनकी हैसियत दोयम दर्जे के नागरिक की बनी हुई है। असंगठित क्षेत्र के इन लोगों के लिए अभी भी अपर्याप्त आर्थिक सुरक्षा कवच, स्वास्थ्य सुरक्षा और रहन-सहन की व्यवस्थाएं लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए गहन चिंतन मनन का विषय बनी हुई हैं। कभी 1848 में 'दुनिया के मजदूरो, एक हो जाओ' का प्रसिद्ध राजनीतिक नारा कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स ने दुनिया भर के मजदूरों को एकजुट होकर पूंजीवाद के खिलाफ संघर्ष करने और एक बेहतर, वर्गविहीन समाज बनाने के लिए लगाया था। यह नारा कई देशों में मजदूर आंदोलन और कम्युनिस्ट पार्टियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया था। लेकिन बढ़ते पूंजीवाद, नवीन तकनीकों के आगमन, संचार प्रणालियों के उन्नतिकरण और आर्थिक उदारीकरण के वैश्विक प्रभावों के चलते कम्युनिस्ट तो लगभग इस दुनिया से विदा हो ही लिए हैं, ऊपर से मजदूरों के संगठनों का प्रभाव भी क्षीण हो चुका है, लेकिन श्रमिकों की समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। करोड़ों लोगों के लिए घरों को बनाने वाले करोड़ों ही मजदूर आज भी अपने आश्रय को लेकर तरस रहे हैं और कुंठित एवं तनावग्रस्त जीवन जीने के लिए मजबूर हैं तो इसकी जवाबदेही किस पर है? आज की तारीख में भी मजदूरों के सामने कई समस्याएं बनी हुई हैं, जिनमें कम वेतन, खराब कार्य स्थल, असुरक्षित कार्य वातावरण, सामाजिक जीवन की उपेक्षा, धूल, धुआं यांत्रिक उपकरणों आदि से सुरक्षा का अभाव, उनके कल्याण कार्यों में कमी, स्वच्छता एवं सुरक्षा का अभाव, स्वच्छ वायु और प्रकाश की कमी, काम के अधिक घंटे और कम मजदूरी आदि मुख्य हैं। प्रवासी मजदूरों को आवास समस्या से भी दो-चार होना पड़ता है। इतना ही नहीं, काम के अभाव में इन्हें यत्र-तत्र भटकना पड़ता है और सेवाओं में स्थायित्व की कमी के कारण उनके जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। कार्य अनिश्चितता के कारण श्रमिक अपने भविष्य के सम्बन्ध में किसी प्रकार की योजना नहीं बना पाता है और न ही अपने बच्चों की शिक्षा को सही तरीके से सिरे चढ़ा पाता है। निम्न जीवन स्तर के चलते वे समाज की मुख्यधारा से भी जुड़ नहीं पाते हैं। बहुधा ऐसा भी देखने में आता है कि कई मामलों में मजदूर अवसादग्रस्त होकर नशों के सेवन की ओर उन्मुख हो जाते हैं अथवा आत्महत्या करने जैसे घातक कदम भी उठा लेते हैं। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस हर साल एक मई को मनाया जाता है। यह दिन मजदूरों के योगदान और उनके अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष को याद करने के लिए मनाया जाता है। मजदूर दिवस मनाने का उद्देश्य श्रमिकों को सम्मानित करना, उनके योगदान का जश्न मनाना तथा निष्पक्ष श्रम प्रणालियों की वकालत करना होता है। एक मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय 1889 में पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में लिया गया था, जहां मजदूरों ने आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग की थी। 1886 में अमेरिका में मजदूरों द्वारा 15 घंटे काम करने के विरोध में हड़ताल की गई थी, जिसके बाद इस दिन को मजदूर दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया गया। जहां तक भारत में मजदूर दिवस मनाने का सवाल है तो एक मई 1923 को पहली बार चेन्नई में मजदूर दिवस मनाया गया था। भारत में मजदूरों के हितों के संरक्षण के लिए स्वतंत्रता के बाद से व्यवस्था की गई थी जिसमें बाद में और सुधार किए गए हैं। भारत में पचास से भी अधिक राष्ट्रीय श्रम कानून तथा बहुत से राज्यनिर्मित श्रम कानून हैं। लेबर एक्ट 1948, जिसे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के नाम से भी जाना जाता है, यह अधिनियम कुशल और अकुशल श्रमिकों को दी जाने वाली न्यूनतम मजदूरी की दर तय करता है। सरकार ने श्रमिकों के कल्याण, स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार के लिए अन्य बातों के साथ-साथ चार श्रम संहिताएं भी लागू की हैं, जिनमें वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियों पर संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 शामिल हैं। जॉन लॉक के अनुसार, यह वास्तव में श्रम ही है जो हर चीज में अंतर लाता है। आज पूरे विश्व में, यहां तक कि संयुक्त अरब अमीरात और रेगिस्तानी क्षेत्रों में भी हरियाली लाने और बुर्ज खलीफा जैसी ऊंची इमारतों का निर्माण करके अचंभित करने वाले मिस्त्रियों, मजदूरों के श्रम और साहस को सलाम करने का दिन है। सरकारों का भी यह दायित्व बनता है कि श्रमिकों के हितों को सुरक्षित बनाते हुए उन्हें अनुकूल कार्य वातावरण उपलब्ध करवाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्याप्त वेतन अदायगी के लिए बनाए गए कानूनों का अक्षरशः पालन करवाए ताकि श्रमिक वर्ग भी समाज में सिर उठा कर जी सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब तक हमारा मजदूर समुदाय प्रसन्न और सुरक्षित नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का विकास अधूरा ही माना जाएगा। यह भी उल्लेखनीय है कि अभी तक अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की थीम घोषित नहीं हुई है।

कुछ अलग

मुंह में राम-राम, बगल में छुरी

मुंह में राम-राम, बगल में छुरी' बहुत पुराना मुहावरा है। ऐसे पुराने मुहावरों से अब किसी को चौंकाया नहीं जा सकता है, और न ही इसे एक तीखा व्यंग्य बना सच को झूठ के सात पर्दों से बाहर लाया जा सकता है। जब भी इस देश के आम आदमी के कल्याण और उद्धार के लिए ऊंची मीनारों से कोई घोषणा होती है, तो बरसों से भूख और अजहद गरीबी की कतार में खड़े लोग अप्रभावित रहते हैं। ये घोषणाएं न तो किसी नई उम्मीद का सिलसिला बनती हैं, और न ही किन्हीं नए सपनों के अदना से कुतुबमीनार रच पाती हैं। लोग तो विकास और प्रगति के आंकड़ों से चुंधियाने के बावजूद 'अच्छे दिनों' की कल्पना को किसी भूली बिसरी कहानी की तरह खो देना चाहते हैं, लेकिन क्या करें, अच्छे दिनों का यह जुमला एक वायवीय इंद्रधनुष बन जाने के जुगाड़ू आंकड़ों की बैसाखियों पर मुस्कराता रहता है। आंकड़ों और रपटों की सुनें तो लगता है, देश में अच्छे दिन नहीं आए। यह मिथ्या प्रचार है। यहां जनता खुश है, राहत की सांस ले रही है। जरा महानगरों के संडे बाजारों की ओर देखो, देश के पर्यटन स्थलों में बढ़ती भीड़ को देखो, क्या तुम्हें नहीं लगता कि अच्छे दिन आ चुके हैं, और अपना देश कायाकल्प के नए उजाले से भर गया है? अब किसकी सुनें, और किस पर विश्वास करें? अपनी धरती का सच टटोलते हैं, तो लगता है इन दिनों न जाने कितने लोग अपनी जड़ों से उखड़ गए। नए भारत की कल्पना के साथ महानगरों में धंधा ढूंढ कभी अपनी गृहस्थी जमायी थी। महामारी के एक वज्रपात ने ही उन्हें फिर पलायन कर अपने गांव-घरों में लौटने के लिए मजबूर कर दिया था। जी हां, उन्हीं गांव-घरों में जिन्होंने कभी उन्हें उनके पुश्तैनी जीवन का विस्तार देने से मना कर दिया था। इसी कारण तो वे अपनी धरती से अजनबी होकर महानगरों में, देस में, परदेस में वैकल्पिक जीवन की तलाश में निकल गए थे। विकट दिनों के वज्रपात ने उन्हें वापस लौटने के लिए विवश कर दिया। वह वापसी जिसके स्वागत के लिए वहां कोई बाहें फैली हुई नजर नहीं आईं। लेकिन आंकड़ों के धरातल पर फैली हुई घोषणाओं की हवा कहती है, 'बन्धुवर, चलो वापस गांव-घरों की ओर। हम वहां नया आत्मनिर्भर भारत बनाएंगे।' तुम्हारी फसलों के उपयोग के लिए कुटीर और लघु उद्योगों की एक नई दुनिया व हजारों लाखों निवेशक खड़े करेंगे।' ये घोषणाएं सुनहरी लगती हैं। इनकी सदा भी बहुत आकर्षक लगती है लेकिन किंकत्र्तव्यविमूढ़ खड़ी है, गांव-घरों को लौटी बेरोजगारों की भीड़। नए निवेशकों की कोई जमात वहां उनका इंतजार नहीं कर रही। दुनिया वैसी की वैसी है, उनके लिए जर्जर और कराहती हुई। हां, चंद लोगों के घर और भी आलीशान हो गए। विकट समय ने करोड़पति, अरबपति बना दिए। लेकिन गरीबी क्यों और गरीब हो गई। बढ़ती भूख, बढ़ता कुपोषण नरकंकाल होते लोगों के लिए मृत्यु संदेश ले आया। भुखमरी सूचकांक में देश की पतली हालत ने गरीबों की बस्तियों को अपना बेहतर दिनों का सपना देखने पर शर्मिंदा कर दिया। भ्रष्टाचार सूचकांक कहते हैं, यहां रिश्वतखोरी जीने का एक अंदाज बन गई है। लेकिन इनकी न सुनो, समय के मसीहा की सुनो जो यह कहता है, 'स्वर्ग से सुंदर है, इस देश की धरा और इसमें रहते हैं देव पुरुष।' ऊंचे प्रासादों में रहने वाले देव पुरुष। ऐसे महापुरुषों को हम प्रणाम करते हैं और अपनी सिसकियां भरती जिंदगी को उसी प्रकार जिए चले जाते हैं।

देश दुनिया से

मेहनत के मूल्य और गरिमा के संघर्ष का प्रतीक

हर साल दुनियाभर में मई दिवस मनाया जाता है। पिछले 140 साल से 1 मई को श्रमिक वर्ग सड़कों पर उतर कर जो संदेश देता है वह कोई रस्म अदायगी नहीं होती। अलबत्ता मेहनतकशों को मई दिवस पर यह अहसास करवाते देखा जा सकता है कि वे भी बतौर नागरिक उतने ही इस दुनिया के हकदार हैं जितना और कोई। बदकिस्मती से इस साल मई दिवस भारत के श्रमिकों को आतंकवाद के खात्मे के संकल्प के साथ पहलगाम की काली छाया में मनाना पड़ेगा। विगत में रोजी-रोटी के लिए जाने वाले प्रवासी मजदूर भी कश्मीर में आतंकवाद का शिकार हुए। आशा करें, शीघ्र स्थिति सामान्य हो, जिंदगी पटरी पर लौटे। महंगाई, बेरोज़गारी और अन्य समस्याओं से श्रमिक और वेतनभोगी वर्ग आज बदहाल है। विश्व पूंजीवाद का अभूतपूर्व संकट महाशक्तियों के बीच हो रही खींचतान के रूप में सामने है। इस उठापटक के सबसे ज्यादा भुगतभोगी मजदूर, किसान और छोटे कर्मचारी बन रहे हैं। जिन विकसित देशों में पहले औद्योगिकरण हुआ उसके परिणामस्वरूप पहली बार जागरूक वर्ग के तौर पर मजदूर वर्ग अस्तित्व में आया। अमेरिका के शहर शिकागो में 1886 में हजारों मजदूरों ने अधिकतम 8 घंटे के काम की मांग को उठाते हुए एक स्थान पर एकत्रित होकर अपनी आवाज़ बुलंद की थी। भारत में पहली बार मई दिवस का आयोजन 1925 में तत्कालीन मद्रास में सिंघारावेलू चेट्टियार के नेतृत्व में आयोजित किया गया था जिसका संदेश ब्रिटिश साम्राज्य और पूंजीवाद से मुक्ति पाना था। काफी लोग मानते आए हैं कि 1 मई के विरोध प्रदर्शन पर की गई पुलिस फायरिंग में 8 मजदूर शहीद हुए जिन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु यह दिवस मनाया जाता है। परंतु वास्तव में हुआ यह था कि 1 मई की सभा के दो दिन बाद 3 मई को उसी स्थान पर एक फैक्टरी में की गई तालाबंदी के खिलाफ हड़ताली मजदूरों की शांतिपूर्वक जारी सभा के अंत में षड्यंत्र के तहत किसी एजेंट ने पुलिस पर फायरिंग की जिसमें एक श्रमिक शहीद हो गया। मजदूरों का नेतृत्व करने वाले 8 नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिये गए और आनन-फानन में 6 श्रमिक नेताओं को फांसी दे दी गई। एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा दी और एक अन्य जेल में मृत पाया गया। मनघड़ंत अभियोग के कारण यह मुकदमा ऐतिहासिक माना जाता है। दरअसल, मुकदमे में नामजद किए गए 8 में से 6 श्रमिक नेता उस दिन घटनास्थल पर उपस्थित ही नहीं थे। जिस श्रमिक नेता की फांसी की सजा को उम्रकैद में तब्दील किया गया उसे 6 साल बाद इलीनोई के गवर्नर ने यह कह कर बरी कर दिया कि दंडित किए गए किसी भी अभियुक्त के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे। पूंजी और श्रम के बीच हितों के बुनियादी अंतर्विरोध के चलते अपने

श्रम का उचित मूल्य मांगने वाले श्रमिकों में दहशत फ़ैलाने के उद्देश्य से जो हिंसक और दमनकारी हथकंडे अपनाये जाते हैं वे आज भी असामान्य बात नहीं। आधुनिक जीवन सामाजिक उत्पादन से चलता है। उत्पादन करने वाले बुनियादी वर्ग मजदूर, किसान व अन्य वे लोग हैं जो अपनी मेहनत करके आजीविका चलाते हैं। इनके अलावा वे तबके जो सेवा क्षेत्र में काम करते हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, जनकल्याण आदि। सेवा क्षेत्र से सामाजिक उत्पादन संभव हो पाता है व समाज को बुलंदियों की ओर ले जाता है। नई तकनीक भी समाज के निरंतर व सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल होती है। जो भी प्रौद्योगिकी या तकनीक समाज विकसित करता है वह कष्टों को कम कर जीवन सुगम बनाने को करता है। विडंबना यह कि पूंजीवादी व्यवस्था में तकनीक के ऊपर पूंजीपति का नियंत्रण होने के कारण उसी तकनीक का प्रयोग न केवल श्रमिकों की संख्या घटाने और शोषण बढ़ाने में किया जाता है बल्कि श्रमिक को उत्पादन प्रक्रिया से हटाकर बेरोज़गारी में धकेला जाता है। आज यह प्रक्रिया चरम पर है। देश में सकल उत्पादन में जो शुद्ध मूल्य वर्धन अर्जित होता है उसमें मालिकों के मुनाफे का अंश लगातार बढ़ रहा है और श्रमिकों या कर्मचारियों के वेतन का अंश घट रहा है। मुनाफे का हिस्सा 2020 में 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 51.9 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में वेतन का हिस्सा 18.9 प्रतिशत से घटकर 15.9 प्रतिशत रह गया। इससे भयंकर आर्थिक विषमताएं पैदा हो गई हैं और भारत दुनिया का सबसे गैर-बराबरी वाला देश है। फिर भी श्रम कानूनों को तिलांजलि देकर कार्पोरेट परस्त चार श्रम संहिता (लेबर कोड) संसद में पास कर दिए गये। जो श्रमिकों यूनियनों के विरोध के कारण लागू नहीं हो सके। भयानक बेरोज़गारी और आमदनी के घटने से लोगों की खरीद शक्ति बहुत कम हो गई है। बाजारों में ठहराव है। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और कार्पोरेट सेक्टर अपने मुनाफे को उच्चतम स्तर पर रखने के लिए श्रमिकों के वेतन व अन्य सुविधाओं में कटौती करने पर आमादा रहता है। वह रोजगार को अनौपचारिक और ठेका प्रथा पर ले आया है। इसके विपरित गुलामी प्रथा की ओर धकेला जा रहा श्रमिक वर्ग रोजगार की ऐसी परिस्थितियों के लिए संघर्ष की ओर बढ़ेगा जो न्यूनतम गरिमापूर्ण अस्तित्व के लिए पर्याप्त हों। यह अंतर्विरोध दुनियाभर में देखा जा सकता है। 90 प्रतिशत से भी अधिक श्रमिक आज भारत में असंगठित क्षेत्र में आते हैं जिनका हिस्सा लगातार बढ़ रहा है। इनमें परियोजना और 'गिग' वर्कर भी शामिल हैं। आज का मई दिवस किसान मजदूर एकता, परस्पर सद्भाव की भावना के पक्ष में और साम्राज्यवाद व कारपोरेट गठजोड़ आदि को चुनौती देते हुए अपने लिए एक गरिमामय जीवन का संदेश लिए हुए है।

आप का नजरिया

सरकारी होटलों के चूल्हे

हिमाचल पर्यटन के कई सफल पन्ने लिख चुका निगम पुनः अपनी दुरुस्ती के पैगाम लिखने लगा है। बेशकीमती संपत्तियों के आंगन में पिछले कुछ सालों ने पर्यटन के घाटे लिख दिए, तो अब फिर से कोशिश है कि सफलता के कुछ गाने लिखे जाएं। इसी परिप्रेक्ष्य में कोशिशों की दरकार, आवश्यक सामग्रियों की खरीद-फरोख्त से लेकर परिसर सुधार की परिक्रमा तक पहुंच चुकी है। एचपीटीडीसी के अध्यक्ष आरएस बाली सरकारी होटलों के चूल्हे को किफायत से काम करना सिखा रहे हैं। साल में बाजार से सीधी खरीद पर तीस-चालीस करोड़ का व्यय करने वाला निगम अब नागरिक आपूर्ति निगम से ही पच्चीस करोड़ तक की सामग्री को इस्तेमाल करेगा। इस तरह दो निगमों के बीच यह करार नए आर्थिक रिश्ते का संकल्प बन सकता है। दावा यह भी है कि किफायत के पैमानों ने निगम के धंधे को 78 से 107 करोड़ पहुंचा दिया है। दावों की अच्छी खबर का तिलक लगाकर एचपीटीडीसी भविष्य की महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं पर भी गौर फरमा रही है। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल में पर्यटन को प्रथम स्तर पर आगे बढ़ाने का काम निगम ने किया, लेकिन अब संपत्तियां बूढ़ीं तथा प्रतिस्पर्धा अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो गई है। पहले पर्यटन की गतिविधियां व अपेक्षाएं भी सीमित थीं। अब पर्यटन के अनुभव का जवाब उस संतुष्टि से जुड़ा है, जो निगम के होटलों को नए अवतरण में देखना चाहता है। यहां सरकारी होटल किसी न किसी तरह सरकारी कार्यसंस्कृति के पात्र बन गए हैं। आश्चर्य यह कि कुछ हेरिटेज इमारतों के भीतर भी पर्यटन की खामोशी उभर आई, तो व्यंजनों के स्वाद में ठहराव आ गया। आरंभ में हिमाचल पर्यटन निगम ने कुछ कैफे चलाए, लेकिन इनमें से अधिकांश शून्य होकर बिक गए। आज भी पर्यटन निगम का किरदार हाईवे टूरिज्म में आ रहे उछाल में अपनी भूमिका नहीं तराश पाया। आने वाले कुछ समय में जब फोरलेन पर पर्यटक नित नई कहानियां लिखेंगे या हिमाचल को देखने व अनुभव करने का नजरिया बदलेगा, तब पर्यटन निगम को नए अवसर पर मौजूद होना होगा। दरअसल पर्यटन के बढ़ते अवसरों में निगम की संपत्तियों ने अपनी प्रासंगिकता घटा ली है। बहुत सारे प्रयास अछूते रह गए। कटलरी, लीलन, एंटीरियर और फर्नीचर पुराने पड़ गए। अपने ही बोझ से बाहर आने के लिए पर्यटन निगम को नए अवसरों तथा सैलानियों की तलाश को पूरा करना होगा। पर्यटन के नए संदर्भ या तो हाई एंड टूरिज्म में मिलेंगे या युवा पर्यटक की मंजिलों पर तराशने होंगे। मसलन अगर धर्मशाला में आईपीएल के मैच होते हैं या यहां महामहिम दलाईलामा का निवास व तिब्बत की अस्थायी सरकार का मुख्यालय है, तो इन तीनों कसौटियों में निगम के होटलों की तश्तरी का रंग-रूप अलग-अलग होना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह कि क्या पर्यटन विकास निगम हिमाचल के बाहर से आने वालों को प्रदेश भ्रमण करवा रहा है। इसी उद्देश्य की खोज में निगम की बसें सवारियां खोजते-खोजते अप्रासंगिक हो गईं।

अमेरिका ने भारत को दिया समर्थन कहा-नेस्तनाबूद कर दो आतंकवाद

वॉशिंगटन,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

आतंकवाद के खात्मे के लिए अमेरिका ने भारत का पूरा समर्थन किया है। साथ ही साफ तौर पर कहा कि भारत आतंकवाद का खात्मा करे अमेरिका उसका पूरा पूरा साथ देगा। इसके अलावा भारत को दुनिया के कई ताकतवर देशों का समर्थन मिला है।

सभी ने एक सुर में आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में समर्थन का ऐलान किया है। इन देशों में अमेरिका भी शामिल है, जिसने एक ताजा बयान जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पहले ही इस मुद्दे पर पीएम मोदी से फोन पर बात कर चुके हैं।

अमेरिका की तरफ से यह ताजा बयान शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस की तरफ से आया है।

इससे पहले अमेरिका ने इस मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ बात की थी। ब्रूस ने कहा कि हमले के बाद तनाव को देखते हुए ट्रम्प प्रशासन दोनों देशों की सरकारों के साथ लगातार संपर्क में है।ब्रूस ने कहा, हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

विदेश विभाग के सचिव ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया था कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है और प्रधानमंत्री मोदी को हमारा पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा, अमेरिकी विदेश विभाग के सचिव ने दोनों देशों को जिम्मेदारी से इस समस्या का समाधान करने की दिशा में काम करने के लिए कहा है।

जिससे कि दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति और क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे।

हम कई स्तरों पर दोनों देशों की सरकारों के संपर्क में हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या तनाव कम करने के आह्वान पर ध्यान दिया जा रहा है तो ब्रूस ने जवाब दिया, हम दोनों देशों से एक जिम्मेदार समाधान की मांग कर रहे हैं।

बता दें कि अमेरिका का यह बयान जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन में वृद्धि के बीच आया है। भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को करेंगे संबोधित

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल संघीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे।वह सरकार की नीति और कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत करेंगे। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक दोपहर 3:00 बजे आहूत की गई है। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को संयुक्त सत्र में प्रस्तुत किया जाना है। संघीय संसद सचिवालय के महासचिव पद्म प्रसाद पांडे ने कहा कि संयुक्त बैठक का एजेंडा तय कर दिया गया है। संविधान के अनुच्छेद 95 के अनुसार, राष्ट्रपति संघीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। अध्यक्ष देवराज घिमिरे ने पहले ही प्रतिनिधि सभा के सदस्यों से निर्धारित पोशाक में उपस्थित होने और दोपहर 2:45 बजे तक अपना स्थान लेने का आग्रह किया है। संघीय संसद सचिवालय ने 5 से 11 मई के दौरान सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर चर्चा करने और पारित करने के लिए पहले ही एजेंडा निर्धारित किया है। इसी तरह, आर्थिक विनियोजन विधेयक के सिद्धांतों और प्राथमिकताओं पर चर्चा होगी। इसे बजट पूर्व चर्चा के रूप में भी लिया जाता है जो 13 मई से शुरू होगी। वित्तमंत्री 29 मई को संयुक्त बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए बजट पेश करेंगे।

पाकिस्तान युद्ध में बच्चों को थमा सकता है बंदूक, नियंत्रण रेखा के पास स्कूलों में दिया जा रहा है प्रशिक्षण

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को कराए गए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के हाथ-पांव फूले हुए हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आईएसआई) और फौज को लग रहा है कि भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसलिए अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के स्कूलों के खेल मैदानों को तेजी के साथ प्राथमिक चिकित्सा शिविरों में बदला जा रहा है। पाकिस्तान के लगभग सभी प्रमुख अखबारों में आज इस खबर को तरजीह दी गई है। जियो न्यूज में अन्य समाचार माध्यम से प्रसारित की गई खबर में कहा गया है कि इसका मकसद है अगर भारत के साथ युद्ध छिड़ जाता है तो बच्चों के कैसे जवाब देना है। सनद रहे पाकिस्तान कह चुका है कि उसके पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत आसन्न सैन्य हमले की योजना बना रहा है। पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि सीमा के पाकिस्तान की तरफ 6,000 से अधिक स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं। इनमें नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर 1,195 हैं। हाल ही में मुजफ्फराबाद के 13 स्कूलों में बच्चों को युद्ध के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर कल रावलपिंडी में देखे गए। उन्होंने टीला फील्ड फायरिंग रेंज का दौरा किया। सैनिकों से युद्ध में पीछे न हटने का आह्वान किया। उन्होंने पाकिस्तान सेना की मंगला स्ट्राइक कोर के प्रशिक्षण अभ्यास को भी देखा।

पाकिस्तान में सिंधु नदी से सटे कराकोरम राजमार्ग पर हादसा, कार खाई में गिरी परिवार के आठ सदस्यों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में कल शाम हुए एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के आठ सदस्यों की जान चली गई। यह हादसा लोअर कोहिस्तान के मट्टा बंदा इलाके में सिंधु नदी से सटे कराकोरम राजमार्ग पर हुआ। एक कार गिलगित बाल्टिस्तान से पंजाब जा रही थी। चालक के स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो देने से कार राजमार्ग पर एक तीव्र मोड़ के दौरान खाई में गिर गई। पुलिस अधीक्षक तैमूर खान ने बताया कि सभी आठ शवों को बरामद कर लिया गया है। पीड़ितों की पहचान रावलपिंडी के आसिफ इकबाल, उनकी पत्नी मेमोना इकबाल, उनके चार बच्चों और दो रिश्तेदारों आयशा सिद्दीकी और बुशरा वसीम के रूप में हुई है। खान ने कहा कि कराकोरम राजमार्ग पर ऊपरी और निचले क्षेत्र में कई खतरनाक मोड़ हैं। यहां आमतौर हादसे होते रहते हैं।

घबराया पाकिस्तान तोप लेकर एलओसी की तरफ भागा, फौजियों को भी भेजा

करांची,02 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई की तैयारी देख पाकिस्तानी सेना ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। पाकिस्तान की सेना ने कई भारतीय चौकियों पर मशीनगन से फायरिंग की, जिससे सीमा पर तनाव और बढ़ गया है। घबराया पाकिस्तान तोप लेकर एलओसी की तरफ भागा, फौजियों को भी भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने चीन से मिले एसएच-15 हॉवित्जर तोपों को तैनात कर दिया है और खैबर पख्तूनख्वा से कुछ सैन्य टुकड़ियां एलओसी के करीब भेज दी हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पाकिस्तान की गतिविधियां यह दर्शाती हैं कि वह भारत की प्रतिक्रिया से डरा हुआ है। हमारी तैनाती मजबूत और पूरी तरह तैयार है। इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई, जिसमें जम्मू-कश्मीर की स्थिति और क्षेत्रीय घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। उसी दिन भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। प्रधानमंत्री ने सेना को पूरी तरह से स्वतंत्रता दी है कि वे जवाबी कार्रवाई के समय, लक्ष्य और तरीके का चयन स्वयं करें। पाकिस्तान ने कुपवाड़ा सेक्टर की अग्रिम भारतीय चौकियों को निशाना बनाया, जो कि लगातार सातवें दिन संघर्षविराम का उल्लंघन था। उरी और अखनूर सेक्टरों में भी पाकिस्तानी फायरिंग हुई। जानकारी के अनुसार, लीपा और जुरा में सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड कुपवाड़ा के सामने स्थित हैं। सेना सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान 40 से अधिक आतंकवादी ठिकानों का उपयोग कर भारत में घुसपैठ की योजना बना रहा है। पाकिस्तानी फायरिंग को लेकर भारतीय सेना के डीजीएमओ ने मंगलवार को हॉटलाइन के ज़रिए पाकिस्तानी समकक्ष को चेतावनी दी थी।

चैट लीक मामले में ट्रंप ने दिखाई सख्ती, एनएसए माइक वॉल्ट्ज की कर दी छुट्टी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज और उनके डिप्टी एलेक्स वॉन्ग दोनों अपने पदों से हटा दिए गए हैं। बता दें कि मार्च में वॉल्ट्ज उस वक्त विवादों में घिर गए थे जब उन्होंने सिग्नल ऐप पर एक चैट ग्रुप बनाया और गलती से एक पत्रकार जेफ्री गोल्डबर्ग को भी जोड़ लिया। इस ग्रुप में यमन में हूथी विद्रोहियों पर सैन्य हमले की रणनीति पर चर्चा हो रही थी, जिसकी जानकारी बाद में गोल्डबर्ग ने छाप दी। पहले तो उन्होंने संवेदनशील जानकारियां नहीं दीं, लेकिन जब रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड और सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि कोई अहम जानकारी नहीं लीक हुई, तब उन्होंने पूरा विवरण सार्वजनिक कर दिया। इसमें हमले का समय और हथियारों की डिटेल्स भी शामिल थीं।हालांकि, वॉल्ट्ज ने बाद में इस रिपोर्टिंग की सच्चाई को स्वीकार किया और वाइट हाउस के अंदर यह चर्चा शुरू हो गई थी कि उन्हें इस्तीफा देना चाहिए या नहीं। लेकिन न तो उन्होंने इस्तीफा दिया, न ही ट्रंप ने उन्हें हटाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने तब सार्वजनिक रूप से वॉल्ट्ज का बचाव करते हुए कहा था कि वो एक अच्छे इंसान हैं।

एक्सरसाइज है लंबी उम्र का असली सीक्रेट: 101 साल के डॉक्टर का अनुभव

लंदन,02 मई (एजेंसियां)।

अक्सर कहा जाता है कि लंबी उम्र का राज हेल्दी भोजन, तनाव से दूरी और अच्छी नींद में छिपा होता है, लेकिन 101 साल के डॉ. जॉन स्कारफेनबर्ग इस पर आपनी अलग राय रखते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ. जॉन ने अपने अनुभव के आधार पर बताया कि सौ साल से ज्यादा जीने का असली सीक्रेट कोई डाइट प्लान, रिलैक्सेशन तकनीक या स्ट्रेस कंट्रोल नहीं, बल्कि केवल शरीर को हर रोज एक्टिव रखना है। डॉ. जान का मानना है कि यदि आप सचमुच लंबी उम्र चाहते हैं तो आपको हर दिन अपने शरीर को मेहनत में लगाना होगा। डॉ. जॉन का कहना है कि इसके लिए जिम जाने की भी जरूरत नहीं है। बस जरूरी है कि आप किसी भी तरह से अपने शरीर को लगातार हरकत में रखें, चाहे दौड़ कर, वॉक कर के, जॉगिंग कर के, पुश-अप्स कर के या प्लैंक कर के। उनका संदेश साफ है: शरीर को थकने दीजिए, पसीना बहाइए, यही लंबी उम्र तक जीने का सबसे बड़ा रहस्य है। डॉ. जॉन के अनुसार एक्सरसाइज के मुकाबले बाकी सभी चीजें नगण्य हैं। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि यदि कोई व्यक्ति मोटा है लेकिन रोज एक्सरसाइज करता है, तो उसकी उम्र उस दुबले इंसान से भी लंबी हो सकती है जो शारीरिक रूप से निष्क्रिय है। यहां तक कि यदि किसी व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल है या वह धूम्रपान भी करता है, तब भी यदि वह नियमित रूप से एक्सरसाइज करता है, तो उसकी उम्र उस व्यक्ति से अधिक हो सकती है जो इन बीमारियों से मुक्त है, लेकिन एक्टिव नहीं है। डॉ. जॉन ने यह भी जोड़ा कि जीन (आनुवंशिकता) लंबी उम्र में कुछ हद तक भूमिका निभाते हैं, लेकिन अगर इंसान एक्टिव नहीं रहेगा तो अच्छे जीन भी ज्यादा मदद नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जब आप अपनी उम्र के साथ भी एक्सरसाइज करना जारी रखते हैं, तो ऐसा महसूस होता है कि आप हर दिन अपने जीवन में कुछ अतिरिक्त दिन जोड़ रहे हैं। डॉ. जॉन के मुताबिक, रोजाना थोड़ी मेहनत करना ही असली एंटी-एजिंग फार्मूला है।

अमेरिका में फिर पैर पसार रहा खसरा, पश्चिमी टेक्सास में रोगियों की संख्या बढ़ी

अमेरिका ने 25 साल पहले खसरे को खत्म करने की घोषणा की थी, लेकिन टेक्सास में बीमारी के बढ़ते प्रकोप ने फिर से चिंताएं बढ़ा दी हैं। मीडिया ने बताया कि पश्चिमी टेक्सास में खसरे के रोगियों की संख्या बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के अंत में शुरू हुए खसरे से टेक्सास में 700 से अधिक लोग बीमार हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। इतना ही नहीं, खसरा अन्य राज्यों में भी फैल गया है। खसरे ने अमेरिका में एक दशक से अधिक समय में पहली बार जान ली है। कुछ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और महामारी वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रकोप एक साल से अधिक समय तक चल सकता है, इससे अमेरिका का खसरा-मुक्त दर्जा खतरे में पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने साल 2000 में व्यापक टीकाकरण अभियानों के बाद यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसमें अधिकांश बच्चों को खसरा, कण्ठमाला और रूबेला या एमएमआर वैक्सीन दी गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खसरा तब खत्म माना जाता है, जब किसी देश में कम से कम 12 महीने तक मजबूत निगरानी प्रणाली के तहत स्थानीय स्तर पर इसका प्रसार न हो।

पाक का प्रोपेगेंडा, हिंदुओं से करवाया भारत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, हाथों में भारत और पीएम मोदी के खिलाफ लिखे नारों की तख्तियां लिए थे लोग

इस्लामाबाद,02 मई (एजेंसियां)।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत सख्त रुख अपना रहा है। भारत ने सिंधु जल समझौते को रोक दिया, पाकिस्तानियों को भारत छोड़ने का आदेश दिया और राजनयिकों को भी वापस भेजा जा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान ने अब हिंदुओं का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांच के क्वेटा में हिंदू समुदाय के लोगों से भारत के खिलाफ प्रदर्शन करवाया है। यह प्रदर्शन बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के लोगों ने किया है, जिसका नेतृत्व संजय कुमार ने किया। वह बलूचिस्तान की विधानसभा में सदस्य हैं। हिंदू समुदाय के लोगों के हाथों में भारत और पीएम मोदी के खिलाफ लिखे नारों वाली तख्तियां देकर प्रदर्शन करवाया गया। सैकड़ों हिंदू समाज के लोगों का यह मार्च कई रास्तों से होते हुए क्वेटा प्रेस क्लब पहुंचा। यही नहीं इन लोगों से यह बयान भी दिलाने की कोशिश की गई कि पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्मान का हाथ नहीं है। सिंध और बलूचिस्तान प्रांत में हिंदूओं की अच्छी आबादी है। ऐसे में हिंदू समुदाय के लोगों का भारत के खिलाफ इस्तेमाल करना बताता है कि पाकिस्तान किस तरह प्रोपेगेंडा वॉर में जुटा है। प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले संजय कुमार ने कहा कि पाकिस्तान का हिंदू समुदाय देश के सुरक्षा बलों के साथ है। यदि भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ हमला या कोई सैन्य कार्रवाई हुई तो हम पाकिस्तानी सेना का साथ देंगे। संजय ने कहा कि भारत कोई इस तरह सिंधु जल समझौते को एकतरफा तौर पर नहीं रोकना चाहिए था। उसे इस मसले पर पाकिस्तान से बात करनी चाहिए थी। बलूचिस्तान विधानसभा के पीपीपी अल्पसंख्यक सदस्य संजय कुमार के नेतृत्व में रैली निकाली गई। इस दौरान वे मोदी विरोधी और भारत विरोधी नारे लिखे बैनर और तख्तियां लेकर नजर आए। संजय कुमार ने कहा कि पाकिस्तान में हिंदू समुदाय देश की सशस्त्र सेनाओं के साथ है। अगर भारत ने आक्रमण करने की हिम्मत की तो पाकिस्तान के हिंदू सेना के साथ खड़े होंगे।

ब्रिटेन ने चीनी ईवी वाहनों को लेकर दी सलाह, मोबाइल फोन कनेक्ट करने से बचें

ब्रिटेन की प्रमुख रक्षा कंपनियों ने कर्मचारियों से कहा

लंदन,02 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की प्रमुख रक्षा कंपनियों ने अपने कर्मचारियों से कहा हैं कि चीनी निर्मित इलेक्ट्रिक कारों में मोबाइल फोन कनेक्ट करने से बचें। इन कंपनियों का मानना है कि इससे चीन को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील डेटा को चुराने का मौका मिल सकता है। यह चेतावनी ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय द्वारा देश भर में संवेदनशील सैन्य जगहों पर चीनी तकनीक पर निर्भर वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के बाद सामने आई है। कई मामलों में, रक्षा मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे अपनी कारों को उनके कार्यस्थल से करीब दो मील दूर पार्क करें। यह खुलासा तब हुआ है, जब ब्रिटेन के रक्षा क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को कड़ा किया जा रहा है। ब्रिटिश रक्षा कंपनियां अब चीन से बनी ईवी में तकनीकी सुरक्षा खतरों के प्रति सतर्क हो गई हैं। एक अधिकारी ने कहा कि हम अपने कर्मचारियों को चीनी ईवी खरीदने पर उचित सावधानी बरतने को कहा हैं। खासकर बीवॉयडी जैसे चीनी ब्रांडों द्वारा दी जा रही सस्ती और लंबी रेंज के कारण ये कारें तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। ब्रिटेन की सुरक्षा एजेंसियां और सरकारी विभाग लंबे समय से अपने कर्मचारियों को संवेदनशील डेटा लीक से बचाने के लिए विशेष सुरक्षा दिशा-निर्देश जारी करती हैं। जैसे, कर्मचारियों से कहा जाता है कि वे ऑफिस काम से संबंधित दस्तावेजों को सुरक्षित रखें और प्रोडक्शन प्लांट्स में या अपनी कारों में काम से संबंधित जानकारी न रखें। एक सूत्रों ने कहा कि यह सुनिश्चित करना अब ज़रूरी हो गया है कि कर्मचारियों की कारें उनके मोबाइल फोन और संवेदनशील डेटा से कनेक्ट न हो, क्योंकि यह डेटा चोरी करने का एक आसान तरीका हो सकता है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह मानना सुरक्षित है कि हर प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता इस लेकर चिंतित है कि चीनी इलेक्ट्रिक कारों में जासूसी करने के लिए तकनीकी उपकरण लगे हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज को हटाया, विदेशमंत्री मार्को रुबियो को सौंपी जिम्मेदारी

वाशिंगटन। सिग्नल ऐप चैट से सुर्खियों में आए अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइकल वाल्ट्ज की छुट्टी कर दी गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल घोषणा की कि उन्होंने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज को हटा दिया है। उनके स्थान पर अंतरिम रूप से विदेशमंत्री मार्को रुबियो को नियुक्त किया है। खबर के अनुसार, यह व्हाइट हाउस के शीर्ष सहयोगियों में पहला बड़ा कार्मिक फेरबदल है। हालांकि ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में ऐसा कदम नहीं उठाना चाहते थे। वाल्ट्ज तब से मुश्किल में थे जब उन्होंने सिग्नल ऐप पर यमन में एक संवेदनशील सैन्य अभियान पर चर्चा करने के लिए एक समूह चैट आयोजित की। गलती से उसमें एक पत्रकार को शामिल कर लिया। ट्रम्प ने वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि रुबियो फिलहाल दोनों पदों पर बने रहेंगे।

मैड्रिड ओपन 2025 : कोको गॉफ ने इगा स्वियातेक को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड, 02 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने मौजूदा चैंपियन और दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियातेक को मैड्रिड ओपन 2025 के सेमीफाइनल में करारी शिकस्त दी।

गॉफ ने यह मुकाबला महज 64 मिनट में 6-1, 6-1 से जीतकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

स्वियातेक एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं बना सकीं

पोलैंड की पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक इस मुकाबले में पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। वह एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और अपनी सर्विस पांच बार गंवाई। गॉफ ने पहले सेट में तीसरे, पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक कर स्वियातेक को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

क्ले कोर्ट पर पहली बार गॉफ ने स्वियातेक को हराया यह पहली बार है जब 21 वर्षीय कोको गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियातेक को हराया है। उन्होंने दूसरे सेट में भी दो बार ब्रेक किया और बिना कोई गलती किए पहला ही मैच प्वाइंट भुना लिया।

स्वियातेक का खिताब बचाने का सपना टूटा

स्वियातेक का इस साल मैड्रिड ओपन में प्रदर्शन अस्थिर रहा। उन्होंने पहले राउंड में अलेक्जेंड्रा ईला और फिर डायना श्नाइडर के खिलाफ सेट गंवाए। क्वार्टर फाइनल में उन्हें मैडिसन कीज़ से पहले सेट में 6-0 की हार झेलनी पड़ी थी, हालांकि बाद में उन्होंने वापसी की। लेकिन सेमीफाइनल में गॉफ के सामने वह पूरी तरह बेबस नजर आईं।

दूसरा सेमीफाइनल सबालेंका और स्वितोलिना के बीच

अब टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल बेलारूस की आर्यना सबालेंका और यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। दोनों खिलाड़ी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और विजेता का सामना फाइनल में गॉफ से होगा।

न्यूज ब्रीफ

अफरीदी की पिटाई का पुराना वीडियो सामने आया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी हमेशा ही अपने विवादास्पद बयानों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने भारतीय सेना की आलोचना की थी जिसके बाद वह जमकर ट्रॉल हुए थे। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है, इसमें लोग अफरीदी की पिटाई करते दिख रहे हैं। ये वीडियो अभी का नहीं बल्कि एक दशक से ज्यादा पुराना है। अफरीदी साल 2012 में ढाका से कराची आ रहे थे तभी एक प्रशंसक ने हवाई अड्डे पर ही उन्हें चांटे लगा दिये। इसके बाद अफरीदी भी मारपीट पर उतर गये। ये झड़प किस कारण से हुई थी ये अभी तक पता नहीं चला है। गौरतलब है कि अफरीदी के यूट्यूब चैनल को भी भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है। भारत ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के सभी लोगों के चैनल और अकाउंट भारत में बंद कर दिये हैं।

अंतिम समय पर रोहित के डीआरएस लेने पर प्रशंसकों ने उठाये सवाल

नई दिल्ली। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा के शानदार अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की की है। रोहित इस मैच में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के बाद भी विवादों में आ गये। रोहित ने इस मैच में कुल 53 रन बनाये पर अंतिम समय पर डीआरएस लेने के एक फैसले के लिए उनकी आलोचना हुई है। दूसरे ओवर के दौरान जब फजलहक फारुकी गेंदबाजी कर रहे थे तो रोहित के खिलाफ आउट की अपील हुई जिसे अंपायर ने मान लिया पर रोहित इस फैसले से संतुष्ट नहीं थे और वह डीआरएस लेना चाहते थे इसके लिए उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी से बात की और अंतिम समय पर डीआरएस के संकेत दे दिये, जिसको लेकर ही अब सवाल उठे हैं। इसके बाद रोहित को नाट आउट करार दिया गया पर इस सब में 15 सेकेंड लग गये थे जबकि नियमों के अनुसार डीआरएस का फैसला 15 सेकेंड के अंदर लिया जाता है। इस प्रकार के फैसले पर अंपायर ने भी सवाल उठाये हैं। इस मैच में मुंबई के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स की 16.1 ओवर में 117 रन ही बना सकी और उसके करारी हार का सामना करना पड़ा।

लॉर्ड्स में खेला जाएगा महिला टी-20 विश्व कप फाइनल : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले साल होने वाले महिला टी-20 विश्व कप का फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। विश्वकप 12 जून को शुरू होगा और इसमें 33 मैच खेले जाएंगे। लॉर्ड्स के अलावा विश्व कप के मुकाबले ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले, एडबस्टन, ओवल, हैंपशर बाउल और ब्रिस्टल काउंटी मैदान पर होंगे। टूर्नामेंट में टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा। इसके बाद नॉकआउट मुकाबले होंगे। इस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सहित आठ टीमों ने पहले ही क्वालीफाई कर लिया है। वहीं बची हुई चार टीम का चयन आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर 2025 से होगा। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, ब्रिटेन में सभी टीमों को काफी समर्थन मिलता है। 2017 में लॉर्ड्स पर महिला विश्व कप फाइनल में भी स्टेडियम परी तरह से भरा था। ऐसे में फाइनल के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। हम अभी से टूर्नामेंट की तैयारी पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमें भरोसा है कि रोमांचक टी-20 क्रिकेट यहां प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन होने के साथ ही इससे लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में होने वाले क्रिकेट मुकाबलों के लिए भी माहौल बनेगा।

गुजरात ने हैदराबाद को 38 रनों से पीटा

अभिषेक की पारी गई बेकार

अहमदाबाद, 02 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 से सनराइजर्स हैदराबाद का सफर भी लगभग समाप्त हो गया। चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की तरह टीम पूरी तरह तो बाहर नहीं हुई है लेकिन अब अगले राउंड में जाना लगभग नामुमकिन दिख रहा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर हैदराबाद को 38 रनों से हार मिली। गुजरात टाइटंस के टॉप 3 बल्लेबाजों का बल्ला फिर बोला और टीम ने 224 रन ठोक दिए। जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद का मिडिल ऑर्डर फेल रहा और टीम 6 विकेट पर रन ही बना सकी। गुजरात के इस जीत के बाद 14 पॉइंट हो गए हैं। मुंबई इंडियंस और आरसीबी के भी 14-14 पॉइंट हैं।कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने गुजरात के लिए फिफ्टी ठोकी। गिल ने रन आउट होने से पहले 38 गेंदों पर 76 रन में दस चौके और दो छक्के लगाए। बटलर के बल्ले से 37 गेंद पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 64 रन निकले। टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए गिल और साई सुदर्शन ने 87 रन की जबरदस्त साझेदारी की। साई सुदर्शन ने 48 रन और वाशिंगटन सुंदर ने 21 रन बनाये।सुदर्शन ने तेज गति के साथ बल्लेबाजी की और मोहम्मद शमी को तीसरे ओवर में 5 चौके मारे। इसके बाद हर्षल पटेल के 5वें ओवर में चार चौके जड़ दिए। पावरप्ले में गुजरात का स्कोर छह ओवर में बिना कोई विकेट खोये 82 रन पहुंच चुका था। इस तरह गुजरात ने इस सीजन में पावरप्ले में सबसे बेहतर शुरुआत हासिल कर ली। गुजरात ने दस ओवर में एक विकेट पर 120 रन बना लिए। अगले दस ओवर में गुजरात ने इसी लय को जारी रखते हुए 104 रन और जोड़े। सुदर्शन ने 23 गेंदों पर 48 रन में नौ चौके लगाए।गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की। गुजरात ने 15 ओवर में दो विकेट पर 162 रन का स्कोर बना लिए थे। जीशान अंसारी के पारी के 16वें ओवर में बटलर ने छक्का और चौका मारकर अपना अर्धशतक पूरा किया। बटलर ने अगले ओवर में चौका और छक्का मारकर गुजरात को 200 के पार पहुंचाया। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने बटलर को लॉन्ग ऑन पर अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया।सुंदर ने 20वें ओवर में जयदेव उनादकट की पहली गेंद पर छक्का मारा लेकिन जयदेव ने अगली गेंद पर सुंदर को आउट कर दिया। सुंदर ने 16 गेंदों पर 21 रन बनाये। राहुल तेवतिया ने तीसरी गेंद को छक्के के लिए उठा दिया लेकिन पांचवीं गेंद पर आउट हो गए। उनादकट ने आखिरी गेंद पर राशिद खान का विकेट भी झटक लिया। हैदराबाद की तरफ से उनादकट ने चार ओवर में 35 रन पर तीन विकेट लिए जबकि कमिंस और अंसारी को एक-एक विकेट मिला।

आईपीएल 2025 : सूर्यकुमार यादव ने हासिल की ऑरेंज कैप, कोहली, साई सुदर्शन को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुरुवार को विराट कोहली और साईं सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए ऑरेंज कैप हासिल कर लिया। सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 गेंदों में नाबाद 48 रन की पारी खेलते हुए इस सीज़न में अपने रन 475 तक पहुँचा दिए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट कोहली (443 रन) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बी साई सुदर्शन (456 रन) को पीछे छोड़ते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में पहला स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि सूर्यकुमार ने 11 मैच खेले हैं, वहीं सुदर्शन ने 9 और कोहली ने 10 मुकाबलों में ये रन बनाए हैं। यशस्वी जयसवाल चौथे स्थान पर कायम राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जयसवाल ने इस मैच में सिर्फ 11 रन बनाए और अब भी 439 रनों के साथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। जीटी के जोस बटलर (406 रन) और लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन (404 रन) भी 400 रनों का आंकड़ा पार करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं।

पर्पल कैप की दौड़ में हेज़लवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेज़लवुड 18 विकेट के साथ पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा 17 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं।

ट्रेंट बोल्ट की जबरदस्त छलांग

मुंबई इंडियंस के तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट ने गुरुवार को तीन विकेट झटके और अब 11 मैचों में 16 विकेट लेकर पर्पल कैप तालिका में तीसरे नंबर पर पहुँच गए हैं। उनके ठीक नीचे चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद हैं, जिनके नाम 10 मैचों में 15 विकेट दर्ज हैं।

यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल

लंदन मे यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में खेलते हुए टोटेनहम वह बोडो के खिलाड़ी।

आईएसएसएफ निशानेबाज विश्व कप आठ जून से, भाकर और स्वप्निल से रहेंगी उम्मीदें

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले अगले माह आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार रहेंगे। भाकर और कुसाले को 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने भाकर को दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में शामिल किया है। वहीं पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह को भी जगह मिली है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार किसी स्पर्धा में खेलते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप में बेहत प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस इस टीम के कुल 13 सदस्यों को म्यूनिख जाने वाली इस विश्वकप टीम में भी शामिल किया गया है। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चयनित टीम में तीन नए खिलाड़ी भी रहेंगे। राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। वहीं पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को शामिल किया गया है। हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत भी इसमें शामिल हैं।

इन चार टीमों पर है आईपीएल प्लेऑफ से बाहर होने का खतरा

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाद दिल्ली कैपिटल्स सहित इन टीमों पर भी लीग से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है।

दिल्ली कैपिटल्स- सत्र की अच्छी शुरुआत के बाद अब दिल्ली कमजोर होती दिख रही है। पिछले दो मुकाबलों में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। टीम ने अब तक 10 में से 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं। ऐसे में उसे प्लेऑफ के लिए बचे 4 में से 2 मैच जीतने होंगे। अगर टीम 3 मैच हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है। दिल्ली को अपना नेट रन रेट भी सुधारना होगा।

लखनऊ सुपर जाएंट्स- 10 मैचों में 6 जीत के साथ उसके भी 12 अंक हैं पर उसे प्लेऑफ का टिकट हासिल करने के लिए बचे चार में से कम से कम तीन मैच जीतने होंगे। इसे साथ ही रन रेट भी बेहतर करना होगा क्योंकि उसका रन अच्छा नहीं है।

कोलकाता नाइट राइडर्स- गत विजेता केकेआर के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल नजर आ रही है। टीम ने अभी तक खेले 10 में से 4 ही मैच जीते हैं, वहीं पंजाब किंग्स के खिलाफ उनका मुकाबला बारिश से रद्द हो गया था। केकेआर के अभी 9 अंक हैं और अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए सभी मैच जीतनें होंगे तभी वह 16 अंक के ऊपर पहुंच पायेगी। यहां से सभी मुकाबले जीतने होंगे तभी वह 17 पॉइंट्स तक पहुंच सकती है। अब अगर वह एक भी मैच हारी तो बाहर होगी।

राजस्थान रॉयल्स- चेन्नई सुपर किंग्स के बाद राजस्थान रॉयल्स पर भी बाहर होने का खतरा है। उसके भी तक 10 मैचों में 6 ही अंक है, अगर यहां से टीम एक भी मैच हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है।

वैभव को आने वाले समय में भारतीय टी20 टीम में जगह मिलेगी : मनीष ओझा

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के बचपन के कोच मनीष ओझा को उम्मीद है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह बनाएगा। । वैभव ने आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की है। आईपीएल ही नहीं, बल्कि दुनिया भर की टी20 क्रिकेट लीग में इस उम्र में किसी भी बल्लेबाज ने शतक नहीं लगाया है। बचपन के कोच को उम्मीद है कि वह अगले एक या दो साल में भारत की टी20 टीम में जगह बना लेगा। वैभव ने आईपीएल में 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेलकर सभी हो हैरान किया है । अपनी इस पारी में वैभव ने जिस प्रकार सात चौके और 11 छक्के लगाये उससे उसके मनोबल का अंदाज होता है। वह निडर होकर बल्लेबाजी करता है चाहे कोई भी गेंदबाज हो। ओझा के अनुसार अगर वह इसी तरह खेलता रहा तो एक या दो साल में भारत की टी20 टीम में जगह बना लेगा। उसने भारतीय अंडर-19 टीम के लिए भी खेला है। जनवरी 2024 में इस क्रिकेटर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। ओझा ने कहा कि वैभव एक प्रतिभाली क्रिकेटर हैं और उनकी सोच बिल्कुल साफ है।

इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में इंडसइंड बैंक को सेबी से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कथपलिया और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना के खिलाफ चल रही इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद कर दिया है।

इनके सेशन के बाद कहा गया कि उनकी शेयर्स बेचने में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। इस इस्तीफे के परिणाम स्वरूप, इंडसंड बैंक के शेयरों में मजबूती देखने को मिल रही है। संदीप पारिख, फिनसेक लॉ एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर ने इस मुद्दे पर कहा कि इंसाइडर ट्रेडिंग को साबित करने के लिए विशिष्ट सबूतों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि यह आम अभियान है कि कंपनी के अधिकारियों को शेयरों को बेचने की अनुमति मिलती है, लेकिन जब यह साबित नहीं होता कि इन्फॉर्मेशन सार्वजनिक होने से पहले बड़ी मात्रा में शेयरों की विक्री की गई थी, तब इंसाइडर ट्रेडिंग सिद्ध होती है। सेबी ने कहा कि शेयर बिक्री कर्मचारी स्टॉक ओनरशिप प्लान के तहत वेस्ट होने के बाद की गई थी और सभी लेन-देन की सूची बाजार को समय पर बता दी गई थी, इसलिए इंसाइडर ट्रेडिंग का कोई सबूत नहीं मिला। लेखा घोटाले के संदर्भ में, बैंक ने वित्तीय नुकसान करने वाले गलत लेखांकन के लक्षण दिखाए और इसका पता अक्टूबर 2024 में चलते चलते चला गया। सेबी ने इस याचिका को बंद कर दिया है, लेकिन बैंक के लिए उद्योग और प्रबंधन की चुनौती है। निवेशकों के लिए, यह जरूरी है कि वे खुद के निवेशों पर ध्यान दें और बैंक की स्थिति को ध्यान से देखें।

इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद

न्यूज ब्रीफ

रुपया 77 पैसे मजबूत होकर 83.77 डॉलर पर, रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर बंद हुआ था

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.98 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 83.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 77 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर बंद हुआ था। महाराष्ट्र दिवस' के अवसर पर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.97 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अप्रैल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सर्वाधिक 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा जो घरेलू मांग की बेहद स्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी भावनाओं को और बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में कोई भी वृद्धि तेजी से लाभ को उलट सकती है और रुपये पर दबाव डाल सकती है जैसा कि पिछले भू-राजनीतिक प्रकरणों में हुआ था ।

बीएफएसआई सेक्टर में एक बार फिर बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी

नई दिल्ली। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और बीमा (बीएफएसआई) सेक्टर में एक बार फिर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह भारत का सबसे बड़ा लिस्टेड सेक्टर है और हाल की बाजार गिरावट के बावजूद मजबूत बना रहा। पिछले दो महीनों में इस सेक्टर ने 13.9 फीसदी की बढ़त दर्ज की है। बीएफएसआई कंपनियां मुख्य रूप से घरेलू बाजार पर आधारित होती हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

अमेरिका में जीडीपी के कमजोर आंकड़ों के बावजूद बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। डाउ जॉन्स निचले स्तर से करीब 1,000 अंक की रिकवरी करने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,604.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 264.40 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की छलांग लगा कर 17,710.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 330.51 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 41,083.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

एशियाई बाजारों में चौतरफा तेजी नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चीन के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी 265 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,659.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 323.67 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 36,775.97 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 447.66 अंक यानी 2.21 प्रतिशत उछल कर 20,682.69 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 383.41 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,502.82 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,204.13 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,564.30 के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,843.58 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत उछल कर 6,780.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिका ने सभी देशों से कहा- ईरान के साथ व्यापार न करें वरना...!

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊपर अपनी धमकी को और बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी देशों को ईरान के साथ व्यापार करने से रोकने की धमकी दी है। इसके अनुसार अगर कोई देश ईरान से कोई भी पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदता है, तो उस पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया जाएगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप ने ईरान को ऐसे खरीदारों के खिलाफ भी चेतावनी दी है जिन्होंने ईरान से माल खरीदा हो। यह धमकी भारत के ऊपर भी अपना असर डालेगी जैसे भारत ने ईरान से इस साल तेल खरीदा है। यह धमकी भारत के ऊपर भी अपना असर डालेगी इस समय अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर तलवारें खिसकी हुई हैं। अमेरिका कह रहा है कि वह ईरान को परमाणु कार्यक्रम नहीं देगा, जबकि ईरान कह रहा है कि अमेरिका की शर्तें अव्यवहारिक हैं। इस मामले में ओमान की मध्यस्थता से नई बातचीत की उम्मीद है। अमेरिका ने इस समझौते पर काम शुरू किया है, जबकि ईरान के विदेश मंत्री ने सुनी है कि यदि अमेरिका अवास्तविक मांगों से बचता है तो समझौता हो सकता है। गर अमेरिका अपनी धमकी पर चलता है तो यह अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ा सकता है। चीन ईरान से अधिक तेल आयात करता है तो उसके बीच और तनाव उत्पन्न हो सकता है। बीच में अमेरिका की सरकार और ईरान के बीच बातचीत की जारी होनी चाहिए ताकि उचित समाधान हो सके।

अब नहीं होगी यूपीआई में गड़बड़ी और धोखाधड़ी एनपीसीआई ने किया बदलाव

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

अब यूपीआई पेमेंट में होने वाली गड़बड़ी को रोका जा सकेगा। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने नया नियम बनाया है, जिसमें अब यूपीआई ऐप्स को पेमेंट की पुष्टि करने से पहले बैंक द्वारा सत्यापित नाम दिखाना होगा। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने, धोखाधड़ी कम करने और ग्राहकों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन कराने के लिए उठाया गया है। 30 जून से सभी यूपीआई में बैंक में रजिस्टर्ड नाम भी दिखेगा। अब आपके साथ कोई धोखाधड़ी नहीं कर पाएगा क्योंकि अब भुगतान करने से पहले जिसे आप रकम भेज रहे हैं आपको उसका असली नाम नजर आएगा। अभी तक केवल उपनाम या छोटा नाम ही दिखाई देता था, जिसके चलते अक्सर भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती थी। नए नियम के मुताबिक अब वही नाम दिखेगा, जो बैंक द्वारा सत्यापित होगा यानी असली नाम। अब तक यूपीआई ऐप्स में क्यूआर कोड से लिया गया नाम, ग्राहक द्वारा लिखा गया उपनाम, फोन में सुरक्षित किए गए नाम या उपनाम दिखाए देते थे। इससे गलतियों और धोखाधड़ी की गुंजाइश रहती थी क्योंकि धोखेबाज अक्सर नामों की नकल करके ग्राहकों को झांसे में डाल देते थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के 24 अप्रैल के निर्देश के मुताबिक अब व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति से व्यापारी दोनों तरह के लेन-देन में केवल बैंक द्वारा सत्यापित नाम ही भुगतान की पुष्टि स्क्रीन पर नजर आएगी। व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन उसे कहते हैं जो दो लोगों के बीच होता है। वहीं, व्यक्ति से व्यापारी लेनदेन उसे कहते हैं जो छोटे बिजनेसमैन के साथ होता है। उदाहरण के लिए अगर आप किसी किराने की दुकान वाले को भुगतान करते हैं तो वह व्यक्ति से व्यापारी लेनदेन होता है। आपने अपनी किसी दोस्त को पैसे ट्रांसफर किए तो वह व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन कहलाता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के मुताबिक असल में लाभार्थी वह व्यक्ति या संस्था है, जो सामान या सेवाओं के बदले पैसा प्राप्त कर रहा है। चूंकि कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस का डाटा बैंकों द्वारा नियंत्रित होता है और सुरक्षित एपीआई के जरिए हासिल किया जाता है, इसलिए इसे ग्राहक या ऐप द्वारा बदला नहीं जा सकता। इससे भुगतान करने वाले को एक सटीक, सत्यापित पहचान मिलेगी, जिससे गलत लेन-देन का खतरा कम होगा।

पेमेंट की पुष्टि करने से पहले बैंक में सत्यापित नाम आएगा नजर

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज भारत की...

हमारी एकता भी है। पूरे देश में एकता मॉल बनाए जा रहे हैं।

कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस बात पर जोर देते हुए कि आंध्र प्रदेश ने सही गति के साथ सही दिशा में अपनी यात्रा तय की है, प्रधानमंत्री ने लोगों और राज्य सरकार को राज्य के विकास में केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आंध्र सही गति के साथ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं राज्य के विकास के लिए आंध्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करूंगा, पीएम मोदी ने कहा।

मोदी ने कहा कि अमरावती एक शहर नहीं बल्कि एक सपना है जो सच हो रहा है... एक नया अमरावती, एक नया आंध्र देखा जा सकता है। अमरावती में एक विकसित भारत की ऊर्जा देखी जा सकती है। आज शुरू किए गए विकास कार्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे और आंध्र प्रदेश के विकास को गति देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, अमरावती एक ऐसा शहर होगा जहां हर युवा के सपने पूरे होंगे। अमरावती एक ऐसी भूमि है जहां परंपरा और प्रगति साथ-साथ चलती है।

नए युग के विकास...

विझिंजम बंदरगाह का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ...एक तरफ विशाल समुद्र है जिसमें अनेक अवसर हैं और दूसरी तरफ प्रकृति की सुंदरता है, इन दोनों के बीच यह 'विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाला बहुउद्देशीय बंदरगाह' है, जो नए युग के विकास का प्रतीक है... विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर बात की। उन्होंने कहा, मैं पिछले महीने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर शुरुआत करना चाहता हूं। उनकी क्षति हमें राष्ट्र विरोधी और विभाजनकारी ताकतों से अपने देश की रक्षा करने के लिए एकजुट रहने की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है।विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, केरल सरकार और मेरी ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत करता हूं जो बंदरगाह का उद्घाटन करने के लिए यहां आए हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। इस बंदरगाह का चालू होना आधुनिक युग की शुरुआत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति इस अवसर को और भी खास बनाती है और हम सभी के लिए बहुत खुशी लाती है। यह हमें इस बंदरगाह के उज्ज्वल भविष्य के बारे में आशावादी भी बनाती है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, केरल के लोगों की ओर से, मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस ऐतिहासिक परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए हमारे राज्य का दौरा किया। मैं इस मिशन को उत्कृष्टता के साथ क्रियान्वित करने के लिए अडानी समूह को भी बधाई देता हूं।

हम आपके साथ...

करने दिल्ली गए थे, तो मोदी असामान्य रूप से गंभीर दिखाई दिए, उन्होंने कहा कि उस दिन उनकी आम तौर पर खुशनुमा मुलाकात में एक गंभीर स्वर था। उन्होंने कहा, पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले से बेहद दुखी होने के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी आज के कार्यक्रम में शामिल हुए, जो उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम आतंकवाद से निपटने के लिए कड़े फैसले लेने में उनका पूरा समर्थन करते हैं।उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन दिया और कहा कि प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित किया है। कल्याण ने भीड़ से कहा, पहलगाम आतंकवादी हमला पूरे देश के लिए सबसे काला दिन रहा है, कश्मीर में खून बहा है, जिससे पूरे देश में हड़कंप मच गया है। मैंने पीड़ितों का दर्द देखा है और उसका गवाह भी हूँ। उन्होंने आगे कहा, माननीय प्रधानमंत्री मोदी इस कठिन समय में देश का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने सभी नागरिकों को आश्वासन दिया है कि आतंकवाद के अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आंध्र के उपमुख्यमंत्री ने देश का बोझ उठाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की भी प्रशंसा की।

आज का कार्यक्रम कई ...

थरूर कांग्रेस के तिरुवनंतपुरम लोकसभा सांसद हैं, जो भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) का एक प्रमुख सदस्य है। मोदी की टिप्पणी, हालांकि मजाक में कही गई, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के उद्देश्य से की गई प्रतीत होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाले बहुउद्देशीय बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान कांग्रेस सांसद शशि थरूर, केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की।मोदी की यह टिप्पणी थरूर द्वारा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कई मुद्दों पर की गई प्रशंसा के तुरंत बाद आई है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत का रुख और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कूटनीतिक वार्ता को आगे बढ़ाना शामिल है। यहां तक कि राजीव चंद्रशेखर, जिन्होंने तिरुवनंतपुरम सीट पर थरूर के खिलाफ असफल चुनाव लड़ा था, ने हाल ही में थरूर को कांग्रेस में कुछ समझदार लोगों में से एक कहा था। भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष के रूप में चंद्रशेखर भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे, साथ ही राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास और केरल के कैबिनेट मंत्रियों सहित अन्य वरिष्ठ राजनीतिक नेता भी मौजूद थे।

बड़े हमले की...

यूएनएससी के नये अध्यक्ष बनने के बाद सेकेरिस ने कहा, ''हम निकट संपर्क में हैं...लेकिन यह कुछ ऐसा है जो हो सकता है, मैं कहूंगा, जल्द होगा। हम विचार करेंगे, हम तैयारी कर रहे हैं। यह मेरे (यूएनएससी) अध्यक्ष पद का पहला दिन है।'' सेकेरिस ने बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं को सुरक्षा परिषद की मई महीने के लिए यूनान की अध्यक्षता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने 15 देशों के संयुक्त राष्ट्र निकाय की यूनान की एक महीने की अध्यक्षता के तहत परिषद के कार्य एवं कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उनसे भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बारे में पूछा गया था और यह भी पूछा गया था कि क्या उन्हें परिषद में इस मुद्दे पर बैठक या परामर्श के लिए कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है।पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद से भारत के पीड़ित होने के बारे में 'पूछे गए पूछे गए एक सवाल के जवाब में सेकेरिस ने कहा, ''यह एक ऐसा मुद्दा है जो बहुत ही प्रासंगिक है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और यही हमने पहलगाम में हुए ''जघन्य आतंकवादी हमले'' पर किया है जिसमें निर्दोष लोग मारे गए।'' भारत सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। सेकेरिस ने कहा कि ''हम भारत सरकार, नेपाल और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद की सभी रूपों में निंदा करते हैं, हर जगह जहां भी ऐसी (आतंकवादी) घटनाएं हो रही हैं, हम उनकी निंदा करते हैं। दूसरी ओर, हम इस तनाव को लेकर चिंतित हैं जो इस क्षेत्र में बढ़ रहा है।

एनआईए ने 20...

ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) की पहचान की गई है और वर्तमान में उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। एनआईए सूत्रों के अनुसार, एजेंसी दो प्रमुख ओजीडब्ल्यू, निसार अहमद उर्फ हाजी और मुश्ताक हुसैन से भी पूछताछ करने की तैयारी कर रही है, जो दोनों वर्तमान में जम्मू की कोट भलवाल जेल में बंद हैं।दोनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के जाने-माने सहयोगी हैं और उन्हें पहले भाटा धुरियन और तोतागली क्षेत्रों में सेना के काफिले पर 2023 के हमलों में शामिल आतंकवादियों की सहायता करने में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियों को राजौरी-पुंछ काफिले पर हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के समूह और पहलगाम घटना के पीछे के लोगों के बीच संभावित संबंध का संदेह है। अधिकारियों का मानना है कि दोनों समूह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से संचालित होने वाले एक ही लश्कर नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जांच की इस दिशा ने एनआईए को निसार और मुश्ताक पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया है, क्योंकि उनसे पूछताछ से बड़ी साजिश को उजागर करने के लिए महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। इस बीच, सुरक्षा बलों को संदेह है कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादी क्षेत्र की प्राकृतिक गुफाओं और जंगलों में छिपे हो सकते हैं। पिछले 10 दिनों से बैसरन घाटी, तरानाउ हप्तगुंड, दावरू और आसपास के इलाकों के घने जंगलों में गहन तलाशी अभियान चल रहा है। एजेंसियां 20 अप्रैल से पहलगाम और बैसरन घाटी के 20 किलोमीटर के दायरे में सक्रिय विभिन्न नंबरों के मोबाइल टावर डंप डेटा और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) का भी विश्लेषण कर रही हैं।भारतीय सुरक्षा बलों के अनुसार, ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) वे लोग होते हैं जो उग्रवादियों या आतंकवादियों को रसद सहायता, नकदी, आश्रय और अन्य बुनियादी ढाँचे के साथ मदद करते हैं, जिसके साथ जम्मू और कश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन और जैश-ए-मुहम्मद जैसे सशस्त्र समूह और उग्रवादी आंदोलन संचालित हो सकते हैं। ओजीडब्ल्यू आतंकवादी हमलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, सामरिक तत्वों को वास्तविक समय की जानकारी और सहायता प्रदान करते हैं।ओवर ग्राउंड वर्कर ने पत्थरबाजी, भीड़-दंगा, वैचारिक समर्थन, कट्टरपंथ और आतंकवादियों की भर्ती जैसी अन्य भूमिकाओं में विविधता लाई है। 2020 में, 8 जून तक, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने जम्मू और कश्मीर में लगभग 135 ओवर ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया। जबकि इस शब्द का उपयोग और कश्मीर क्षेत्र के साथ बड़े पैमाने पर जुड़ा हुआ है, इस शब्द का आधिकारिक तौर पर भारत के अन्य हिस्सों में भी इस्तेमाल किया गया है जहाँ उग्रवाद अभी भी सक्रिय है, जैसे कि नक्सली-माओवादी उग्रवाद और मेघालय में गारो नेशनल लिबरेशन आर्मी के लिए।

जल्द शुरू...

उन्होंने कहा कि आगामी जनगणना के साथ-साथ एनआरसी भी बन जाए और भारत के दुश्मनों व उनके स्लीपर सेल को तत्काल प्रभाव से भारत से बाहर निकाल दिया जाए, यह जरूरी है। अब समय आ गया है कि जो भी भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं, उन्हें भारत में ना रहने दिया जाए।डॉ जैन ने यह भी कहा कि दुर्भाग्य से कुछ लोग ऐसे षड्यंत्र करने वालों को रोते-धोते दिखाकर उनके प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि इन राष्ट्र विरोधियों के ये षड्यंत्र कई दशकों से चल रहे हैं और लाखों महिलाएं भी इसमें संलिप्त हैं। जिहादी-सेकुलर ताकतों के अपवित्र गठजोड़ भी उनकी सहायता करते रहे हैं। अब, जबकि इनका पर्दाफाश हो गया है, ये संवेदना के नहीं, भारत से निष्कासन के पात्र हैं।

कोर्ट ने सोनिया...

इस चरण में अभियुक्तों को यह विशेष अधिकार है कि अदालत द्वारा उनके खिलाफ औपचारिक रूप से मामला उठाने का निर्णय लेने से पहले उनकी बात सुनी जाए। यह अधिकार धारा 223 के एक विशिष्ट प्रावधान से आता है, जो प्रक्रिया के इस प्रारंभिक चरण में अभियुक्तों को एक अद्वितीय (या स्व-विशिष्ट) कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

यूनिवर्सिटी को अब...

हार्वर्ड ने इन मांगों का विरोध करते हुए अपनी स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया है। यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष एलन गार्बर ने कहा, विश्वविद्यालय अपनी स्वतंत्रता या संवैधानिक अधिकारों को नहीं छोड़ेगा। इस विवाद के चलते, ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड के लिए 2.2 बिलियन डॉलर से अधिक की संघीय फंडिंग को भी फ्रीज कर दिया है।यह कदम अमेरिकी उच्च शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, क्योंकि यह पहली बार है जब किसी प्रमुख विश्वविद्यालय का टैक्स-छूट दर्जा समाप्त करने की बात की गई है. विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय अन्य विश्वविद्यालयों और गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए भी एक उदाहरण स्थापित कर सकता है।

गौरव गोगोई...

रंगिया के तरणी मिनी स्टेडियम में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मंत्री पियूष हजारिका ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला।मंत्री ने दावा किया कि आगामी चुनाव में भाजपा की जीत तय है, लेकिन हमारा लक्ष्य अधिकतम् वोटों से जीत दर्ज करना है। इस सभा में रंगिया के विधायक भवेश कलिता, रातुल शर्मा और पूरबी रॉय भी मौजूद थीं।

भारत ने पाकिस्तानी...

सूचनाओं और भारत विरोधी दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक करने का आदेश दिया है, जो भारत की संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था को कमजोर करने के उद्देश्य से भ्रामक सामग्री प्रसारित करते हैं।ये कार्रवाई हमले के बाद गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है।ब्लॉक किए गए प्रमुख यूट्यूब चैनलों में पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, पत्रकार आरजू काजमी और कमेंटेटर सैयद मुज्जमिल शाह के चैनल शामिल हैं। ओलंपियन अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट और पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के यूट्यूब अकाउंट भी सस्पेंड किए गए हैं।

30 अप्रैल को, प्रमुख पाकिस्तानी अभिनेत्रियों हनिया आमिर और माहिरा खान के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को ब्लॉक कर दिया गया।

त्रिपुष्कर योग, शिववास योग एवं रवियोग में आज मनाई जाएगी गंगा सप्तमी

जलदान से मिलता है कभी ना खत्म होने वाला पुण्य

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

वैशाख शुक्ल सप्तमी आज त्रिपुष्कर योग, शिववास योग, पुनर्वसु, पुष्य नक्षत्र एवं रवियोग के सुयोग में गंगा सप्तमी मनाई जाएगी। इस दिन गंगा के स्मरण, दर्शन एवं स्नान करने मात्र से रिद्धि-सिद्धि की प्राप्ति, यश-सम्मान में वृद्धि व सभी पापों का क्षय, अशुभ ग्रहों के कुप्रभाव में कमी व सकारात्मकता का वास होता है। इस दिन दान-पुण्य व धर्म कृत्य करने से जन्म-जन्मांतर तक इसका पुण्य मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार गंगा सप्तमी के दिन गंगा की पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वैशाख शुक्ल पक्ष की सप्तमी की उदयातिथि 3 मई को प्राप्त हो रही है। इसलिए गंगा सप्तमी 3 मई को मनाई जाएगी। इस पर्व पर गंगा स्नान, व्रत-पूजा और दान का विशेष महत्व है। जो लोग किसी कारण से इस दिन गंगा नदी में स्नान नहीं कर सकते वो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहा सकते हैं। ऐसा करने से तीर्थ स्नान का ही पुण्य मिलता है। वहीं, इस दिन पानी से भरी मटकी का दान करने से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है। 03 मई को दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही रवि योग और शिववास योग का संयोग बन रहा है। इन योग में गंगा स्नान कर मां गंगा और देवों के देव महादेव की पूजा करने से साधक को पृथ्वी लोक पर स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति होगी। इसके अलावा, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र का भी संयोग है।

गंगा सप्तमी का हिंदुओं में बहुत महत्व है। गंगा को सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता है। देवी गंगा को कई नामों से पुकारा जाता है जैसे शुभ्रा, गंगे भागीरथी और विष्णुपदी। विष्णुपदी नाम इसीलिए पड़ा क्योंकि वह पहली बार भगवान विष्णु के चरणों से निकली थीं। ऐसा माना जाता है कि गंगा के पानी में किसी भी बीमारी से व्यक्ति को ठीक करने की शक्ति होती है। जो भक्त गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाते हैं, उन्हें पिछले पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा जल नकारात्मकता से बचाता है और यह शरीर और आत्मा को शुद्ध करता है। भक्त शिवलिंग अभिषेक के लिए गंगा जल का उपयोग करते हैं। गंगा जल का उपयोग मृत लोगों की अस्थियों को विसर्जित करने में भी किया जाता है ताकि उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो सके।

गंगा सप्तमी तिथि

सप्तमी तिथि प्रारंभ - 03 मई को सुबह 07:51 मिनट

सप्तमी तिथि समाप्त - 04 मई को सुबह 07:18 मिनट पर

शुभ योग

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि यानी 03 मई को दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही रवि योग और शिववास योग का संयोग बन रहा है। इन योग में गंगा स्नान कर मां गंगा और देवों के देव महादेव की पूजा करने से साधक को पृथ्वी लोक पर स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति होगी। इसके अलावा, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र का भी संयोग है।

दोबारा प्रकट हुई गंगा

महर्षि जह्नु जब तपस्या कर रहे थे। तब गंगा नदी के पानी की आवाज से बार-बार उनका ध्यान भटक रहा था। इसलिए उन्होंने गुस्से में आकर अपने तप के बल से गंगा को पी लिया था। लेकिन बाद में अपने दाएं कान से गंगा को पृथ्वी पर छोड़ दिया था। इसलिए ये गंगा के प्राकट्य का दिन भी माना जाता है। तभी से गंगा का नाम जाह्नवी पड़ा।

श्रीमद्भागवत में गंगा

श्रीमद्भागवत महापुराण मे गंगा की महिमा बताते हुए शुकदेव जी राजा परीक्षित से कहते हैं कि जब शरीर की राख गंगाजल में मिलने से राजा सगर के पुत्रों को मोक्ष मिल गया था तो गंगाजल के कुछ बूंद पीने और उसमें नहाने पर मिलने वाले पुण्य की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा स्नान, अन्न और कपड़ों का दान, जप-तप और उपवास किया जाए तो हर तरह के पाप दूर हो जाते हैं।

घर को जरूर करें गंगाजल से शुद्ध

गंगा सप्तमी के दिन घर में गंगाजल लाना और गंगाजल से घर को शुद्ध करना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से नकारात्मक शक्तियों का अंत होता है। परिवार में सकारात्मकता कथा आती है। घर का वातावरण शुद्ध होता है। घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

गंगा स्नान खत्म होते हैं पाप

वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा नदी में स्नान करने से पापों का नाश होता है और अनंत पुण्यफल मिलता है। इस दिन गंगा स्नान करने से 10 तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। स्मृतिग्रंथ में दस प्रकार के पाप बताए गए हैं।

कायिक, वाचिक और मानसिक। इनके अनुसार किसी दूसरे की वस्तु लेना, शास्त्रों में बताई हिंसा करना, पराई स्त्री के पास जाना, ये तीन तरह के कायिक यानी शारीरिक पाप हैं। वाचिक पाप में कड़वा और झूठ बोलना, पीठ पीछे किसी की बुराई करना और फालतू बातें करना। इनके अलावा दूसरों की चीजों को अन्याय से लेने का विचार करना, किसी का बुरा करने की इच्छा मन में रखना और गलत कामों के लिए जिद करना, ये तीन तरह के मानसिक पाप होते हैं।

पूजा विधि

गंगा सप्तमी के दिन गंगा नदी में स्नान करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं कर सकते तो घर पर नहाने के पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय मां गंगा का ध्यान करें। नहाने के बाद घर के मंदिर में दीपक प्रज्वलित करें। देवी-देवताओं का गंगा जल से अभिषेक करें। भगवान पर पुष्प अर्पित करें। घर पर ही मां गंगा की आरती करें। वह भोग लगाएं।

जरूर करें यह कार्य

गंगा सप्तमी के दिन स्नान ध्यान के बाद मां गंगा की पूजा अवश्य करें। एक कटोरी में गंगा जल भर लें और उस कटोरी के समक्ष गाय के घी का दीपक जलाकर मां गंगा की पूजा करें। इसके बाद आरती के साथ पूजा संपन्न करें। गंगा सप्तमी के दिन किसी जरूरतमंद, अथवा किसी ब्राह्मण को अन्न, धन या वस्त्र का दान अवश्य करें। ऐसा करने से साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और कई जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं। भगवान शिव की जटाओं से ही मां गंगा प्रवाहित होती हैं, इसलिए गंगा सप्तमी के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक जरूर करें।

गंगा सप्तमी पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

वैदिक पंचांग के अनुसार, शनिवार 03 मई को गंगा सप्तमी है। यह पर्व हर साल वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान करने और देवी मां गंगा की पूजा करने से साधक को जन्म-जन्मांतर में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस शुभ तिथि पर भक्ति भाव से देवों के देव महादेव की भी पूजा की जाती है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि गंगा सप्तमी के दिन स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप और दान-पुण्य करने से साधक को कभी न क्षय होने वाले फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी प्रकार के कष्टों से भी मुक्ति मिलती है। अगर आप भी मां गंगा की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो गंगा सप्तमी के दिन भक्ति भाव से महादेव और देवी मां की पूजा करें। वहीं, पूजा के बाद राशि अनुसार इन चीजों का दान करें।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन पूजा के बाद लाल रंग के कपड़े का दान करें।

वृषभ राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन चावल, चीनी और सफेद वस्त्र का दान करें।

मिथुन राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन मूंग दाल और हरी सब्जियों का दान करें।

कर्क राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन पूजा के बाद पोहा, दही और चीनी का दान करें।

सिंह राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन पूजा के बाद गेहूं, मकई और गुड़ का दान करें।

कन्या राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन पूजा के बाद गौमाता को हरा चारा खिलाएं।

तुला राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन सफेद रंग के कपड़े और चावल का दान करें।

वृश्चिक राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन लाल रंग के कपड़े और मसूर दाल का दान करें।

धनु राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन चने की दाल, मकई और बेसन का दान करें।

मकर राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन खिचड़ी बनाकर लोगों के मध्य वितरित करें।

कुंभ राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन छाता, वस्त्र, चमड़े के जूते-चप्पल का दान करें।

मीन राशि के जातक गंगा सप्तमी के दिन पीले रंग के कपड़े और बेसन के लड्डू का दान करें।

सीता नवमी से वट सावित्री व्रत तक मई में पड़ेंगे ये त्यौहार

मई 6 ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

मई 2025 का महीना धार्मिक दृष्टि से बेहद खास रहेगा। इस महीने वट सावित्री व्रत से लेकर बुद्ध पूर्णिमा और शनि जयंती तक कई बड़े व्रत-त्योहार मनाए जाएंगे। साल 2025 में मई का महीना खास रहने वाला है। हिंदू धर्म में इस माह कई बड़े व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मई 2025 का महीना खगोलीय दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण और दिलचस्प रहने वाला है। इस महीने में कुल 6 ग्रह अपनी राशियों में परिवर्तन करने जा रहे हैं, जो ज्योतिष शास्त्र में एक बड़ी घटना मानी जाती है। मई माह में 6 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। बुध सूर्य शुक्र गुरु राहु केतु राशि परिवर्तन करेंगे लेकिन बुध दो बार राशि परिवर्तन करेगा। जब ग्रह अपनी राशियों में प्रवेश करते हैं, तो उनका असर हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि करियर, पारिवारिक जीवन, स्वास्थ्य, और वित्तीय मामलों पर पड़ता है।

मई की शुरुआत वैशाख शुक्ल चतुर्थी से हो रही है और इसका समापन ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी पर होगा। इस बार माह की शुरुआत भी विनायक चतुर्थी के व्रत से हो रही है और समाप्ति भी इसी व्रत के साथ होगी। इस महीने वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, भानु सप्तमी, गंगा सप्तमी, सीता नवमी, मोहिनी एकादशी, परशुराम द्वादशी, नृसिंह जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, अपरा एकादशी, हनुमान जयंती और ज्येष्ठ अमावस्या जैसे कई महत्वपूर्ण व्रत-त्योहार पड़ रहे हैं। हर व्रत और पर्व का अपना अलग महत्व है।

3 मई को गंगा सप्तमी

मां गंगा को समर्पित गंगा सप्तमी का त्योहार 3 मई 2025 को मनाया जाएगा। वैशाख शुक्ल सप्तमी तिथि 3 मई सुबह 7.51 बजे शुरू होगी और 4 मई सुबह 7.18 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि की वजह से यह 3 मई को मनाई जाएगी। मान्यता है कि गंगा सप्तमी के दिन मा गंगा का पुनर्जन्म हुआ था।

5 मई को सीता नवमी

सीता नवमी को सीता जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन माता सीता का प्राक्ट्य हुआ था। वैशाख शुक्ल नवमी के दिन सीता जयंती मनाई जाती है। इस बार सीता नवमी 5 मई को मनाई जाएगी। इस दिन विवाहित स्त्रियां पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं।

8 मई को मोहिनी एकादशी

मोहिनी एकादशी व्रत वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस साल वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि 7 मई को सुबह 10.19 बजे शुरू होगी और 8 मई को दोपहर 12.29 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के चलते 8 मई को मोहिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। समुद्र मंथन के दौरान देवताओं को अमृत दिलाने में मदद के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया था, मोहिनी एकादशी व्रत का संबंध इससे ही है।

11 मई को नृसिंह जयंती

नृसिंह जयंती वैशाख शुक्ल चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल वैशाख शुक्ल चतुर्दशी तिथि 11 मई को लगेगी। नृसिंह जयंती पर शाम 4.21 बजे से शाम 7.03 बजे तक पूजन का समय है। नृसिंह जयंती के पारण का समय 12 मई को सुबह 5.32 बजे से सूर्योदय से पहले तक है। नृसिंह भगवान विष्णु के चौथे अवतार थे और उन्होंने हिरण्यकश्यपु का वध किया था।

12 मई को वैशाख पूर्णिमा व्रत या बुद्ध पूर्णिमा

वैशाख पूर्णिमा का व्रत 12 मई को रखा जाएगा। इसे बुद्ध पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। वैशाख शुक्ल पूर्णिमा 11 मई को रात 8.01 बजे लगेगी और 12 मई को रात 10.25 बजे समाप्त होगी। वैशाख पूर्णिमा नृसिंह जयंती के बाद आती है। वैशाख पूर्णिमा पर चांद निकलने का समय शाम 6.57 बजे है। इस दिन कूर्म जयंती भी मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु के द्वितीय अवतार कूर्म का प्राक्ट्य हुआ था।

13 मई को नारद जयंती

ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को नारद जयंती मनाई जाती है। 13 मई को नारद जयंती मनाई जाएगी। पुराणों में देवर्षि नारद को भगवान विष्णु का परम भक्त बताया गया है और वह देवताओं को सभी प्रकार की जानकारियां उपलब्ध कराते थे।

16 मई को एकदंत संकष्टी चतुर्थी

एकदंत संकष्टी चतुर्थी वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाई जाएगी। संकष्टी चतुर्थी तिथि 16 मई को सुबह 4.02 बजे शुरू होगी और 17 मई को सुबह 5.13 बजे समाप्त होगी। ऐसे में संकष्टी चतुर्थी व्रत 16 मई को रखा जाएगा।

23 मई को अपरा एकादशी

अपरा एकादशी का व्रत ज्येष्ठ कृष्ण एकादशी को रखा जाता है। अपरा एकादशी व्रत 23 मई को रखा जाएगा और पारण द्वादशी तिथि यानी 24 मई को सुबह 5.26 बजे से सुबह 8.11 बजे के बीच होगा।

24 मई को शनि प्रदोष व्रत

ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी को शनि प्रदोष व्रत रखा जाएगा। भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित प्रदोष व्रत का पूजा मुहूर्त 24 मई को शाम 7.20 बजे से रात 9.13 बजे तक है। शनिवार को पड़ने वाले प्रदोष को शनि प्रदोष के नाम से जाना जाता है।

26 मई को शनि जयंती

शनि जयंती 26 मई को मनाई जाएगी। साथ ही ज्येष्ठ अमावस्या जिसे वट सावित्री अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है, उसकी तिथि 26 मई को दोपहर 12.11 बजे शुरू होगी और 27 मई को सुबह 8.31 बजे समाप्त होगी। ज्येष्ठ अमावस्या 26 मई को मान्य होगी, इस दिन पितरों की आत्मा की शांति से जुड़े उपाय किए जाते हैं। वहीं 27 मई को स्नान-दान के लिए अहम भौमवती अमावस्या मनाई जाएगी।

ग्रहों का गोचर

7 मई 2025 को मेष राशि में बुध का गोचर
14 मई 2025 को मिथुन राशि में गुरु का गोचर
15 मई 2025 को वृषभ राशि में सूर्य का गोचर
18 मई 2025 को कुंभ राशि में राहु का गोचर
18 मई 2025 को सिंह राशि में केतु का गोचर
23 मई 2025 को वृषभ राशि में बुध का गोचर
31 मई 2025 को मेष राशि में शुक्र का गोचर

व्रत-त्यौहार

तिथि	व्रत-त्योहार
3 मई 2025	गंगा सप्तमी
4 मई 2025	भानु सप्तमी
5 मई 2025	सीता नवमी, बगलामुखी जयंती, मासिक दुर्गाष्टमी
7 मई 2025	रवींद्रनाथ टैगोर जयंती
8 मई 2025	मोहिनी एकादशी व्रत, परशुराम द्वादशी
9 मई 2025	प्रदोष व्रत
11 मई 2025	नृसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती
12 मई 2025	वैशाख पूर्णिमा, बुद्ध जयंती, कूर्म जयंती
13 मई 2025	ज्येष्ठ माह आरंभ, नारद जयंती
15 मई 2025	वृषभ संक्रांति
16 मई 2025	गणेश चतुर्थी व्रत, एकदंत संकष्टी चतुर्थी
20 मई 2025	कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
23 मई 2025	अपरा एकादशी व्रत
24 मई 2025	प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी
25 मई 2025	शिव चतुर्दशी व्रत, मासिक शिवरात्रि
26 मई 2025	वट सावित्री व्रत, दर्श अमावस्या
27 मई 2025	स्नान-दान अमावस, शनि जयंती, ज्येष्ठ अमावस्या
29 मई 2025	रंभा तीज व्रत
30 मई 2025	विनायक चतुर्थी व्रत

फिल्म शोले के सांभा की बड़ी बेटी मंजरी आज फिल्मी दुनिया में हैं बड़ी स्टार

जब कोई फिल्म बनती है तो पूरी फिल्म हीरो-हीरोइन और खलनायक के इर्द-गिर्द घूमती है, लेकिन स्क्रीन पर कुछ कैरेक्टर आर्टिस्ट ऐसे होते हैं जो चंद मिनटों के सीन्स से दर्शकों का ध्यान खींच लेते हैं। एक ऐसे ही अभिनेता मैक मोहन भी थे।

आजादी से पहले कराची में जन्मे मोहन माकिजानी उर्फ मैक मोहन जब बॉम्बे आए थे, तब उनका ख्वाब क्रिकेटर बनने का था, लेकिन किस्मत उन्हें अभिनय की ओर खींच लाई। पहले उन्होंने थिएटर ज्वॉइन किया और फिर बॉलीवुड में एंट्री की। उन्होंने करीब 200 फिल्मों में काम किया और पहचान हासिल की।

मैक मोहन ने 60 के दशक में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम करना शुरू किया और फिर अभिनय में हाथ आजमाया। उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी शोले मूवी में सांभा की भूमिका के लिए मिली। वह डॉन, कर्ज, सत्ते पे सत्ता, जंजीर, रफू चक्कर, शान, खून पसीना और शोले जैसी फिल्मों में काम किया।

साल 2010 में लंग कैंसर से मैक मोहन का निधन हो गया था। वह अजय देवगन की अतिथि तुम कब जाओगे? मूवी में आखिरी बार कैमियो रोल में नजर आए थे। आज भले ही मैक मोहन इस दुनिया में न हों, लेकिन उनकी बेटियां अपने पिता का नाम रोशन कर रही हैं।

मैक मोहन ने साल 1986 में मिनी से शादी की थी जिसे उन्हें तीन बच्चे हैं। दो बेटियां मंजरी-विनती और एक बेटा विक्रांत है। मैक मोहन की दोनों बेटियां फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। विनती और मंजरी दोनों ही फिल्मों में एक्टिव हैं। मंजरी ने तो एमी में भी अपनी जगह बनाई है। पेशे से राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर मंजरी ने कई अमेरिकन और हिंदी फिल्में बनाई हैं। मंजरी को सफलता फिल्म स्केटर गर्ल और स्पिन से मिली है। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्में द लास्ट मार्बल, द कॉर्नर टेबल और आई सी यू भी बनाई है। वह वेकअप सिड और सात खून माफ में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। स्पिन मूवी के लिए वह एमी अवॉर्ड्स में नॉमिनेट हो चुकी हैं। बात करें विनती की तो उन्होंने बतौर प्रोड्यूसर और एक्ट्रेस शाह रुख खान की माय नेम इज खान, द कॉर्नर टेबल और स्केटर गर्ल में काम किया है। वह अपने पिता के नाम का प्रोडक्शन हाउस मैक प्रोडक्शंस चलाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 31.4 हजार फॉलोअर्स हैं।

तीन साल की उम्र में कराटे सीख रहीं प्रियंका चोपड़ा की बेटी

डैडी निक जोनस ने मालती के बारे में बताईं ये खास चीजें

ग्लैमर वर्ल्ड के फेमस कपल प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस अपनी-अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को मैनेज करना भी जानते हैं। दोनों चाहे जितना बिजी हों, लेकिन अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस को टाइम देना नहीं भूलते हैं।

मालती मैरी चोपड़ा जोनस सिर्फ तीन साल की हैं और इसके बावजूद आज वह फेमस स्टार किड्स में से एक हैं। प्रियंका और निक कभी-कभी सोशल मीडिया पर अपनी लाडली से जुड़ी कुछ ऐसी झलकियां शेयर कर देते हैं जिसे देखकर फैंस उन पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में, निक ने अपनी बेटी से जुड़े कुछ ऐसे अपडेट्स दिए हैं जो जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

कराटे क्लास में जाती हैं मालती

क्या आपको यकीन होगा कि प्रियंका और निक जोनस की 3 साल की बेटी मालती कराटे में एक्सपर्ट हैं और उन्हें पहला बेल्ट भी मिल गया है। जी हां, खुद निक ने एक हालिया पॉडकास्ट में रिवील किया है। निक ने रियसएक्सएम के एंडी कोहेन लाइव पॉडकास्ट पर निक ने बेटी के बारे में कहा, वह 3 साल की है। वह नर्सरी स्कूल में है, वह कराटे क्लास लेती है, उसे अपनी पहली बेल्ट मिली है। जब होस्ट ने कहा कि उसकी लड़की भी 3 साल की हो गई है, लेकिन वह कराटे नहीं सीखती तो निक ने उन्हें कहा कि अभी ज्यादा देर नहीं हुई है।

इसी इंटरव्यू में निक जोनस ने अपनी पत्नी की भी तारीफ की और उन्हें अच्छा सिंगर बताया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रियंका अभी भारत में शूटिंग कर रही हैं।

मालती मैरी फिल्मों में करेंगी एंट्री?

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड और हॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं और दुनियाभर में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है, दूसरी ओर निक एक फेमस सिंगर हैं। ऐसे में उनकी बेटी भी मनोरंजन जगत में कदम रखेंगी या नहीं, इस बारे में निक ने कुछ समय पहले खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि मालती जो भी बनना चाहेगी, वे उसे वह करने देंगे। वह अपनी बेटी को प्रोटेक्ट करेंगे,

वेव्स समिट में पैनल का हिस्सा बनीं करीना कपूर खान, बोलीं- मेरे लिए यह गर्व की बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने वेव्स समिट में पैनल चर्चा का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि यह मौका सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि बड़ी हस्तियों के साथ मंच साझा करना एक प्रेरणादायक अनुभव भी था। बॉलीवुड की बेबो करीना ने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया। इस फोटो में वह प्रिंटेड ब्लू कलर की शिफॉन साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने यह लुक मुंबई में हो रहे वेव्स समिट 2025 के लिए लिया। उन्होंने कैप्शन में समिट को लेकर खास बातें लिखीं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा- वेव्स समिट में पैनल डिस्कशन का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। अब भारत सिर्फ ग्लोबल एंटरटेनमेंट की बातचीत का हिस्सा नहीं है, बल्कि उसे आगे बढ़ा रहा है। भारत तेजी से ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक सुपरपावर बन रहा है और यह सिर्फ शुरुआत है उस रचनात्मक युग की, जो भविष्य को आकार देगा।बता दें कि गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में पहले विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन किया था और भारतीय सिनेमा की 5 दिग्गज हस्तियों गुरु दत्त, पी. भानुमति, राज खोसला, ऋत्विक घटक और सलिल चौधरी पर स्मारक डाक टिकट भी लॉन्च किए थे। इसमें इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे शामिल हुए, जिनमें शाहरुख खान, आमिर खान, रजनीकांत, अक्षय कुमार, हेमा मालिनी, राशि खन्ना, मानुषी छिल्लर, वाणी कपूर, ऐश्वर्या राय बच्चन, एसएस राजामौली, चिरंजीवी, अनिल कपूर, आलिया भट्ट, ए आर रहमान, फिल्म निर्माता जोया अख्तर और

मैंने कभी भी फ़ैड डाइट या चरमपंथ में विश्वास नहीं किया: कृष्णा श्रॉफ

कृष्णा श्रॉफ ने कहा: फिटनेस का मतलब संतुलन है, ना कि अतिशयता! जब तक आप एक सीमित दायरे में हैं... आप स्वस्थ रहेंगे। एक ऐसी दुनिया में जहाँ लोग क्विक फिक्स परिणामों और ड्रामेटिक बदलावों के पीछे भागते हैं, कृष्णा श्रॉफ स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति एक संतुलित और टिकाऊ नजरिया अपनाने की वकालत करती हैं। उनका मानना है कि फिटनेस का मतलब अवास्तविक लक्ष्यों के पीछे भागना नहीं है, बल्कि मानसिक और शारीरिक संतुलन पाना है। कृष्णा कहती हैं, मैंने कभी फैड डाइट्स या किसी भी तरह की अतिशयता में विश्वास नहीं किया। जब तक आप अपने पोषण, ट्रेनिंग और जीवनशैली में एक निश्चित सीमा के भीतर रहते हैं, तब तक आप एक स्वस्थ ज़ोन में रहते हैं। इस दृष्टिकोण ने न केवल उनकी अपनी सेहत की यात्रा को आकार दिया है, बल्कि उनके फिटनेस ब्रांड के माध्यम से उनके द्वारा बढ़ावा दिए जाने वाले माहौल को भी आकार दिया है।

कृष्णा ऐसी जीवनशैली की बात करती हैं जिसमें गहनता से ज़्यादा निरंतरता को प्राथमिकता दी जाती है, और शारीरिक लक्ष्यों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी जाती है। उनका संदेश यह स्पष्ट करता है कि स्वास्थ्य का मतलब खुद को भूखा रखना या थका देना नहीं है, बल्कि ऐसे आदतों को अपनाना है जो वास्तविक और दीर्घकालिक हों। इस सोच को और भी असरदार बनाती है उनकी यह आंतरिक समझ कि व्यक्ति अंदर से जैसा महसूस करता है, वही असली मायने रखता है।

मैं सच में मानती हूँ कि आप जितना अच्छा महसूस करते हैं, उतने अच्छे आप कभी दिख नहीं सकते। और जितने अच्छे आप दिखते हैं, उतना अच्छा आप हमेशा महसूस नहीं करते, वह आगे कहती हैं। फ़िल्टर्ड परफ़ेक्शन और बाहरी मान्यता से भरी इस युग में, कृष्णा का संदेश एक ऐसी वास्तविकता के साथ सामने आता

फिल्म द भूतनी की रिलीज के बाद बप्पा के दरबार पहुंची पलक तिवारी

अभिनेत्री पलक तिवारी की हॉरर-कॉमेडी 'द भूतनी' गुरुवार को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 60 लाख से ज्यादा की कमाई की। मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची पलक ने बप्पा के दर्शन किए।इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर पलक ने कैप्शन में ओम लिखा। पहली तस्वीर में वह नारंगी रंग के सूट सलवार के साथ माथे पर दुपट्टा ओढ़े नजर आईं। टीका लगाए वह मंदिर में हाथ जोड़े भक्ति में लीन दिखाई दीं। तस्वीरों के साथ पलक ने साल 2012 में आई प्रियंका चोपड़ा जोनास और ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म 'अग्निपथ' के गाने देवा श्री गणेशा को भी जोड़ा।

'द भूतनी' में उनके साथ अभिनेता संजय दत्त, सनी सिंह और मौनी रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में मौनी ने एक चुड़ैल का किरदार निभाया है। 'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म जी स्टूडियो के साथ 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

हाल ही में पलक तिवारी ने 'द भूतनी' के सेट से जुड़ा एक खूबसूरत किस्सा सुनाया था। पलक ने बताया कि उन्होंने और निर्देशक सिद्धांत सचदेव ने फिल्म 'द भूतनी' की शूटिंग के दौरान एक कुत्ते को गोद लिया था। पलक तिवारी ने बताया कि फिल्म के सेट पर शरारतें, हंसी-मजाक और नॉनस्टॉप मस्ती का माहौल रहता था। सिद्धांत सर और मैंने शूटिंग के दौरान एक कुत्ते के बच्चे को गोद लिया और हमारा उस प्यारे, सुंदर पिल्ले से लगाव हो गया। वह जल्दी ही सेट पर सभी का दुलारा बन गया। वह शॉट्स के बीच घूमता रहता, सीन के बीच में आकर उसे बाधित करता और कलाकारों और क्रू के के साथ खूब मस्ती करता था। हालांकि, शेड्यूल के अंत में उसकी मौत हो गई। उसकी मौत से पूरी टीम दुखी हो गई थी।

पलक तिवारी की पहली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' थी, एक्शन कॉमेडी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। यह फिल्म 2014 की तमिल फिल्म वीरम की रीमेक है, जिसमें पूजा हेगड़े, वेंकटेश, शहनाज गिल, जगपति बाबू, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, मालविका शर्मा और राघव जुयाल भी हैं। अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक को हार्डी संधू के हिट म्यूजिक वीडियो बिजली बिजली से पहचान मिली।

प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में कपड़े उतारती है तो अश्लीलता नहीं?

हाउस अरेस्ट विवाद पर गहना वशिष्ठ के तीखे बोल

हाउस अरेस्ट का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद एजाज़ खान के इस शो को उल्लू ऐप से हटा दिया गया है। इस पर शो की कंटेस्टेंट रहीं गहना वशिष्ठ ने रिएक्ट किया है। लेकिन शो को डिफेंड करने के चक्कर में उन्होंने प्रियंका चोपड़ा को घसीट लिया। गहना वशिष्ठ ने कहा कि जब प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड जाकर कपड़े उतारती है, तब अश्लीलता नहीं फैलती?

मालूम हो कि हाल ही उल्लू ऐप के रियलिटी शो हाउस अरेस्ट का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें शो के होस्ट एजाज़ खान कंटेस्टेंट्स से कामसूत्र की पोजिशन करवाते दिखे और उनसे कहा कि वो ये पोजिशन सबको सिखाएं। इसमें गहना वशिष्ठ भी थीं। गहना ने भी एक को-कंटेस्टेंट के साथ कामसूत्र की पोजिशन करके दिखाई थी। इस वीडियो को देख लोग बुरी तरह भड़क गए और शो को बैन करने की मांग की। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी उल्लू ऐप के सीईओ विभु अग्रवाल और एजाज़ खान को समन भेजा था और 9 मई को पेश होने के लिए कहा है। वहीं, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भी इस शो की आलोचना की और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। इस सबके बीच अब गहना वशिष्ठ के बयान ने तहलका मचा दिया है।

गहना वशिष्ठ ने किया एजाज़ खान का सपोर्ट, प्रियंका चोपड़ा को घसीटा

गहना वशिष्ठ ने का द पर एक वीडियो आया है, जिसमें वह कह रही हैं, अभी जो करंट टॉपिक चल रहा है, ट्विटर पर ट्रेंड हो रहा है...और मुझे न जाने कितने सारे लोगों के कॉल आ रहे हैं, और वो कह रहे हैं कि हाउस अरेस्ट अश्लीलता फैला रहा है। हाउस अरेस्ट को बैन होना चाहिए। मुझे एक बात बताइए...इतने सारी अडल्ट वेब साइट्स हैं...आप लोग दिन रात अडल्ट चीजें देखते हैं, तब वो अश्लीलता नहीं फैलाते? उनके खिलाफ कोई एक्शन क्यों नहीं लिया जा रहा है?

जब प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में जाके कपड़े उतारती हैं या राधिका आप्टे...

गहना ने आगे कहा, जब प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में जाके कपड़े उतारती हैं या फिर राधिका आप्टे 'सेक्रेड गेम्स' में टॉपलेस सीन देती हैं...जब मंदाकिनी जी ने बहुत साल पहले ऐसे सीन्स किए थे, तब आप लोगों को नहीं लगता कि समाज में अश्लीलता फैलाई जा रही है? अगर नेटफ्लिक्स दिखा रहा है, तो सही है। अगर हॉलीवुड हमारे इंडिया की लड़की के बिना कपड़ों वाले सीन दिखा रहा है, तो वो सही है। लेकिन अगर हम छोटे शहरों से आकर खुद से कोशिश कर रहे हैं, तो हम अश्लीलता फैला रहे हैं। वाह, क्या पाखंड है।'

सब अपनी मर्जी से शो कर रहे हैं, किसी ने फोर्स नहीं किया

गहना वशिष्ठ ने यह भी कहा कि उन्हें हाउस अरेस्ट में हिस्सा लेने और कपड़े उतारने के लिए किसी तरह का दबाव नहीं डाला गया। वह अपनी मर्जी से इस शो का हिस्सा बनीं और एकदम सहज हैं। वह बोलीं, अगर मैं कंफर्टेबल हूं। सारे कंटेस्टेंट्स कंफर्टेबल हैं। सारे 18 साल से ऊपर हैं और सब अपनी मर्जी से शो कर रहे हैं, तो इसमें एजाज़ खान और उल्लू ऐप कहां से आ गए? उन्होंने तो एक प्लेटफॉर्म दिया है, शो में तो सारी एक्टिविटीज हम लोग कर रहे हैं। हमें कोई फोर्स तो नहीं कर रहा।'

हम योग की पोजिशन दिखा रहे थे

गहना ने यह कहकर डिफेंड करने की कोशिश की कि वो योग की अंतरंगी पोजिशन कर रहे थे और लोग इसे सिर्फ एक रियलिटी शो की तरह देखें। वह बोलीं, 'हम लोग योग की पोजिशन कर रहे हैं। आप खजुराहो चले जाएं और ना जाने कितनी जगहों पर..जहां पर योग की अतरंगी पोजिशन हैं। ये सिर्फ एक शो है, एक रियलिटी शो। इसे रियलिटी शो की तरह लो ना? आप इसे ज्ञानवर्धक चैनल की तरह समझने की कोशिश क्यों कर रहे हैं?'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। समारोह आयोजित कर इस ख़ुशी को सबके साथ बाटें। आज अपने प्रिय को माफ़ करना न भूलें। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के सदस्यों की मदद करने के लिए अपने खाली समय का सद–पयोग करें। ज़रा संभल कर, क्योंकि आपका प्रिय रूमानी तौर पर आपको मक्खन लगा सकता है – मैं तुम्हारे बग़ैर इस दुनिया में नहीं रह सकता/सकती। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। कुछ ही लोग ऐसे इंसान के आकर्षण से बच सकते हैं, जिसके पास इतनी प्यारी मुस्कान हो। जब आप लोगों के साथ होंगे, तो आपकी महक फूलों की तरह चारों ओर फैलेगी। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जीवन में पैसे की अहमियत को नहीं समझते लेकिन आज आपको पैसे की अहमियत समझ में आ सकती है क्योंकि आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल–कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अगर आप अपने प्रेमी के साथ कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो कपड़े सोच–समझकर पहनें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। अगर आप अपना नज़रिया आस–पास के ऐसे लोगों को बताएँ जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हों, तो आपको लाभ होगा। साथ ही आपको काम के प्रति अपने समर्पण और निष्ठा के लिए शाबाशी भी मिलने की संभावना है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। तनख़्वाह में बढ़ोतरी आपको उत्साह से भर सकती है। यह वक़्त अपनी सभी निराशाओं और परेशानियों को मिटाने का है। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। ख़याली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। साझीदारी और व्यापार में हिस्सेदारी वग़ैरह से दूर रहें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर वालों के साथ मिलकर कुछ अलग और रोमांचक किया जाना चाहिए। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। छात्रों के लिए बहुत अच्छा दिन है। वे परीक्षा में बढ़िया प्रदर्शन करेंगे। हालाँकि इस सफलता को सिर पर न चढ़ने दें और इससे प्रेरणा लेकर ज़्यादा कड़ी मेहनत के लिए कमर कसें। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आज के दिन आप किसी कुदरती ख़ूबसूरती से ख़ुद को सराबोर महसूस करेंगे। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 मई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख, शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रातः 07:55 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु दोपहर 12:35 तक
योग : शूल रात्रि 01:40 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:55 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 06:38 तक
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गंगोपत्ति , श्री नृसिंह नवरात्रि आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना अधिकारी का लक्ष्य होना चाहिए : बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ़, 02 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देश के सरचनात्मक ढांचे को मजबूती प्रदान करने व गरीब, दलितों व वंचितों के लिए सरकार की योजना को पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति व हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी इस राष्ट्र के प्रति भूमिका को समावेशी प्रतिबद्धता, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प की भावना से निभाएं।

राज्यपाल ने यह बात शुक्रवार को राजभवन में 2024-26 बैच के पांच प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से औपचारिक मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने सभी अधिकारियों से बातचीत करते हुए उनके प्रशिक्षण, लक्ष्य व अनुभवों के बारे में भी विस्तार से जानकारी हासिल की। उन्होंने सभी पांच अधिकारियों अदिति सिंघानिया, राहुल कंवारिया, रूहानी, सुमन यादव और योगेश ढिल्लहोर को भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके परिवार के बारे में भी उनसे जानकारी प्राप्त की।

दत्तात्रेय ने सभी अधिकारियों से फील्ड में घूम कर गांवो की ग्राउंड रिपोर्ट लेने और वहां के लोगों की समस्याओं को समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं, जैसे- राशन कार्ड, पेंशन स्कीम और जरूरतमंदों को मकान आदि अन्य योजनाओं का लाभ लोगों को समय पर व बिना किसी तकलीफ के मिले ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राजनेता व्यवस्था में पांच साल के लिए आता है, लेकिन आप लोग 30 से 32 वर्षों तक व्यवस्था में रहकर जनता की सेवा करेंगे। इसलिए जनता की जरूरतों को गहनता एवं सरलता से समझ कर जन कल्याणकारी नीतियां बनाए एवं उनके क्रियान्वयन के लिए कार्य करे और यह सुनिश्चित करे कि किस प्रकार इन नीतियों का लाभ गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और हर जरूरतमंद तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आप सबको राष्ट्र सेवा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण पद मिला है। इसलिए आप अपनी अंतर आत्मा से पूरी सच्चाई, ईमानदारी, कर्त्तव्य, निष्ठा, निष्पक्षता और पारदर्शिता से अपना दायित्व निभाएं और पद की गरिमा के अनुरूप अपने शालीनता पूर्ण व्यवहार और उत्कृष्ट कार्यशैली से न केवल सरकार एवं प्रशासन में अपनी एक अलग पहचान बनाए बल्कि समाज के लोगों के दिलों में भी अपनी विशेष जगह बनाए।इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, एडीसी मनप्रीत सिंह, सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

सरकार का उद्देश्य हरियाणा का हर निर्माण कार्य, सेवा और नीति अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरे : सैनी

चंडीगढ़, 02 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में मजबूत, टिकाऊ और सतत बुनियादी ढांचा को सुनिश्चित करने के लिए क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी द्वारा तैयार मानक संचालन विधियां एवं प्रक्रियाओं (एसओएमपी) का विमोचन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक विज़न है। एक ऐसी नींव, जिस पर हम गुणवत्तापूर्ण और दीर्घकालिक अवसंरचना, सेवाएं और सुशासन का भव्य भवन निर्मित करेंगे। यह आयोजन हरियाणा की विकास यात्रा में गुणवत्ता को केंद्र में रखने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ये एसओएमपी हरियाणा की विकास यात्रा में गुणवत्ता को केंद्र में रखने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

जिला पंचकूला में आज आयोजित क्वालिटी एश्योरेंस कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी की स्थापना के दो वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण ने अल्प समय में जो अनुकरणीय कार्य किए हैं, उसके लिए प्राधिकरण सराहना का पात्र है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी की वेबसाइट को भी लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 'गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण' भारत का पहला राज्य स्तरीय संस्थान है, जो अवसंरचना गुणवत्ता पर पूर्ण रूप से ध्यान केंद्रित करता है। इसके मॉडल को अन्य राज्य और केंद्रीय संस्थाएं भी अध्ययन कर रही हैं, ये हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह मॉडल जल्द ही पूरे देश में गुणवत्ता आश्वासन के लिए एक 'राष्ट्रीय नेटवर्क के रूप में विकसित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्ता ही व्यक्ति की पहचान है। गुणवत्ता का अर्थ है चीजों को सही तरीके से करना और तब करना, जब हमें कोई देख न रहा हो। अगर हम अपने जीवन में सुधार लाना चाहते हैं तो क्वालिटी में सुधार लाना होगा।उन्होंने कहा कि अधूरा या खराब निर्माण, निर्माण न होने से भी ज्यादा हानिकारक होता है। इसी सोच को आत्मसात करते हुए सरकार ने गुणवत्ता को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। आज विमोचन किए गए एसओएमपी दस्तावेज, सरकारी विभागों, अभियंताओं, ठेकेदारों और नीति निर्माताओं के लिए गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में मानदंड तय करेगा।उन्होंने कहा कि एसओपी सिर्फ प्रशासनिक उपकरण नहीं हैं, ये सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता के उपकरण हैं। उदाहरण के लिए, वाणिज्यिक विमानन ने एसओपी के माध्यम से दुर्घटनाओं को कम किया है।

कृषि विभाग की योजनाओं के बजट का पूरा सदुपयोग करें : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़,02 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि विभाग की सभी योजनाओं के लिए निर्धारित किये गए बजट का पूरा सदुपयोग करें ताकि किसानों को उनका लाभ मिल सके। उन्होंने सेमग्रस्त जमीन का ताज़ा सर्वे करके उस क्षेत्र में मछली पालन की संभावनाएं तलाशने के भी निर्देश दिए।

कृषि मंत्री चंडीगढ़ में कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्याम सिंह राणा ने मृदा संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य तथा आगामी फसल की बुआई के सीजन को देखते हुए खाद की उपलब्धता की तैयारियां की भी समीक्षा की और अधिकारियों को इस दिशा में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से फसलों के बीज के लिए दिए जा रहे अनुदान के बारे में विस्तार से बात की और निर्देश दिए कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता का बीज उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे कहा कि कृषि विभाग के तहत किसानों के हित के लिए जितनी योजनाएं चलाई गई हैं उन सभी का लाभ किसानों को मिलना चाहिए , बजट की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

कृषि मंत्री ने प्रदेश में सेमग्रस्त भूमि के बारे में जानकारी लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ष एक लाख हैक्टेयर भूमि को सेम-मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है , कोशिश करें कि लक्ष्य से अधिक कार्य हो।

दिया कुमारी ने किया बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान का शुभारंभ

जयपुर, 02 मई (एजेंसियां)। राज्य में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों के तहत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 'बाल विवाह मुक्त राजस्थान' अभियान की शुरुआत की है।

उपमुख्यमंत्री द्वारा अभियान का नया लोगो और थीम सॉन्ग भी जारी किया गया है। यह लोगो और सॉन्ग लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस लॉन्च के साथ, राजस्थान सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि हर बच्चे को सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान देना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभियान के तहत सतर्क निगरानी, सामुदायिक भागीदारी और सरकार की त्वरित कार्रवाई को बढ़ावा दिया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने बताया कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और बाल अधिकार विभाग की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं बाल विवाह की आशंका हो तो तुरंत चाइल्डलाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर जानकारी दें। उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और बाल अधिकार विभाग के सहयोग से एक राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें बाल कल्याण समितियों, बाल संरक्षण इकाइयों, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों और सामाजिक संगठनों सहित 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

अजमेर होटल अग्निकांड मामले में, परिजन बोले

नहीं थे बचाव के इंतजाम, दोषियों को सजा मिले

अजमेर, 02 मई (एजेंसियां)। शहर के होटल नाज में गुरुवार सुबह लगी आग में महिला, बच्चे सहित चार लोगों की मौत के मामले में शुक्रवार को शवों का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। शव लेने पहुंचे गुजरात और दिल्ली के परिजनों ने होटल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए और कहा कि आग से बचाव के कोई इंतजाम नहीं थे। हादसे की वजह से उनके अपने ज़िंदगी गंवा बैठे। परिजनों ने मांग की कि होटल मालिक और प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

गुजरात के अमरेली जिले के लाठी गांव निवासी अलफेज नुरानी, उनकी पत्नी शबनम नुरानी, डेढ़ साल का बेटा अरमान और दिल्ली के मोती नगर निवासी मोहम्मद जाहिद की इस आग में मौत हो गई थी। जाहिद की पत्नी रेहाना और बेटा इब्राहिम, भावनगर के धवल और उनकी पत्नी अल्पा के साथ फायरकर्मी कृष्णा मीणा झुलस गए थे, जिनका इलाज चल रहा है।घटना की जांच के लिए एफएसएल टीम लगातार जांच में जुटी है। दूसरी ओर, जाहिद की पत्नी रेहाना ने क्लॉक टावर थाने में होटल मालिक और प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

आरजीएचएस योजना में फर्जीवाड़ा पर राजस्थान सरकार हुई सख्त

नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई तय

जयपुर, 02 मई (एजेंसियां)। आरजीएचएस योजना में गलत तरीके से भुगतान उठाने वाले निजी अस्पताल और दवा दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस योजना में प्राप्त होने वाले दावों के क्यूसीपीए सेल द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक के माध्यम से विश्लेषण करने पर गडबड़ी पकडी गई है। इस प्रक्रिया को समझाने के लिए इस योजना में पंजीकृत निजी अस्पताल और फार्मेसी स्टोर्स के साथ वित्त विभाग और राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अधिकारियों ने व्यापक चर्चा की। अनुमोदित चिकित्सालय तथा निजी फार्मेसी संचालकों को ऑनलाईन वेबिनार में प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न उदाहरण दिये गए तथा उनसे अपेक्षा की गई है कि वे योजना के तहत गलत दावे प्रस्तुत करने से बचें। उन्हें बताया गया कि नियम विरूद्ध राजकीय राशि का दुरूपयोग का प्रयास अनुचित है तथा ऐसा करना पाए जाने पर योजना से निलम्बन और भारी जुर्माने के साथ ही रजिस्ट्रेशन निलम्बन व निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में दोषी पाये गये अस्पतालों तथा फार्मेसी का निलम्बन कर 10 करोड रू. से अधिक का जुर्माना वसूल किया गया है, दोषी कार्मिकों के आरजीएचएस कार्ड निलंबित किये गये हैं।

बैठक में समझाया गया कि योजना कार्मिकों व पेंशनरों के लिए कैशलेस उपचार के लिए संचालित है और इसमें किसी भी प्रकार की धांधली का प्रयास सहन नहीं किया जाएगा। जो निजी अस्पताल या फार्मेसी अकारण भ्रम फैला रहे हैं, उन्हें भी योजना से पृथक किया जाएगा। ज्यादातर अस्पताल व फार्मेसी तथा लाभार्थियों के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई विचार-ाधीन नहीं है, ऐसे में योजना को राज्य सरकार की मंशा के अनुसार सुचारू रूप से संचालित किया जाए। बैठक में आईपीडी, ओपीडी तथा फार्मेसी के संबध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गए। वेबिनार में 700 से ज्यादा अस्तपतालों तथा 1000 से ज्यादा निजी फार्मेसी दुकानों के संचालकों ने भाग लिया।

स्वास्थ्य के कई मानकों में राजस्थान देश में बेहतर : भजनलाल

जयपुर, 02 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लू-तापघात (हीट वेव) और गर्मी जनित अन्य बीमारियों से आमजन को राहत पहुंचानें के लिए चिकित्सा विभाग अपनी पूरी तैयारी रखें। जिला कलक्टर नियमित तौर पर अस्पतालों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का पूर्ण रख-रखाव किया जाए एवं किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को बिजली, पानी एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ पूरे समर्पण भाव से काम करें जिससे लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत राज्य में पब्लिक हेल्थ केयर के बुनियादी ढ़ांचे को सुदृढ़ कर विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित किया जा रहा हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य के बुनियादी ढ़ांचे को विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाए तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाते हुए महामारियों से बचाव के लिए उच्च स्तर की तैयारियां की जाएं। उन्होंने कहा कि शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों में वंचित वर्ग को उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग द्वारा इन आरोग्य मंदिर के लिए चिन्हित सरकारी अनुपयोगी जमीन को उपयोग में लिया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में लू से निपटने की तैयारियों के मद्देनजर अस्पतालों में दवाइयां और उपकरणों की हर समय उपलब्धता हो। हीट वेव की स्थिति में नियमित निगरानी रखी जाए तथा चिकित्सालयों में हर समय सभी आवश्यक मेडिकल व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चिकित्सा के आधारभूत ढ़ांचे को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में इस वर्ष तक प्रमुख 12 सेवाएं मिलना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं से लैस करते हुए इनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएं। साथ ही, एम्बुलेंस की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में एक्सरे, सोनोग्राफी एवं डायलिसिस मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा इन सभी मशीनों को हर समय कार्यशील रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत प्रदेशवासियों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से संधारित करने के लिए प्रदेश के हर व्यक्ति कि ना केवल आभा आईडी बनाई जाए बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आभा आईडी का अधिक से अधिक उपयोग शीघ्र प्रारम्भ हो। बैठक में नव-निर्मित उपस्वास्थ्य केन्द्र, इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब, क्रिटीकल केयर ब्लॉक, मा वाउचर योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य में योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नवाचारों का प्रस्तुतिकरण दिया।

शुभ लाभ DAILY

क्रेडिट को लेकर मची होड़

एनडीए ने कांग्रेस-आरजेडी को बताया जाति जनगणना विरोधी पार्टी

बेगूसराय (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में जाति जनगणना कराने की घोषणा के बाद देश की राजनीति गर्म हो गई है। कांग्रेस इसे राहुल गांधी की जीत के रूप में दिखाने की कोशिश में लगी हुई है। राहुल गांधी काफी लंबे से इसकी मांग कर रहे थे। वहीं, दूसरी तरफ एनडीए गठबंधन ने कांग्रेस को जाति जनगणना का विरोधी बताया है।

इसी कड़ी में बेगूसराय में एनडीए गठबंधन के नेताओं ने सर्किट हाउस में एकसाथ मीडिया को संबोधित कर चुनावी साल में माहौल बनाने की कोशिश की है। प्रवक्ताओं ने कहा कि जाति गणना चुनावी एजेंडा बिल्कुल नहीं है। मुंबई में इंडी गठबंधन की बैठक में कांग्रेस पार्टी ने इसका विरोध किया था। राहुल गांधी पहले जाति गणना का विरोध करते थे, अब श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने जाति गणना कराई, लेकिन

रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन सामाजिक न्याय नहीं किया। नरेंद्र मोदी को जब मौका मिला तो उन्होंने हर वर्ग के लिए काम किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी सभी जातियों और धर्मों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। हालांकि यह भी कहा कि पिछले साल बिहार में जाति गणना कराई गई थी, जिससे राज्य को लाभ हुआ। अब केंद्र सरकार का यह ऐतिहासिक फैसला सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। राजद सुप्रीमो में लालू प्रसाद यादव पर सामाजिक न्याय के नाम पर उन्माद फैलाने का आरोप लगाया।

एनडीए गठबंधन के प्रवक्ताओं ने कहा कि एनडीए सबका साथ-सबका विकास की नीति पर काम करती है। जाति गणना से शोषितों और वंचितों के लिए नीति बनाना आसान साबित होगा। बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद सरकार ने दो-दो लाख रुपये की सहायता देकर लोगों को स्वावलंबी बनाने की कोशिश की है। 94 साल बाद देश में जाति गणना होने की तैयारी हो रही है। वोट समीकरण बिगड़ने के डर से तेजस्वी यादव और विपक्ष के अन्य नेता गलत बयानबाजी करते रहते हैं।

इस प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार, जदयू के प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता राहुल कुमार, जदयू के प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट डॉ. मधुरेंद्र पांडेय ने केंद्र सरकार की ओर से जाति गणना कराने के फैसले की एकसाथ सराहना की है। इस दौरान बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा, लोजपा (रा.) जिलाध्यक्ष प्रेम पासवान, हम जिलाध्यक्ष पीयूष कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष रुदल राय, राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल सिंह और जदयू अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष सरफराज आलम सहित एनडीए घटक दल के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शादी की खुशियां मातम में बदली, गैस सिलेंडर ब्लास्ट से पंडाल समेत लाखों की संपत्ति जली

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। शिवहर जिले में फतेहपुर थाना क्षेत्र के कहतरवा गांव में गुरुवार रात पल भर में शादी की खुशियां मातम में बदल गई। बारातियों के लिए खाना बनाने के दौरान अचानक गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया, जिसके कारण से पंडाल समेत लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई।

वहीं, शादी का समारोह कुछ ही पलों में त्रासदी में बदल गया। इस हादसे ने केवल एक परिवार की खुशियों को राख कर दिया। बल्कि पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है। गैस सिलेंडर ब्लास्ट के कारण भीषण आग लग गई। यह आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा शादी का पंडाल, घर और वहां खड़ा ट्रैक्टर तक जलकर राख हो गया। इस हादसे में लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है और गांव में कोहराम मच गया है।

बताया जा रहा है कि कहतरवा गांव निवासी सुरेश साह की बेटी की शादी की तैयारियां अंतिम चरण में थी। तरियानी छपरा से बारात आने वाली थी। पंडाल सज चुका था, खाना बनने की तैयारी चल रही थी, इसी बीच अचानक गैस सिलेंडर फट गया। धमाका इतना तेज था कि पास-पड़ोस के लोग डर गया।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट के बाद आग ने शादी का पूरा पंडाल, घर, वाशिंग मशीन, फ्रीज, टीवी, गोदरेज, पलंग, कुर्सी, कपड़े, खाद्य सामग्री, बर्तन, ट्रैक्टर, बेल्डिंग की दुकान सहित बगल के खेत में लगे मक्का के फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि उसे काबू में लाने के लिए अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गई, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था।

आग लगते ही शादी स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घर के सभी लोग इधर-उधर भागने लगे। कई लोगों ने जान बचाने के लिए खेतों की ओर दौड़ लगाई। शादी की सारी खुशियां पलभर में राख में तब्दील हो गई।

घटना के सूचना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग व मौके पर पहुंची दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने घंटो मशक्कत कर आग पर काबू पाई। आग इतनी विकराल थी और गैस सिलेंडर विस्फोट से दहशत का माहौल काम हो गया था।

घटना की सूचना मिलते ही फतेहपुर थानाध्यक्ष कोमल रानी मौके पर पहुंचीं और राहत कार्यों की निगरानी शुरू की। आग लगने की प्राथमिक वजह गैस सिलेंडर ब्लास्ट को माना जा रहा है। देर शाम पहुंची कुछ बारातियों के बीच सादे समारोह में विवाह संपन्न कराया गया और कुछ ही घंटों बाद बारात लौट गई।

मुठभेड़ में पकड़ाए तीन आरोपियों को कोर्ट ने भेजा जेल

तीनों पर यूपी की किशोरी के साथ दरिंदगी का है आरोप

पटना (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा रेलवे स्टेशन पर किशोरी के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को पुलिस ने दो आरोपितों सोनू बिन उर्फ सनू बिन और करीमन बिन उर्फ प्रिंस बिन को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया। हालांकि, इससे पहले मंगलवार को एक अन्य आरोपित अभिषेक बिन को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

कुचायकोट थानाध्यक्ष के अनुसार, तीनों आरोपितों के विरुद्ध रिमांड की मांग की गई है ताकि गहन पूछताछ की जा सके। घटना सोमवार तड़के उस समय हुई जब उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले की एक किशोरी सासामुसा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। तभी तीन युवकों ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सोमवार को ही अभिषेक बिन को गिरफ्तार कर लिया था।

इधर, अभिषेक की निशानदेही पर जब पुलिस ने पेटभरिया गांव में छापेमारी करने गई तो अपराधियों ने पुलिस को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की।

पुलिस की ओर से की गोलीबारी में तीनों आरोपियों के पेड़ में गोली लग गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में तीनों आरोपितों के पैर में गोली लगी। उन्हें सदर अस्पताल में पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। किशोरी को भी दुष्कर्म की घटना के बाद अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद उसे पुलिस सुरक्षा में उसे घर पहुंचा दिया गया।

तेजस्वी और उनके परिवार ने किया लोहिया के समाजवाद के साथ विश्वासघात : मंत्री

पटना (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने तेजस्वी यादव के समाजवाद पर किए गए टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टिप्पणी करने से पहले कृपया डॉ. राम मनोहर लोहिया के समाजवाद को सही से समझिए। लोहिया जी का समाजवाद केवल एक जाति, वर्ग या समुदाय का नहीं था, वह समाज के हर तबके, हर दबे-कुचले व्यक्ति, हर महिला और हर पुरुष के समान अधिकार और अवसर की लड़ाई थी। वह विचारधारा समावेशी थी, न कि विभाजनकारी।

दुर्भाग्यवश, आपके परिवार ने लोहिया और कर्पूरी ठाकुर जी की महान विचारधारा को तोड़-मरोड़ कर उसे केवल जातिवादी

राजनीति का औजार बना दिया। आपने समाज को एकजुट करने के बजाय, उसमें जाति के ज़हर का बीज बोया।

आपने एक विशेष जाति की राजनीति को बढ़ावा दिया, वो भी केवल राजनीतिक लाभ के लिए, पर जिस जाति के कंधों पर चढ़कर सत्ता पाई, उनके लिए भी कुछ ठोस नहीं किया। आपने सिर्फ अपने परिवार के लिए सत्ता और संसाधनों का उपयोग किया।

आज बिहार और देश जानता है कि आपके परिवार ने 'समाजवाद' के नाम पर सिर्फ और सिर्फ परिवारवाद को पोषित किया।

समाजवाद को आपने अपनी संकीर्ण, स्वार्थी राजनीति का शिकार बना डाला। इसलिए तेजस्वी जी, पटाखे छोड़ना और बयानबाजी करना बंद कीजिए। गंभीर राजनीति कीजिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद कीजिए, जिनके नेतृत्व में देश के लम्बे समय से पेंडिंग मुद्दे, चाहे वह सामाजिक न्याय हो, जातिगत जनगणना हो, आरक्षण का सवाल हो या फिर ओबीसी वर्ग के अधिकार, सभी पर ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। मोदी ने यह सिद्ध किया है कि 'करता है तो मोदी ही करता है' बाकी आप जैसे जातिवादी मानसिकता वाले लोग राजनीतिक रोटी सेक कर आम लोगों को बेवकूफ बनाते रहते हैं, ये देश और बिहार की जनता जानती है।

50 हजार के इनामी को पुलिस ने दबोचा

घटना के बाद भाग जाता था नेपाल

मधेपुरा (एजेंसियां)। मधेपुरा जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वर्षों से फरार चल रहे टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल कुख्यात बदमाश गुमेश सरदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। यह कार्रवाई मधेपुरा एसपी संदीप सिंह के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में की गई। गुरुवार को

एएसपी प्रवेंद्र भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि शंकरपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार और भतनी थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश कुमार के नेतृत्व में दोनों थाना के सशस्त्र बलों के साथ संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया गया।

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शंकरपुर थाना क्षेत्र के बरियाही वार्ड संख्या-12 निवासी कुख्यात अपराधी गुमेश सरदार (50) को भतनी थाना क्षेत्र के बलुआहा से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधी गुमेश सरदार पर शंकरपुर एवं मधेपुरा थानों में डकैती, लूट, गृहभेदन, चोरी, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, संगठित गिरोह संचालन जैसे गंभीर आरोपों में कुल 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

वह एक सक्रिय अपराध गिरोह का संचालन करता था। गिरोह के सदस्य ताला काटने की मशीन और अन्य औजारों का प्रयोग कर घरों में घुसते थे और नकदी, जेवरात समेत कीमती सामान चोरी कर लेते थे।

पुलिस के अनुसार घटना को अंजाम देने के बाद गुमेश सरदार अक्सर सीमावर्ती जिलों या नेपाल जाकर छिप जाते थे, जिससे उनकी गिरफ्तारी कठिन हो जाती थी। लेकिन इस बार लगातार निगरानी के चलते पुलिस को यह सफलता मिली। छापेमारी टीम में शंकरपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार, भतनी थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश कुमार एवं दोनों थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। एसपी ने बताया कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण पाने में पुलिस को बड़ी मदद मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता की हादसे में मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास सड़क हादसे में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अनियंत्रित ट्रक ने अधिवक्ता के कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ड्राइवर और उसकी पत्नी की हालत गंभीर है।

सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों जख्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया गया है। मृतक की पहचान पुणे निवासी पवन प्रकाश पाठक के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि पवन प्रकाश पाठक की दो महीने पहले बेतिया जिले के लाल बाजार निवासी ऋचा शांडिल्य से शादी हुई थी। शादी के बाद गुरुवार को दोंगा का रस्म हुआ था। दोंगा का रस्म पूरा होने के बाद एक किराए के कार द्वारा अपनी पत्नी को गोरखपुर लेकर जा रहे थे। अभी वे गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास पहुंचे, तभी एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार धक्का मार दिया और मौके से फरार हो गया। हालांकि बेतिया पुलिस द्वारा ट्रक को पकड़ लिया गया है। वहीं इस भीषण हादसे के बाद कार सवार पवन प्रकाश पाठक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं अधिवक्ता की पत्नी ऋचा शांडिल्य और ड्राइवर भोजपुर जिले नसरथपुर निवासी से स्वराज सिंह के बेटा अखिलेश सिंह बुरी तरह जख्मी हैं। डायल 112 के सहयोग से सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दोनों को भर्ती कराया गया, जहां डाक्टर के देखरेख में दोनों का इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि मृतक पवन प्रकाश पाठक की पत्नी ऋचा शांडिल्य भी सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जननायक एक्सप्रेस से करीब 48 लाख रुपये की अफीम बरामद, तस्करी में शामिल दो लोग हुए गिरफ्तार

हाजीपुर (एजेंसियां)। हाजीपुर जंक्शन पर सोमवार को एनसीबी पटना की सूचना पर आरपीएफ और एनसीबी की संयुक्त कार्रवाई में जननायक एक्सप्रेस से करीब 48 लाख रुपये मूल्य की अफीम बरामद की गई। इस दौरान अफीम की तस्करी में शामिल एक महिला समेत दो तस्करों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

जानकारी के मुताबिक,

जननायक एक्सप्रेस जैसे ही हाजीपुर स्टेशन पहुंची, आरपीएफ और एनसीबी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर एक बोगी में दबिश दी। वहां एक महिला और एक पुरुष के पास से काले रंग का पिट्ठू बैग और एक सफेद प्लास्टिक का झोला बरामद किया गया। जब उसकी तलाशी ली गई, तो उसमें से ब्राउन टेप में लिपटे अफीम के आठ पैकेट बरामद हुए, जिनका कुल वजन करीब 8 किलो बताया जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के बैसाहा गांव निवासी राकेश साह (40 वर्ष), पिता स्वर्गीय गंगा साह, और निर्मला देवी (45 वर्ष), पत्नी स्वर्गीय हरकिशोर प्रसाद के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एनसीबी पटना ने एफआईआर दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरपीएफ हाजीपुर प्रभारी साकेत कुमार ने बताया कि बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 48 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों के सिंडिकेट और नेटवर्क की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com